

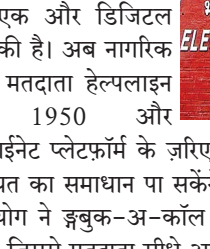
देश की रक्षा क्षमताओं पर गर्व

मैं इस उड़ान के सफल आयोजन के लिए भारतीय वायु सेना और अंबाला स्टेशन की पूरी टीम को बधाई देती हूँ। राष्ट्रपति मुर्मू की राफेल उड़ान को नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जा रहा है। उन्होंने उड़ान से पहले मौजूद अधिकारियों और जवानों का अभिवादन स्वीकार किया। इस अवसर पर वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति ने पायलटों और अधिकारियों से बातचीत की और सलामी गारद का निरीक्षण भी किया।

उड़ान से पहले राष्ट्रपति को विमान की तकनीकी जानकारी दी गई और उनका व्यापक मेडिकल चेकअप किया गया। अंबाला वायुसेना स्टेशन का चयन इसलिए भी महत्वपूर्ण रहा क्योंकि फ्रांस से प्राप्त राफेल विमानों की पहली स्काउड यहीं वायुसेना में शामिल की गई थी। यह उड़ान न केवल राष्ट्रपति मुर्मू के लिए गौरवपूर्ण क्षण थी, बल्कि भारतीय वायुसेना और देश की महिलाओं के लिए प्रेरणा का प्रतीक बन गई।

सैन्य कमांडरों की वार्ता में सकारात्मक सहमति



चुनाव आयोग ने मतदाताओं की सुविधा के लिए एक और डिजिटल पहल की है। अब नागरिक राष्ट्रीय मतदाता हेल्पलाइन नंबर 1950 और ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म के जरिए चुनाव संबंधी हर जानकारी और शिकायत का समाधान पा सकेंगे।

आयोग ने झुबुक-अ-कॉल विद बीएलओफ सुविधा भी शुरू की है, जिससे मतदाता सीधे अपने बूथ लेवल अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, यह व्यवस्था शिकायत निवारण प्रणाली को और पारदर्शी, त्वरित और नागरिक-केंद्रित बनाएगी। हेल्पलाइन सुबह 8 से रात 8 बजे तक टोल-फ्री नंबर 1800-111-1950 पर संचालित होगी।

इसके साथ ही आयोग ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में राज्य और जिला संपर्क केंद्र स्थापित करने के निर्देश दिए हैं, जहाँ क्षेत्रीय भाषाओं में सहायता उपलब्ध रहेगी।

सभी शिकायतें अब राष्ट्रीय शिकायत सेवा पोर्टल पर दर्ज और ट्रैक की जाएँगी, जिससे नागरिकों को अपने प्रश्नों का 48 घंटे के भीतर समाधान मिल सकेगा।

डिजिटल पोर्ट्स की दिशा में तेजी से बढ़ रहा देश : मोदी

हैं। सम्मेलन के दौरान कई बड़े समुद्री प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और लाखों-करोड़ों रुपए के एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए, जिनमें बंदरगाह विकास, शिपबिल्डिंग, ग्रीन शिपिंग, डिजिटल नेविगेशन और समुद्री सुरक्षा से जुड़े प्रोजेक्ट शामिल हैं।

▶ **10 पर**

▶ **10** पर

रूस, ईरान और वेनेजुएला जैसे देशों पर पश्चिमी प्रतिबंधों से सबक लेते हुए भारत ने यह फैसला जोखिम प्रबंधन और रणनीतिक विविधीकरण के तहत लिया है। आरबीआई की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 के अंत तक केंद्रीय बैंक के पास कुल 880.8 टन सोना है। **10**

भारत सरकार ने कहा है कि थाईलैंड के साथ समन्वय में सभी भारतीय नागरिकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी सुनिश्चित की जाएगी।

पोसीडॉन की लंबाई करीब 60 फीट, वजन 90 टन और गति

Poseidon Intercontinental Nuclear-Powered Nuclear-Armed Autonomous Torpedo

2639 "Poseidon" (Stoedagim) / "Status-6" (Charyb-6 / "Slaf" (Cove)) seabed launched variant / NATO: KANYON

▲ Prototype. Reference material from Russian MoD video released July 2018

▼ Test vehicle. Reference material from Russian MoD released February 2019

▼ Submerged test load. Reference material from July 2010*

▼ Harpoonford 2P-3M for reference

तीर्थ शहरों को तबाह कर सकता है। रूसी सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार, यदि पोसीडॉन नॉलॉन्ड किया जाए तो यह 50 मीटर ऊँचाई तक रेडियोएक्टिव सुनामी पैदा कर सकता है जिससे कोई भी समुद्री शहरों तक रहने योग्य नहों रहें। पुतिन ने इस परीक्षण व रूस की आक्रामक रक्षा नीति व हिस्सा बताया और कहा कि इसकी ताकत समरकंद (‘सातान 2’) से भी कम है।

यह रूस का एक सप्ताह में दूसरा परमाणु हथियार परीक्षण है। हाल ही में पुतिन ने बुरेखेस्तनिक न्यूक्लियर मिसाइल के सफल परीक्षण का ऐलान किया था।

2018 में पहली बार दुनिया को पोसीडॉन की झलक दिखाई गई थी, जिसे अब रूस की अगली पीढ़ी का पावरहाउस हथियार माना जा रहा है - ऐसा हथियार जो किसी भी पश्चिमी डिफेंस सिस्टम को मात दे सकता है।

सोना : 1,23,970/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,51,160/-
(प्रति किलोग्राम)



ट्रंप का दक्षिण कोरिया में स्वागत, किम जोंग-उन के साथ बैठक रद्द होने पर जताया अफसोस

सियोल (दक्षिण कोरिया), 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय दक्षिण कोरिया के उत्तरी ग्योंगसांग प्रांत के ऐतिहासिक शहर ग्योंगजू में हैं। वो यहां के ग्योंगजू राष्ट्रीय संग्रहालय में आयोजित एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। बुधवार दोपहर सम्मेलन शुरू होने से पहले दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग ने संग्रहालय के बाहर अपने अमेरिकी समकक्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर ट्रंप और ली ने उत्तर

कोरिया के नेता किम जोंग-उन के साथ बैठक रद्द होने पर अफसोस जताया।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति ली और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किम जोंग-उन के साथ अपेक्षित मुलाकात न हो पाने पर खेद व्यक्त करते हुए प्योंगयांग के साथ बातचीत में अपनी निरंतर रुचि को रेखांकित किया। ली संग्रहालय के बाहर अपने अमेरिकी समकक्ष का स्वागत करने बाद उन्हें अंदर ले गए। ली ने ट्रंप को कोरियाई प्रायद्वीप में शांति को बढ़ावा देने के उनके प्रयासों के सम्मान में ग्रैंड ऑर्डर

ऑफ मुगुनघ्वा (कोरिया का सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान) प्रदान किया। किसी अमेरिकी राष्ट्रपति को यह सम्मान पहली बार दिया गया।

इससे पहले ट्रंप का बसान के गिम्हे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया। 21 तोर्पा की सलामी शामिल दी गई। विदेशमंत्री चो ह्यून और संयुक्त राज्य अमेरिका में कोरियाई राजदूत कांग क्यूंग-व्हा ने अमेरिकी राष्ट्रपति का स्वागत किया। हवाई अड्डे से ट्रंप अपने आधिकारिक हेलीकॉप्टर

मरीन वन में सवार होकर ग्योंगजू के लिए लगभग 80 किलोमीटर की उड़ान पर रवाना हुए। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने बताया कि ली ट्रंप और सम्मेलन में भाग लेने वाले सात अन्य देशों के नेताओं के सम्मान में रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। इसमें वियतनाम, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, कनाडा, थाईलैंड और सिंगापुर के राष्ट्राध्यक्ष भी शामिल होंगे। नेताओं के बीच हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक सहयोग पर खुली चर्चा होने की उम्मीद है।

न्यूज़ ब्रीफ

पाकिस्तान के लाहौर में पुलिस सब इंस्पेक्टर डकैती के आरोप में गिरफ्तार



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर में एक पुलिस उप निरीक्षक (सब इंस्पेक्टर) को डकैती के जुर्म में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के आला अधिकारियों ने हाल ही में वायरल एक वीडियो विलफ के आधार पर जांच कराई। जांच में पुष्टि होने पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। जुर्म कबूल करने पर गिरफ्तार कर लिया गया। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, इस उप निरीक्षक पर लाहौर के शाहदरा में डाका डालने का आरोप है। पुलिस सूत्रों ने आरोपित की पहचान उप निरीक्षक अम्मार के रूप में की है। वह न्यू अनारकली थाना के ऑपरेशन विंग में तैनात था। 27 अक्टूबर को सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद उसे हिरासत में लिया गया था। इसमें वह नकाबपोश और हथियारों से लैस होकर शाहदरा के इस्लामिया कॉलोनी में एक स्थानीय व्यापारी के घर डकैती के साथ दिखाई दे रहा है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में अम्मार को इमरान हैदर के घर से नकदी से भरा एक बैग छीनते हुए दिखाया गया है। जांचकर्ताओं ने कहा कि पीछित के घर चौथी बार डाका डाला गया। पीछित को कुल नुकसान 17 लाख रुपये से अधिक का हुआ। सबसे हालिया घटना 18 अक्टूबर को हुई। आरोपितों ने बंदूक के दम पर 477,000 रुपये लूट लिए।

इथेनॉल वाले उत्पादों से बढ़ा कैंसर का खतरा, यूरोप लगाएगा प्रतिबंध, पर भारत का क्या होगा



वॉशिंगटन। भारत में बिक रहे पेट्रोल में 20 प्रतिशत इथेनॉल मिलाया जा रहा है। जो नए वाहन बाजार में आ रहे हैं उनमें साफ लिखा होता है कि यह डंजन 20 प्रतिशत इथेनॉल वाले पेट्रोल के हिसाब से तैयार किया गया है। इसके अलावा हेंड सेनेटाइजर में भी इथेनॉल का उपयोग होता है। अब भारत की चिता का कारण वो रिपोर्ट बन सकती है जिसमें दावा किया गया है कि इथेनॉल वाले उत्पाद कैंसर को बढ़ावा दे रहे हैं। यूरोपीय संघ (ईयू) द्वारा इथेनॉल-आधारित उत्पादों पर लगाए जाने वाले संभावित प्रतिबंध की खबर ने भारत में चिंता पैदा कर दी है। यह कदम यूरोपीय केमिकल एजेंसी (ईसीएचए) की उस रिपोर्ट के बाद उठाया गया है, जिसमें एथेनॉल में कैंसरकारी जोखिम की संभावना बताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रतिबंध न केवल हेंड सेनेटाइजर और साफ-सफाई उत्पादों को प्रभावित करेगा, बल्कि भारत जैसे देशों में इथेनॉल ब्लेंडेड ईंधन की बढ़ती उपयोगिता पर भी सवाल खड़े कर सकता है। भारत में यह खबर खासकर बंगलुरु जैसे शहरों में चिंता बढ़ा रही है, जहां इथेनॉल का उपयोग ईंधन ब्लेंडिंग और सेनेटाइशन में व्यापक है। रिपोर्ट के मुताबिक, इथेनॉल ब्लेंडेड पेट्रोल के जलने से एपिस्टाइटिस और फॉर्मिडिहाइड जैसी जहरीली गैसें निकल सकती हैं, जो कैंसर से जुड़ी हैं। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक, जानकारों का कहना है कि इथेनॉल ईंधन स्वाभाविक रूप से अधिक हानिकारक नहीं हैं। यह प्रदूषकों के कुल मिश्रण पर निर्भर करता है, और इथेनॉल अत्यंत जहरीले तत्वों को कम कर सकता है। भारत सरकार को इथेनॉल मिश्रण नीति (20 प्रतिशत ब्लेंडिंग लक्ष्य) पर यह प्रतिबंध असर डाल सकता है, क्योंकि ईंधन भारत का प्रमुख निर्यात बाजार है। कॉस्मेटिक उद्योग, खासकर ड्रग और लोशन क्षेत्र में इथेनॉल का उपयोग प्रमुख है।

पाक की नापाक हरकत: तालिबानी नेताओं को गाली देने पर आगबबूला हुआ अफगानिस्तान

इस्तांबुल। पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों के लिए जगजाहिर है। इसका एक और उदाहरण इस्तांबुल की बैठक में देखा गया। जहां पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख मेजर जनरल शाहाब असलम ने तालिबान नेताओं को खुलेआम अपशब्द कहे। पाकिस्तान की इस बदतमीजी से शांति वार्ता के मध्यस्थ करार और तुर्की के प्रतिनिधि भी हेरान रह गए। अफगानिस्तान ने इसे बदतमीजी करार देते हुए वार्ता रद्द कर दी और कड़ा रुख अपनाते हुए पाकिस्तान को चेतावनी दी कि अगर अफगान सरजमीं पर हमला किया गया, तो इस्लामाबाद को निशाना बनाया जाएगा। यह घटना दोनों देशों के बीच सीमा पर हाल की हिंसक झड़पों के बाद आई है, जहां दोनों ओर से दर्जनों सैनिक मारे गए थे। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच तनाव तब चरम पर पहुंचा जब अक्टूबर के मध्य में पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कंधार और काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के ठिकानों पर हवाई हमले किए। पाकिस्तान का आरोप था कि तालिबान सरकार टीटीपी को पनाह दे रही है, जो पाकिस्तानी सेना पर हमले कर रहे हैं।

गाजा में हमारास के ठिकानों पर इजराइल ने की बमबारी, 33 लोग मारे गए

केटा, 28 अक्टूबर (एजेंसियाँ) ।

गाजा में एक इजराइली रिजर्व सैनिक की हत्या के बाद हवा में बारूदी गंध घुल गई है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने इस हत्या का दोषी आतंकवादी समूह हमारास को ठहराते हुए उसके खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। आईडीएफ के ताजा हवाई हमले में कम से कम 33 लोगों के मारे जाने का दावा किया गया है। यह हमले गाजा सिटी, बेत लाहिया, अल-बुरेज, नुसेरात और खान यूनिस आदि क्षेत्रों में किए गए।



बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने एक संक्षिप्त बयान जारी किया। इसमें कहा गया कि प्रधानमंत्री ने सेना को जबरदस्त हमले करने का आदेश दिया है। इस बयान से पहले रक्षामंत्री इजराइल कैटज ने कहा कि हमारास ने मंगलवार को गाजा में इजराइली सैनिकों पर हमला करके लाल रेखा पार कर ली। उसे इसकी कीमत चुकानी होगी। एक इजराइली सैन्य अधिकारी ने कहा कि हमारास का हमला येलो लाइन के पूर्व में हुआ। यह रेखा युद्धविराम समझौते के तहत गाजा के अंदर इजराइली नियंत्रित क्षेत्र को चिह्नित करती है। रिपोर्ट के अनुसार, दक्षिणी गाजा के शहर राफाह में सैनिकों पर मंगलवार दोपहर मिसाइलें दागी गईं। अल जजीरा टीवी चैनल ने चिकित्सा सूत्रों के हवाले से इजराइली सेना के हमलों में कम से कम 63 लोगों के मारे

जाने का दावा किया है। चैनल के अनुसार इनमें 24 बच्चे भी शामिल हैं। अक्टूबर 2023 में शुरू हुए गाजा पर इजराइल के हमले में कम से कम 68,527 लोग मारे गए हैं और 170,395 घायल हुए हैं। सात अक्टूबर, 2023 को हमारास के हमलों के दौरान इजराइल में कुल 1,139 लोग मारे गए और लगभग 200 लोगों को बंधक बना लिया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, गाजा शहर के पश्चिम में स्थित सबरा, दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के उत्तर-पश्चिम में हुए हमले सात लोग मारे गे हैं। गाजा आपातकालीन सेवाओं ने बम विस्फोटों में अनेक लोगों के हताहत होने की सूचना दी है। अल-अवदा अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि मध्य गाजा में नुसेरात शरणार्थी शिविर के दक्षिण में एक शरणार्थी तंबू पर हुए हमलों में अधिक लोग हताहत हुए।

इजराइली युद्धक विमानों ने दक्षिणी गाजा के राफाह में हमारास के कई ठिकानों पर बमबारी की और गाजा शहर के पूर्व में स्थित जैतून इलाके पर भी हमला किया।

आईडीएफ ने कल गाजा में हमारास के हमले में रिजर्व सैनिक 37 वर्षीय मास्टर साजैट (सेवानिवृत्त) योना एएरैम फेल्डबाम (इजराइल रक्षा बल) के मारे जाने की पुष्टि की। फेल्डबाम वेस्ट बैंक के नेरिया बस्ती में सैन्य मशीनरी ऑपरेट करते थे। आईडीएफ की प्रारंभिक जांच में दावा किया गया कि आतंकवादियों ने सैनिकों पर आर्पीजी और स्नाइपर फायरिंग की। आईडीएफ ने अनुमान लगाया है कि यहां आतंकवादी छुपे हुए हैं। पिछले हफ्ते इसी इलाके में हुए एक ऐसे ही हमले में दो सैनिक मारे गए थे। इजराइल ने दोनों हमलों के लिए हमारास को जिम्मेदार ठहराया है।

नेपाल में एवरेस्ट बेस कैंप के पास हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, पायलट सुरक्षित



काठमांडू। नेपाल में सगरमाथा एवरेस्ट बेस कैंप के पास सोलुखुम्बु के लोबुचे में अल्ट्रिच्यूट एयर का हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। पायलट सुरक्षित है। सोलुखुम्बु के पुलिस उपाधीक्षक मनोजित कुंवर ने इसकी पुष्टि की। पुलिस उपाधीक्षक कुंवर ने बताया कि हेलीकॉप्टर में केवल पायलट विवेक खड्का सवार थे। वे सुरक्षित हैं। यह हेलीकॉप्टर एक पर्यटक के बचाव के लिए गया था और लैंडिंग के दौरान बर्फ में फिसलने के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आपराधिक समूह कमांडो वर्मेलो ड्रग कार्टेल के खिलाफ सैन्य और पुलिस अभियान में 64 की मौत

रियो डी जेनेरियो (ब्राजील), 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ) ।

ब्राजील के प्रमुख शहर रियो डी जेनेरियो में मंगलवार को आपराधिक समूह कमांडो वर्मेलो ड्रग कार्टेल के खिलाफ शुरू किए गए अब तक के सबसे बड़े सैन्य और पुलिस अभियान में कम से कम 64 लोग मारे गए। इनमें से 60 अपराधी और चार पुलिस अधिकारी बताए गए हैं। भीषण संघर्ष के बाद गिराये की 81 खूंखार सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली। ब्राजील से छपने वाले फोल्हा डी एस.पाउलो अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, सेना और पुलिस 69 गिरफ्तारी वारंट की तामील के लिए मंगलवार को रियो डी जेनेरियो के उत्तरी क्षेत्र के अलेमाओ और पेन्हा में घुसे। यहां कमांडो वर्मेलो कार्टेल का आधिपत्य है। अभियान के दौरान संघर्ष की आशंका के मद्देनजर सेना और पुलिस ने सारे इलाके को घेर लिया। यह अभियान लगभग 2500 पुलिस और सैन्य अधिकारियों के निगरानी में शुरू किया गया। सभी रास्तों को बैरिकेड्स लगाकर बंद कर दिया गया।



अपराधियों के गोलीबारी शुरू करने पर ड्रोन से बम गिराए गए।

गवर्नर क्लाउडियो कास्त्रो के अनुसार, इस अभियान में कम से कम 60 संदिग्ध और चार पुलिस अधिकारी मारे गए। इस दौरान 31 राइफलें भी जब्त की गईं। गिरफ्तार लोगों में आपराधिक समूह का एक सरगना भी है। कास्त्रो ने कहा कि अपराधियों ने अधिकारियों और नागरिकों पर विस्फोटक गिराने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया। राज्य संघीय सरकार के समर्थन के बिना अकेले इन अपराधियों का सामना कर रहा है। गवर्नर ने उच्चतम न्यायालय के उस फैसले की अलोचना भी की, जो इस इलाके में पुलिस कार्रवाई को प्रतिबंधित करता है। उन्होंने कहा कि इस फैसले ने मादक पदार्थों की तस्करी को बढ़ावा दिया है। रियो डी जेनेरियो के लोक अभियोजक कार्यालय के अनुसार, इस इलाके में आपराधिक समूह की मर्जी के बिना पता भी नहीं हलता। कमांडो वर्मेलो पर डोका के नाम से जाने जाने वाले

नेता एडगर अल्वेस डी एंड्रेड और पेड्रो बाला के नाम से जाने जाने वाले पेड्रो पाउलो गुएरेस का नियंत्रण। इसके 67 सदस्य सर्वाधिक खूंखार हैं। इस अभियान के समय सुरक्षा के मद्देनजर स्कूलों को बंद कर दिया गया। द रियो टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कमांडो वर्मेलो ड्रग कार्टेल के खिलाफ शुरू किए गए इस अभियान के दौरान रियो डी जेनेरियो के उत्तर दिशा की पहाड़ियों की गुफाओं में छुपे अपराधियों को भी पकड़ा गया है। इस अभियान को ओपेराओ कॉन्टेनकाओ नाम दिया गया। अलेमाओ और पेन्हा में 1,00,000 से ज्यादा लोग रहते हैं। यहां की दरिद्र बस्तियों में अपराधियों का राज चलता है। इस अभियान की अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर से निगरानी की। इलाके को घेरने बखतरबंद गाड़ियों का प्रयोग किया गया। गवर्नर क्लाउडियो कास्त्रो ने कहा है कि अपराधियों के प्रतिशोध लेने की आशंका के मद्देनजर सेना की कई बटालियनों को तैनात किया गया है।

नेपाल में अंतरिम सरकार का गठन, संसद विघटन के खिलाफ सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट ने गठित की सर्वैधानिक पीठ



काठमांडू, 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ) ।

नेपाल के उच्चतम

न्यायालय ने प्रधानमंत्री

सुशीला कार्की के नेतृत्व में

बनी अंतरिम सरकार और

प्रतिनिधि सभा भंग करने

को असंवैधानिक बताने

वाली 16 याचिकाओं को

सुनवाई के लिए स्वीकार

कर लिया है और इसके लिए

पाँच सदस्यीय सविधान पीठ

का गठन किया है। प्रधान

न्यायाधीश प्रकाशमान सिंह

राउत के नेतृत्व में गठित इस

पीठ में वरिष्ठ न्यायाधीश

सपना प्रधान मल्ल, कुमार

रेग्मी, हरि फुयाल और

मनोज थर्मा शामिल हैं।

सर्वोच्च अदालत के प्रवक्ता अर्जुनप्रसाद कोइराला के अनुसार,

प्रधानमंत्री की नियुक्ति, संसद विघटन को रद्द करने और संसद पुनःस्थापना को लेकर दायर याचिकाओं में प्रारंभिक सुनवाई की जाएगी।

जेन-जी आंदोलन के बाद पूर्व प्रधान न्यायाधीश ने श्रीमती सुशीला कार्की को प्रधानमंत्री नियुक्त करने और प्रतिनिधि सभा को भंग करने को असंवैधानिक घोषित करने की मांग करने वाली अधिकांश याचिकाओं को स्वीकार कर लिया है जिनमें राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल द्वारा लिए गए निर्णयों के संशोधित करने की भी मांग की गई है।

इन याचिकाओं में सर्वोच्च अदालत के पूर्व न्यायाधीशों का मंत्री बनकर सरकार में शामिल होने को गलत एवं आपत्तिजनक बताने वाली याचिकाएं भी शामिल हैं जिन पर भी अन्य याचिकाओं के साथ सुनवाई की जाएगी।

संवैधानिक पीठ में पेश कुछ याचिकाओं में जेन-जी आंदोलन के दमन में भूमिका निभाने वाले पूर्व प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के खिलाफ कानूनी कार्रवाई के लिए आदेश की भी मांग की गई है।

भारत के खिलाफ उल्टा पड़ा शाहबाज-मुनीर का दांव.....सऊदी अरब ने कर दिया खेला

कराची, 29 अक्टूबर (एजेंसियाँ) ।

पाकिस्तान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), कतर और अजरबैजान के साथ मिलकर एक नया ट्रिपल मिलिट्री अलायंस बनाने जा रहा है। इसकी औपचारिक घोषणा अगले महीने दोहा में हो सकती है। यह अलायंस पाक-सऊदी अरब सैन्य करार के मॉडल पर आधारित होगा, जिसमें एक देश पर हमले को साझा हमला माना जाएगा। पाकिस्तान यूएई, कतर और अजरबैजान की सेना को ट्रेनिंग देगा। बहरीन भी इसमें शामिल होना चाहता है।

लेकिन सऊदी अरब-पाकिस्तान सैन्य करार में बड़ा खेल हो गया। सितंबर में हुए करार के तहत पाकिस्तान ने ढाई हजार (2,500) जवान सऊदी अरब भेज दिए थे। अब दावा किया जा रहा है कि सऊदी अरब 25,000 सैनिक उठा ले गया है। इन सैनिकों का काम मुख्य रूप से सऊदी अरब के दुश्मनों, खासतौर पर इजरायल से लड़ना होगा। पाकिस्तान को लगा था कि यह डील भारत और अफगानिस्तान के हमलों से बचाएगी, लेकिन सऊदी अरब ने स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत और अफगानिस्तान के खिलाफ कोई सैन्य कार्रवाई नहीं करेगा। सऊदी अरब ने ऐसी



स्थिति में डिप्लोमेटिक तरीके से दोस्ती कराने की कोशिश करने की बात कही है। सऊदी अरब ने हाल ही में पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हुए संघर्ष में भी केवल राजनयिक प्रयास किए और पाकिस्तान को खुद ही निपटने को कहा। का यह डील पाकिस्तान को सऊदी अरब का इक्वल डिफेंस पार्टनर नहीं बल्कि गुलाम बना दिया है, और इसका मकसद सऊदी अरब की खुद को इजरायल से सुरक्षा करना है, जिसके लिए पाकिस्तान के 25,000 सैनिक तैनात किए जाएंगे।

अब एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सऊदी अरब ने यह डिफेंस डील पाकिस्तान को बचाने या पाकिस्तान पर हमला करने वाले देश पर हमला करने के लिए नहीं की है बल्कि खुद को इजराइल से बचाने के लिए की है। इस डील का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यह है कि पाकिस्तान अपने 25,000 सैनिक सऊदी अरब के अलग-अलग इलाकों में तैनात करेगा। पाकिस्तान के 25,000 सैनिक सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए काम करने वाले हैं।

आने वाले महीनों में इंडिया पोस्ट में दिखेंगे कई बड़े परिवर्तन: सिंधिया

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज नई दिल्ली में डाक विभाग की तिमाही व्यवसाय समीक्षा बैठक 2025-26 की अध्यक्षता की। चार घंटे चली इस बैठक में देशभर के 23 डाक परिमंडलों के अधिकारी शामिल रहे। यह वर्ष की दूसरी समीक्षा बैठक थी, पहली बैठक 15 जुलाई 2025 को हुई थी, जिसने संगठन में प्रदर्शन-आधारित और नवाचार-प्रधान कार्य संस्कृति की दिशा तय की थी।

बैठक के दौरान विभाग के छह प्रमुख क्षेत्रों में जुलाई से सितंबर 2025 तक की प्रगति, उपलब्धियों और चुनौतियों की समीक्षा की गई। सिंधिया ने विभाग के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि दूसरी तिमाही में विभाग ने 80% राजस्व लक्ष्य हासिल किया है यानी 4,184 करोड़ के लक्ष्य में 3,325 करोड़ का राजस्व दर्ज किया गया है। इसी तरह, अर्धवार्षिक लक्ष्य 8,772 करोड़ में से 6,633 करोड़ की उपलब्धि दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष की तुलना में उल्लेखनीय सुधार है।

23 डाक परिमंडलों में से दिल्ली (149%) और तेलंगाना (112%)



सर्वोच्च प्रदर्शनकर्ता रहे, जबकि 16 परिमंडलों ने अपने लक्ष्य का 70 से 99 प्रतिशत तक हासिल किया। केन्द्रीय मंत्री ने ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश के परिमंडलों में लक्षित सुधार के निर्देश दिए तथा दिल्ली और तेलंगाना के मांडलों से सीखने पर जोर दिया।

सिंधिया ने कहा कि तकनीक ही परिवर्तन की सबसे बड़ी शक्ति है। उन्होंने निर्देश दिया कि आईटी 2.0 के सकारात्मक प्रभाव को सिटिजन सेंट्रिक सर्विसेज और पीओएसबी सिस्टम के अलावा अन्य संचालन

इकाइयों में भी फैलाया जाए। उन्होंने बताया कि जनवरी और मार्च 2026 में छह नए उत्पाद लॉन्च किए जाएंगे, जो डाक विभाग के नवाचार और दक्षता को नई दिशा देंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि डाक विभाग को अब एक आधुनिक लॉजिस्टिक्स संगठन के रूप में विकसित किया जा रहा है, जिसमें पार्सल और मेल सेवाएं कुल राजस्व का न्यूनतम 75% हिस्सा देंगी। उन्होंने सभी परिमंडलों के मुख्य डाकमहाप्रबंधकों को निर्देश दिया कि वे मासिक समीक्षा बैठकें करें और पार्सल, मेल, अंतरराष्ट्रीय मेल व वैश्विक कारोबार, आरपीएलआई/पीएलआई, नागरिक

सेवाएं और पीओएसबी सहित सभी छह प्रमुख वर्टिकल्स में प्रदर्शन का मूल्यांकन करें।

उन्होंने अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने काम को सिर्फ प्रशासनिक दायित्व नहीं, बल्कि एक व्यवसायिक इकाई के रूप में नेतृत्व करें। उन्होंने कहा कि आप सभी केवल अधिकारी नहीं, बल्कि एक व्यवसाय चला रहे प्रमुख कार्यकारी अधिकारी (उज्जी) हैं।

सिंधिया ने यह भी कहा कि सभी परिमंडल अपने संचालन की तुलना निजी क्षेत्र की कंपनियों से करें और प्रतिस्पर्धा एवं मूल्य शृंखला विश्लेषण के माध्यम से दक्षता और नवाचार को बढ़ाएं। उन्होंने अगले पाँच वर्षों में सरकारी और निजी व्यवसाय के बीच 20:80 अनुपात प्राप्त करने का लक्ष्य रखा, जिससे विभाग का राजस्व स्रोत अधिक विविध और स्थायी बन सके।

सिंधिया ने ग्रामीण डाक सेवकों के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और सफल कहानियों को व्यापक रूप से साझा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इंडिया पोस्ट की असली ताकत हमारे ग्राम डाक सेवक हैं, जो देश के हर कोने में सेवा और भरोसे का संदेश पहुंचाते हैं।

बैठक के दौरान सिंधिया ने कहा कि आने वाले कुछ महीने इंडिया पोस्ट के लिए परिवर्तनकारी साबित होंगे। हम पूरे देश में डाक ढांचे के व्यापक आधुनिकीकरण की दिशा में अग्रसर हैं। 'प्रोजेक्ट ऐरो' को नई ऊंचाई पर ले जाकर इंडिया पोस्ट को एक विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स संगठन के रूप में स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि डाक सेवा ही जन सेवा की भावना के साथ सभी अधिकारियों को एक-दूसरे के साथ निरंतर संवाद और सहयोग बनाए रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि हम नियमित रूप से मिलें, अनुभव साझा करें और जिन क्षेत्रों में चुनौतियां हैं, उन पर चर्चा करें ताकि समाधान खोजा जा सके।

बैठक का समापन करते हुए सिंधिया ने सभी अधिकारियों से आह्वान किया कि वे 'वोकल फॉर लोकल' और 'लोकल टू ग्लोबल' की भावना के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि मेरा उद्देश्य है कि हमारे अधिकारी अपनी सुविधा के दायरे से बाहर निकलकर नई सोच और नई ऊर्जा के साथ काम करें। हम सब मिलकर इंडिया पोस्ट को नागरिक-केंद्रित, सेवा-प्रधान और भविष्य के लिए तैयार संगठन बनाएंगे।

आंध्र प्रदेश में तबाही चक्रवात मौंथा काकीनाडा तट से टकराया



तेज हवाओं और बारिश से मचा कहर

काकीनाडा/विशाखापट्टनम, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

आंध्र प्रदेश में बुधवार सुबह चक्रवात मौंथा के टकराने से कई तटीय जिलों में तबाही मच गई। मौसम विभाग के अनुसार, चक्रवात ने काकीनाडा तट पर 110 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दस्तक दी, जिससे पेड़ उखड़ गए, बिजली आपूर्ति बाधित हुई और कई जगहों पर भारी नुकसान हुआ। कृष्णा, मछलीपट्टनम, और अद्वरी सीताराम राजू जिलों में भारी बारिश के साथ तेज हवाएं चलीं।

अद्वरी जिले में एक पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हुए हैं। राज्य आपदा प्रबंधन दलों को राहत कार्यों के लिए तैनात किया गया है। आईएमडी ने कहा कि तूफान के कमजोर पड़ने के बावजूद यह दक्षिण भारत में अगले कुछ दिनों तक व्यापक वर्षा लाएगा।

तमिलनाडु, पुडुचेरी और कन्याकुमारी में अगले 6 दिनों तक मध्यम से भारी बारिश की संभावना जताई गई है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

चेन्नई सहित तटीय इलाकों में आपात नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिए गए हैं। स्थानीय प्रशासन को नदियों और जलाशयों में जलस्तर की निगरानी करने और बाढ़-प्रवण क्षेत्रों में निवारक कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं।

लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए एसआईआर पर दो नवंबर को बैठक, सभी दल शामिल हों: स्टालिन

चेन्नई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को कहा कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर दो नवंबर को होने वाली सर्वदलीय बैठक लोकतंत्र को सुरक्षित रखने का एक प्रयास है और सभी दलों को राजनीतिक मतभेद भुलाकर इसमें शामिल होना चाहिए।

द्रविड़ मुनेत्र कश्गम (द्रमुक) और उसके सहयोगी एसआईआर का विरोध करते रहे हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा हाल ही में तमिलनाडु सहित अन्य चुनाव वाले राज्यों में अगले महीने से पुनरीक्षण लागू करने की घोषणा के बाद सरकार ने आगे की कार्रवाई तय करने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई है।



मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इस अभ्यास के माध्यम से तमिलनाडु के लोगों के मतदान के अधिकार को छीनने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, मैं इस मंच से दो-हराता हूँ कि मतदान लोकतंत्र का आधार है।

हम इसे किसी भी कीमत पर कुर्बान नहीं करेंगे। हम मतदान के अधिकार छीनने और वोट चोरी जैसे भाजपा के प्रयासों पर काबू पाएंगे और तमिलनाडु के

लोगों के मतदान के अधिकार की रक्षा करेंगे।

स्टालिन ने कहा कि केरल हमारे साथ जुड़ गया है, उनका स्पष्ट संदर्भ उस राज्य के मुख्यमंत्री पिनरई विजयन के एसआईआर के विरोध से था। प्रस्तावित सर्वदलीय बैठक के बारे में स्टालिन ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा के उद्देश्य से किए जा रहे इस प्रयास में सभी राजनीतिक दलों को अपने राजनीतिक मतभेद भुलाकर भाग लेना चाहिए।

जयशंकर ने यूरोपीय प्रतिनिधिमंडल से एफटीए पर चर्चा की, 2025 अंत तक समझौता लक्ष्य

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को नई दिल्ली में यूरोपीय संसद की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समिति के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और अभिसरण को अधिकतम करने और सहयोग को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यूरोपीय संघ के प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर तस्वीर पोस्ट की। उन्होंने लिखा, गुरुवार को दिल्ली में यूरोपीय संसद की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समिति (आईएनटीए) के प्रतिनिधिमंडल से मिलकर



प्रसन्नता हुई। चर्चा हुई कि भारत और यूरोपीय संघ अभिसरण को कैसे अधिकतम कर सकते हैं और सहयोग को कैसे गहरा कर सकते हैं। इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता आ सकती है और लोकतांत्रिक ताकतें मजबूत हो सकती हैं।

भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) का शीघ्र समापन इन उद्देश्यों में बड़ा बदलाव ला सकता है। इससे पहले 26-28 अक्टूबर को ब्रुसेल्स यात्रा पर रहे केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यूरोपीय व्यापार एवं

आर्थिक सुरक्षा आयुक्त मारोस सेफ्कोविक से एफटीए के लंबित मुद्दों पर सार्थक बातचीत की थी।

आधिकारिक बयान में कहा गया, फरवरी 2025 में आयुक्तों के कॉलेज की नई दिल्ली यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के स्पष्ट निर्देशों का पालन करते हुए, दोनों पक्षों ने 2025 के अंत तक भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को संपन्न करने की अपनी साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

यह बातचीत एक ऐसे व्यापार समझौते पर हुई जो दोनों पक्षों को फायदा दे, संतुलित हो और निष्पक्ष हो। यह समझौता भारत

और यूरोपीय संघ के बीच गहरा भरोसा और मजबूत रणनीतिक रिश्ते दिखाएगा। साथ ही, दोनों एक-दूसरे की संवेदनशील बातों और प्राथमिकताओं का पूरा सम्मान करेंगे।

पिछले महीने, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की थी। इस दौरान उन्होंने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता को शीघ्र पूरा करने और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक (आईएमईईसी) गलियारे के कार्यान्वयन के लिए साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

बीजापुर में 51 नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण 20 पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम

बीजापुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई में एक बड़ी सफलता के रूप में छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में बुधवार को सुरक्षा बलों के सामने 51 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें 20 नक्सलियों पर कुल 66 लाख रुपये का इनाम घोषित था। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाली महिला नक्सली भी शामिल थीं, राज्य सरकार द्वारा जारी शांति और पुनर्वास प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव के



अनुसार, माओवादी सरकार की पुनर्वास नीति और क्षेत्र में हो रहे विकास कार्यों से प्रेरित थे। यादव ने कहा कि हिंसा का रास्ता छोड़ने का उनका फैसला राज्य सरकार के शांति, संवाद और विकास के माध्यम से नक्सलवाद के उन्मूलन के चल रहे अभियान

में एक और महत्वपूर्ण कदम है। आत्मसमर्पण करने वालों में पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) बटालियन संख्या 01 और कंपनी संख्या 01, 02 और 05 के पाँच सदस्य शामिल थे। एसपी ने बताया कि इस समूह में क्षेत्रीय समितियों और

प्लाटून के सात सदस्य, स्थानीय संगठन दस्ते (एलओएस) के तीन सदस्य, एक मिलिशिया प्लाटून कमांडर, 14 मिलिशिया प्लाटून सदस्य और 20 निचले स्तर के कार्यकर्ता भी शामिल थे। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले कई कार्यकर्ता हिंसक घटनाओं में शामिल थे और बीजापुर तथा आसपास के जिलों के आंतरिक वन क्षेत्रों में सक्रिय थे। उनके आत्मसमर्पण से क्षेत्र में माओ-वादी नेटवर्क के संगठनात्मक ढांचे के काफी कमजोर होने की आशंका है।

बस्तर रेंज पुलिस की पूरा

मागेंम पहल पूरे छत्तीसगढ़ में जोर पकड़ रही है, जहाँ कई पूर्व नक्सलियों ने अपने हिंसक संघर्ष को जारी रखने के बजाय आत्मसमर्पण करने का विकल्प चुना है। कई नक्सलियों ने शांतिपूर्ण जीवन की चाह, बेहतर आजीविका के अवसर और सरकार की पुनर्वास नीतियों में विश्वास को अपने इस फैसले के प्रमुख कारण बताया है। पुलिस अधीक्षक यादव ने बताया कि जनवरी 2024 से अब तक बीजापुर में 650 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है, जबकि 196 मुठभेड़ों में मारे गए और 986 अन्य गिरफ्तार किए गए।

पीएम मोदी का विजन शानदार

2047 तक भारत को पांचवां सबसे बड़ा

शिपबिल्डर बनने का लक्ष्य व्यवहारिक : एनरिको

मुंबई, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

भारत में इटली के राजदूत एंटोनियो एनरिको ने बुधवार को कहा कि विजन शब्द प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जुड़ा हुआ है। उनके पास हर सेक्टर के भविष्य के लिए शानदार विजन है और वह परिणामों पर आधारित होता है। देश की आर्थिक राजधानी में 'इंडिया मैरीटाइम वीक 2025' के साइडलाइन में समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भारत एक मैरीटाइम पावर के रूप में विकसित होना चाहता है और

2047 तक दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शिपबिल्डर बनने का लक्ष्य काफी व्यवहारिक लगता है। बोथरा शिपिंग के केंद्रन धनंजय कुमार ने समाचार एजेंसी से कहा कि मैरीटाइम ग्रांथ को लेकर प्रधानमंत्री का विजन बिल्कुल स्पष्ट है। प्रधानमंत्री मोदी 2016 से ही इस क्षेत्र को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और इस दौरान देश ने वधावन, विजिजम, पारादीप सहित कई समुद्री पोर्ट्स में बड़ा विस्तार देखा है।

उन्होंने आगे कहा कि पोर्ट्स, लॉजिस्टिक्स और रेल संपर्क के

विकास से भारत को अधिक माल ढुलाई को कुशलतापूर्वक संभालने में मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री मोदी का विजन 2047 मैरीटाइम सेक्टर को एक बड़ा बढ़ावा देगा, जिससे यह साबित होगा कि भारत ट्रेड शिपिंग में ग्लोबल लीडर बन सकता है।

इंडियन मैरीटाइम यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर मालिनी वी. शंकर ने कहा कि कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ने एमआईडी 2030 का जिक्र किया, जो कि लगभग पांच साल पहले शुरू किया गया था।

सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस, 10 दिनों में मांगा जवाब

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे आंगमो की याचिका पर सुनवाई की। सुप्रीम कोर्ट ने सोनम वांगचुक को हिरासत में रखने के फैसले पर केंद्र सरकार और लद्दाख प्रशासन से जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने 10 दिनों के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। याचिका में

गीतांजलि वांगचुक ने अपने पति सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को चुनौती दी है।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की पीठ ने केंद्र सरकार और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश की ओर से पेश सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता से याचिका पर जवाब दाखिल करने को कहा और मामले की सुनवाई 24 नवंबर तक टाल दी। पीठ ने गीतांजलि आंगमो की ओर



से पेश वकील कपिल सिब्बल को भी अगर कोई है तो, जवाबी हलफनामा दाखिल करने की इजाजत भी दे दी।

इससे पहले गीतांजलि आंगमो ने सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली एक संशोधित याचिका दायर करने की मांग की थी। जिसे सुप्रीम कोर्ट ने मंजूर कर दिया और 15 अक्टूबर को पूर्व की याचिका पर सुनवाई टाल दी थी। सोनम

वांगचुक फिलहाल राजस्थान के जोधपुर की सेंट्रल जेल में बंद हैं। इससे पहले, सिब्बल ने कोर्ट से अनुरोध किया था कि वांगचुक को अपनी पत्नी के साथ कुछ नोट्स शेयर करने की अनुमति दी जाए। जिस पर सॉलिडिटर जनरल तुषार मेहता ने कोई आपत्ति नहीं जताई थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दे दी थी।

सोनम वांगचुक को 26

सितंबर को सख्त राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत हिरासत में लिया गया था। 24 सितंबर को लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने मांग को लेकर लद्दाख में विरोध प्रदर्शन हुए, जो हिंसक हो गए। इस हिंसा में चार लोग मारे गए थे और 90 घायल हो गए थे। सरकार ने सोनम वांगचुक पर हिंसा भड़काने का आरोप लगाते हुए हिरासत में ले लिया था।

सुरों के साथ भरें भविष्य की उड़ान

म्यूजिक के उस्ताद बनने के लिए

म्यूजिक के जरिए इंसान अपनी इमोशन, फीलिंग्स को पेश कर सकते हैं और यही नहीं इंसान अपने मन के भावों को भी बयान कर सकता हैं। इस क्षेत्र में उस्ताद बनना कोई आसान काम नहीं है इसके लिए सच्ची लगन और हॉर्ड वर्क की जरूरत होती हैं। साथ ही इस क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने के लिए आपके पास नेचुरल टैलेंट होना बेहद जरूरी है। नेचुरल टैलेंट के जरिए ही आपको इस क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी।

क्या चाहिए योग्यता...?

अगर आप ने 12वीं कक्षा पास कर ली हैं तो आप आसानी से म्यूजिक फील्ड से जुड़े कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं और आप इसमें सर्टिफिकेट कोर्स, बैचलर कोर्स, डिप्लोमा कोर्स और पोस्ट ग्रेजुएट लेवेल के कोर्स भी कर सकते हैं। आपकी आवाज अच्छी है तो आप अपना म्यूजिक एक्बम जारी कर सकते हैं, पारव गायक बन सकते हैं, फिल्मों में गाने गा सकते हैं, टेलीविजन पर म्यूजिक-शो होस्ट कर सकते हैं, जिंगल्स और विज्ञापनों के लिए अपनी आवाज दे सकते हैं या फिर स्टेज-शो भी कर सकते हैं।

डोने/वीजे और आर्टजे: अगर आप संगीत में रुचि रखते हैं पर गाना गाने में खुद को असमर्थ पाते हैं तो आप इन ऑफबीट करियर क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। इनके जरिए आप हमेशा संगीत के संपर्क में बने रहेंगे।

संगीत संबंधी कोर्स करवाने वाले कुछ प्रमुख संस्थान

- डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्रीराम भरतिया, दिल्ली कला केंद्र, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, उत्तर प्रदेश
- भातखंडे म्यूजिक इंस्टीट्यूट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

ऑफिस पार्टी में कैसे हों कपड़े...

पार्टी में खूबसूरत दिखने की चाह हर किसी को होती है, खास कर महिलाओं में। लेकिन ऑफिस पार्टी के लिए कपड़ों का चयन करते समय काफ़ी सावधानी बरतने की आवश्यकता होती है। आपके कपड़े ऐसे होने चाहिए, जिसमें आप खूबसूरत के साथ-साथ एलीगेंट भी दिखें। यही नहीं, आपका ड्रेस आप पार्टी कोड से मैच करता हुआ भी होना चाहिए। ज्वेलरी पार्टी के मुताबिक होनी चाहिए। कोई भी ड्रेस सिलवेट करने से पहले आप अपने ऑफिस के एनवायरमेंट व कल्चर का ध्यान अवश्य रखें। अगर आपके ऑफिस का माहोल थोड़ा कंसर्वेटिव (रूढ़िवादी) है तो आपको कपड़ों का चयन बहुत ध्यान से करना होगा, वही अगर आप किसी क्रिएटिव फील्ड से जुड़ी हैं और आपके ऑफिस का माहौल आपन है तो आप अपने लुक के साथ थोड़ा एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। ऑफिस की हर पार्टी एक जैसी नहीं होती। कभी बिजनेस डिनर पार्टी तो कभी वर्क होलिडे पार्टी, हर ओकेजन के लिए इसआ भी अलग होता है। जहां डिनर पार्टी के लिए आप टॉप विद ब्लेजर और पेंट पहन सकती हैं वहीं डिनर पार्टी में आपका फॉर्मल लुक होना आवश्यक है। अगर आप अपने लुक को अलग दिखाना चाहती हैं तो इसके लिए ज्वेलरी का सही होना बेहद आवश्यक है। पार्टी में बेहतर होगा कि आप लाइटवेट व स्टेटमेंट नेकपीस ही पहनें। आप चाहें तो पर्ल नेकपीस भी पहन सकती हैं। वैसे तो ऑफिस पार्टी में आप लॉन्ग व शॉर्ट गाउन से लेकर वेस्टर्न विवर पहन सकती हैं लेकिन ऐसा जरूरी नहीं है। आप चाहें तो पार्टी में इंडियन विवर साड़ी या सूट भी पहन सकती हैं, लेकिन बेहतर होगा कि आप हैवी एंवायरडिड साड़ी के बजाय लाइट फैब्रिक से लेकर सॉफ्ट प्रिंट व वाइब्रेट शेड्स का ही चयन करें।

दिनों-दिन लंबे होंगे बाल...



ज्यादातर महिलाएं अपने बालों को लेकर परेशान रहती हैं। वे अपने बालों को लंबा और खूबसूरत बनाने के लिए न जाने कितने प्रॉडक्ट का इस्तेमाल करती हैं लेकिन ये प्रॉडक्ट केमिकल्स वाले होते हैं। इनके इस्तेमाल से बालों पर साइड-इफेक्ट भी हो सकता है। आज हम आपको आसान सा तरीका बताएंगे, जिसके इस्तेमाल से आपके बाल लंबे और खूबसूरत होंगे। इसके लिए ध्यान का रस और नारियल तेल की जरूरत होगी। नारियल तेल को ध्यान के रस में मिलाकर बालों पर लगाएं और अच्छे से मसाज करें। फिर तौलिए को बालों पर लपेट कर भाप लें। ऐसा करने से बालों को पोषण मिलता है और उनकी ग्रोथ बढ़ती है। साथ ही बाल चमकदार और खूबसूरत बनते हैं।

त्वचा पर लौंग का तेल...



लौंग का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है। इसमें एंटी बैक्टीरियल, एंटी फंगल गुण पाया जाता है। लौंग का तेल एक बेहतरीन अंधि है। यह बहुत अच्छा ब्यूटी प्रोडक्ट भी है। इसका नियमित इस्तेमाल करने से त्वचा संबंधित कई परेशानियों से राहत मिलती है। लौंग के तेल की मसाज करने से दाग-धब्बे दूर हो जाते हैं। इसके अलावा यह मुहासों को पनपने से रोकता है। लौंग का तेल दाग-धब्बों को ही नहीं बल्कि चोट के निशानों को भी मिटाने में मदद करता है। लौंग के तेल का इस्तेमाल कडीशनर के रूप में भी किया जा सकता है। इसका उपयोग करने से आपके बाल लंबे और मुलायम होंगे। इसका इस्तेमाल झुर्रियों को दूर करने के लिए भी किया जाता है। रोज रात सोने से पहले लौंग के तेल की मसाज करें। लौंग का तेल बालों के लिए बहुत ही लाभदायक होता है। इसका इस्तेमाल करने से बाल जल्दी सफेद नहीं होते। यह बालों का झड़ना रोकता है। लौंग के तेल को नारियल के तेल के साथ मिलाकर बालों में लगाएं।

वेलवेट एक बार फिर फैशन का हिस्सा बन रहा है। भारत के जाने माने फैशन डिजाइनर्स ने विंटर कलेक्शन 2016 में वेलवेट ट्रेंड को प्रजेंट किया है। यानी इस विंटर में गर्म कपड़े व ब्राइट कलर्स के बीच वेलवेट आपके वार्डरोब में कुछ अलग ही नजर आएगा। अपने मखमली अंदाज का यह कपड़ा हर किसी को अपनी तरफ आकर्षित करता रहा है। कैजुअल वियर से लेकर पार्टी वियर तक वेलवेट की अपनी खास जगह है।

इस विंटर में रहेगा वेलवेट का जलवा...



फैशन वर्ल्ड में रोज नए एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं। वेलवेट मखमली, मुलायम और गहरे रंगों से सजे ड्रेसेज हमेशा से मनुष्य को मोहते रहे हैं। राजा-महाराजाओं के समय से मखमल के हैवी एम्ब्रॉयडरी से सजे कपड़ों का चलन रहा है समय-समय पर वेलवेट या मखमल विभिन्न रंग-रूप में फैशन का हिस्सा बना है। यही कारण है कि इसका चलन कभी खत्म नहीं होता। आज के समय में भी रिच और हैवी लुक के लिए वेलवेट को पहनना जाता है। सर्दी के दिनों में तो वेलवेट दो तरह के फायदेमंद हो जाता है। एक तो इस फैब्रिक की मोटाई की वजह से आप ठंड से बच सकते हैं दूसरे इसके गहरे रंग सर्दी के दिनों में बहुत लुभावने लगते हैं। इसलिए खासतौर पर सर्दी के दिनों में ही वेलवेट पहनने का असल मजा है। वेलवेट बुना हुआ फैब्रिक है, जिसे बुनने के लिए विशेष प्रकार के लूम का उपयोग होता है। पूरी तरह सिल्क से बुना हुआ वेलवेट महंगा होता है, लेकिन सिल्क के अलावा इसे कॉटन, लिनने तथा वूल आदि से भी बनाया जाता है। जिनकी कीमत कुछ कम होती है। इन सबके अलावा सिथेटिक वेलवेट भी बनाया जाने लगा है। वेलवेट को पूरा एक ड्रेस बनाने के अलावा इसे दूसरे मटेरियल्स के साथ मिक्स करके भी आजकल ड्रेसेस बनाए जा रहे हैं। जैसे वेलवेट, क्रैप तथा शिफॉन या सिल्क मिक्स डिजाइनर साड़ी या फिर वेलवेट और नेट मिक्स ड्रेसेस।



मनमोहक रेंज

दुल्हन के लहंगे से लेकर दूल्हे की शेरवानी तक और एक सुंदर से इवनिंग गाऊन से लेकर शानदार वेलवेट कोट तक इस सुंदर मटेरियल की रेंज मन मोह लेती है। शादियों के सीजन में तो वेलवेट का क्रेज और भी खास हो जाता है। लहंगे, साड़ी, शेरवानी, कोट, डिजाइनर टॉप, लॉग स्कर्ट, डिजाइनर ब्लाऊज, कुर्ते आदि कई तरह के प्रयोग इस समय किए जा सकते हैं। आप चाहें तो शॉर्ट कुर्तेनुमा ब्लाऊज के साथ सिम्पल शिफॉन साड़ी को मैच कर सकती हैं। या फिर सिम्पल वेलवेट ब्लाऊज भी साड़ी के साथ मैच करके पहन सकती हैं।

कई कलर

आप फुल वेलवेट लहंगा-चोली, कॉटन, शिफॉन या अन्य फैब्रिक के साथ वेलवेट से की हुई डिजाइन वाले लहंगे को अपना सकती हैं। यह आपको अलग तथा रिच लुक देगा। वेलवेट अपने आप में हैवी तथा गहरे रंग का फैब्रिक होता है अतः इसके साथ बहुत ज्यादा हैवी एक्सेसरीज की भी जरूरत नहीं होती। आप वेलवेट में मरून, पिंक, रेड, डार्क ग्रीन, डार्क ब्ल्यू ब्राउन, कॉफी, ऑरेंज, पर्पल, नैवी ब्ल्यू, मैजेंटा आदि कई रंगों में से मनपसंद रंग चुन सकते हैं। आजकल रेड और पर्पल हॉट फेवरेट कलर हैं। इसलिए इन रंगों के साथ आप अपना स्टाइल बना सकते हैं। सर्दियों में



ब्लैक कलर भी हर किसी का फेवरेट होता है। वेलवेट कपड़ों पर ज्यादा एक्सेसरीज अच्छी नहीं लगती, इस बात का ध्यान रखें। चाहें तो वेलवेट पर्स, बेल्ट व शूज में भी वेलवेट का प्रयोग कर सकती हैं।

कैसे पहनें

सर्दी का मौसम हो या किसी शादी-पार्टी को बात हो, वेलवेट से बेहतर कुछ भी नहीं। वेलवेट के साथ मिक्स एंड मैच कर क्रैप, शिफॉन, सिल्क वगैरह के कपड़े पहने जा सकते हैं। वेलवेट कपड़े की मोटाई की वजह से सर्दी के दिनों में ठंड नहीं लगती। सर्दी के मौसम में शादियों में अक्सर लोग शाल और स्वेटर से बचना चाहते हैं, उनके लिए वेलवेट बेहतर विकल्प है। वेलवेट के अलावा शनील एक ऐसा फैब्रिक है, जिसका मखमली अहसास लुभाता है। प्राचीन काल में राजाओं और नवाबों की यह पहली पसंद रही है। आज यही वेलवेट सर्दियों की पसंदीदा फैब्रिक बन रही है। सल्वार कमीज, कुर्ती, कोट, पैट, शेरवानी, ब्लाऊज यहां तक कि साड़ी को डिजाइनर बनाने में भी वेलवेट का इस्तेमाल एप ढंग से किया जा रहा है।

वेलवेट लहंगा

इन दिनों वेलवेट लहंगा का खूब ट्रेंड चल रहा है। वैसे कुछ समय पहले पेरल कलर लहंगा का खूब ट्रेंड चला था लेकिन एक बार फिर डार्क कलर ट्रेंड में आ रहे हैं। ब्राइड बनने का सपना हर लड़की देखती है। इस दिन वह खुद को किसी परी की तरह सजाना चाहती है जिसे देखकर हर कोई स्मोहित हो जाए। ब्राइडल लहंगा, ज्यूेलरी, मेकअप और फुटवियर उसकी खूबसूरती में और भी निखार ला देते हैं। ब्राइडल लहंगे का चुनाव करना सबसे मुश्किल काम है। एक बार लहंगा सलेक्ट हो जाए तो मेकअप, ज्यूेलरी और फुटवियर अपने आप मैचिंग सलेक्ट हो जाते हैं। अगर आप भी ब्राइडल बनने जा रही हैं तो इस बात का जरूर ध्यान रखें कि जिस लहंगे का चुनाव आप कर रही हैं वो लेटेस्ट फैशन में हो।



एम्ब्रायडरी का शानदार मेल

लवजरी और रिच स्टाफ वेलवेट के साथ एम्ब्रायडरी का शानदार मेल इसकी ग्रेस को और भी बढ़ा देता है। साथ ही नेट स्टाफ पड़ू भी लहंगे की शोभा दोगुनी कर देता है। वेलवेट के साथ एम्ब्रायडरी में जरदोजी, पर्ल और स्टोन वर्क का अच्छा सुमेल देखने को मिलेगा। कलर कॉन्बिनेशन की बात करें तो नैवी ब्लू, मेहरून और एमराउड ग्रीन (एना) बहुत ही अट्रैक्टिव कलर लगते हैं। लहंगे के साथ वेलवेट के ही फुल स्लीव ब्लाऊज अच्छा कॉन्बिनेशन देते हैं। इसे पहन कर आपकी लुक शाही प्लस डिसेंट सी लगेगी।

स्त्री विमर्श और हिन्दी स्त्री लेखन...

हिन्दी दिवस...



गए स्त्रीत्व के बंधनों से मुक्ति के साथ, मनुष्यत्व की दिशा में कदम बढ़ाना, सही अर्थों में स्वतंत्रता है। स्त्री को अपनी धारणाओं को बदलते हुए, जो भी घटित हुआ, उसे नियति मानने की मानसिकता से उबरने की आवश्यकता है।

कथनी और करनी में समानता

हिन्दी में पहला स्त्री काव्य संकलन 'मृदुवाणी' (1905) शीर्षक से मुंशी देवी प्रसाद ने प्रकाशित करवाया। इसमें 35 कविथित्रियों की कविताएं शामिल थीं। इसके बाद गिरिजादत्त शुक्ल और ब्रजभूषण शुक्ल ने 'हिन्दी काव्य कोकिलाएं' (1933) कृति सम्पादित कर प्रकाशित की। ज्योतिप्रसाद मिश्र 'निर्मल' के प्रकाशन में 'स्त्री कवि संग्रह' (1938) प्रकाशित हुआ। इनके अतिरिक्त नामवर सिंह के प्रधान सम्पादकत्व में 'हिन्दी

कथा लेखिकाओं की प्रतिनिधि कहानियाँ' (1984) एवं रमणिका गुप्ता संपादित 'आधुनिक महिला लेखन' (1985) महत्वपूर्ण कृतियाँ हैं। स्त्री चेतना में पत्र-पत्रिकाओं का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पहली पत्रिका 1874 में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र द्वारा प्रकाशित 'बाल बोधिनी' थी। इसके अतिरिक्त 'अर्पणा', 'आम आदमी', 'हंस', 'मनुषी', 'निमित्त', 'उत्तरार्द्ध', 'उदभवना', 'साक्षात्कार' आदि पत्रिकाओं में स्त्री अंक प्रकाशित हुए। 1930 के आसपास महिला रचनाकारों की एक पीढ़ी पूरे उत्साह के साथ रचनाकर्म में जुटी, साथ ही साहित्यिक संगोष्ठियों में सहभागिता, पत्रिकाओं का संपादन, महिला और राजनीतिक संगठनों से जुड़कर सक्रिय रही। इन लेखिकाओं की एक विशेषता थी, 'कथनी और करनी में समानता'।

अनियमितता रिश्तों में तनाव, कामकाज की क्षमता पर प्रभाव, दुर्घटनाओं, याददाश्त और अन्य कमजोरियों और खराब किस्म के जीवन का कारण बनती है।

इन बातों का रखें ध्यान

- * हर रोज एक ही समय पर सोने और उठने की कोशिश करें।
- * अपने शयनकक्ष को सोने और अतरंग पलों के लिए ही रखें।
- * अपने शयनकक्ष से टीवी, कंप्यूटर, स्मार्टफोन या टैबलेट और अन्य ध्यान भटकाने वाली चीजें दूर रखें।
- * बहुत जरूरी हो तभी दिन में झपकी लें। बहुत ज्यादा नींद आने पर दोपहर में ली गई झपकी रात में हुई नींद

आजादी के बाद

स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद नये नाम और जुड़े, जिनमें दुर्रंगेश नन्दिनी, सुमित्र कुमारी सिन्हा, रजनी पणिकर, कंचनलता सबरवाल के नाम प्रमुख हैं। आधुनिक काल के स्त्री लेखन में गृहस्थी व परिवार से जुड़ी लेखिकाओं के साथ-साथ नौकरियांश महिलाएँ भी शामिल होती गईं। इनमें मन्जू भण्डारी, कृष्णा सोबती, रुषा प्रियंवदा, शिवानी, ममता कालिया, सूर्यभाला, निमिता सेठ, मंजुला भगत, शशिप्रभा, कृष्णा अग्निहोत्री, मणिषा मोहिनी, दीप्ति खण्डेलवाल, सुनीता जैन, मृणाल पाण्डे, नासिरा शर्मा, मेहरुन्निसा परवेज, सोमावीरा आदि हैं। सभी ने अलग-अलग समस्याओं को लेकर लिखा, स्त्री जीवन के विविध पक्षों पर लेखनी चलाई। नारी मुक्ति के अतिरिक्त देश व समाज की समस्याओं को केन्द्र में रखकर लेखन कार्य करने वाली लेखिकाओं में चित्र मुद्गल का विशेष स्थान है। इनके अतिरिक्त आधुनिक लेखिकाओं में अलका सरावगी, प्रभा खेतान, जया जादवानी, नीलाक्षी सिंह का भी महत्वपूर्ण स्थान है।

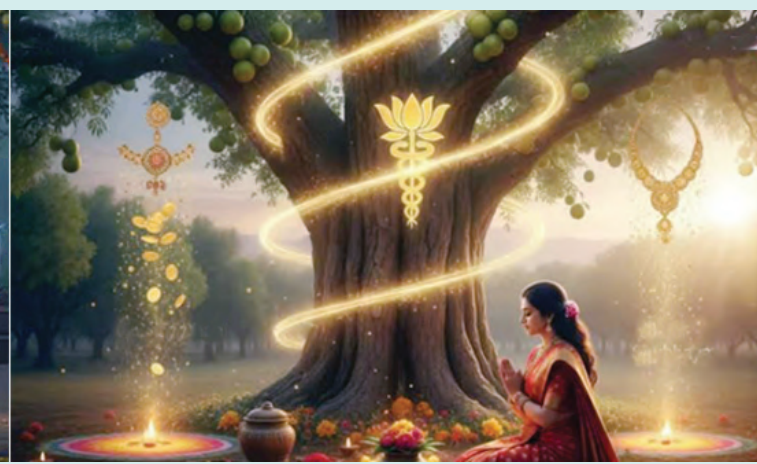
आधुनिक स्त्री लेखन

आधुनिक स्त्री लेखन निरन्तर चर्चा का विषय रहा है। महिला कथाकारों की सामाजिक जीवन व व्यक्तिगत जीवन से जुड़े प्रश्नों के साथ, साहसिक अभिव्यक्ति जहां समाज में स्त्री की स्थिति को स्पष्ट करती है, वहीं आने वाली पीढ़ी का मार्ग प्रशस्त करती नजर आती हैं। कविता और कथा साहित्य में विशेष पहचान बनाने के बाद वर्तमान में आत्मकथा लेखन में महिलाएं अपनी साहसिक अभिव्यक्ति के लिए चर्चा में हैं। यूं तो आत्मकथा लेखन की शुरुआत भी पहले हो चुकी थी, किन्तु प्रकाश में नहीं आई। 'सरला: एक विधवा की आत्म जीवनी' (2009) में प्रकाशित हुई। धारावाहिक रूप में 1915 में ही स्त्री दर्पण में प्रकाशित हो चुकी थी। उसमें लेखिका की जगह एक दुखिनी बाला का नाम छपा था। आज लेखिकाएं अपने जीवन का समग्र चित्रण बेबाकी से अपनी आत्मकथाओं में कर रही हैं।

- की कमी को पूरा करने के लिए बेहतर विकल्प है, लेकिन यही झपकी आपके सोने की क्रिया को अस्त-व्यस्त भी कर सकती है।
- * अगर फिर भी झपकी की जरूरत हो तो इसे 20 से 30 मिनट तक सीमित रखें।
- * दोपहर के बाद कैफीन से दूर रहें और शराब भी बहुत कम लें।
- * शराब नींद लाने का काम कर सकती है, लेकिन यह नींद को बिगाड़ भी कर सकती है।
- * नियमित व्यायाम करें, लेकिन सोने से तीन घंटे पहले न करें।
- * कामकाजी दिनों में नियमित व्यायाम जरूर करें और जरूरत पड़ने पर सप्ताहांत में नींद की कमी पूर करें।

अक्षय नवमी आज

जानें इस दिन का विशेष महत्व



कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को अक्षय नवमी का पर्व मनाया जाता है। इस दिन आंवले के पेड़ की पूजा की जाती है, इसलिए इसे आंवला नवमी के नाम से भी जाना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इसी दिन सतयुग की शुरुआत हुई थी। इस दिन अक्षय नवमी व्रत कथा का पाठ अवश्य करना चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु की कृपा से अक्षय धन-समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

अक्षय नवमी की कथा और मान्यता

पुराणों में वर्णन है कि धन की देवी माता लक्ष्मी पृथ्वी पर आईं। उन्होंने देखा कि सभी लोग भगवान शिव और विष्णु की पूजा कर रहे हैं। फिर उनके मन में आया कि क्यों न दोनों देवों की पूजा एक साथ की जाए। उन्हें आंवला वृक्ष की याद आई, क्योंकि इस वृक्ष में बेल और तुलसी दोनों के ही गुण पाए जाते हैं। इसके बाद उन्होंने आंवले के वृक्ष की पूजा की। पौराणिक कथा के अनुसार, एक राजा और रानी प्रतिदिन सवा मन आंवले दान करने का प्रण रखते थे। बेटे-बहू के मना करने पर वे महल छोड़ जंगल चले गए। भगवान ने उनकी परीक्षा ली और फिर उन्हें वहीं महल, राज्य और आंवला के पेड़ों वाला बगीचा दे दिया। पश्चाताप के बाद बेटे-बहू ने माफी मांगी और राजा-रानी को बताया कि दान से धन घटता नहीं बल्कि बढ़ता है। सभी मिलकर फिर सुखपूर्वक रहने लगे।

पूजन एवं महत्व

ऐसा माना जाता है कि जो भी भक्त आंवले के वृक्ष की पूजा करता है, उसे अक्षय फल प्राप्त होते हैं, साथ ही अखंड सौभाग्य, उत्तम स्वास्थ्य और धन की प्राप्ति होती है। इसी कारण इस पर्व को अक्षय नवमी कहा जाता है।

आज से इन राशियों की पलट सकती है किस्मत

18 साल बाद बुध-यम बनाएंगे त्रिकादश योग, तरक्की के साथ आकस्मिक धन लाभ के योग



बुध-यम का लाभ दृष्टि योग इन राशियों के लिए होगा शुभ

ग्रहों के युवाज बुध को बुद्धि, व्यापार, तर्क-वितर्क, शिक्षा, बौद्धिक क्षमता आदि का कारक माना जाता है, जो एक निश्चित अवधि के बाद राशि परिवर्तन करते हैं। बुध एक राशि में करीब 15 दिनों तक रहते हैं। ऐसे में एक माह में वे दो बार राशि परिवर्तन करते हैं, जिससे किसी न किसी ग्रह के साथ युति या फिर दृष्टि पड़ती रहती है, और इस प्रकार शुभ योगों का निर्माण होता है। वर्तमान समय में बुध वृश्चिक राशि में विराजमान हैं, जहां मंगल भी स्थित हैं। बुध के इस राशि में होने से वह शनि की राशि मकर में विराजमान यम ग्रह के साथ संयोग करके लाभ दृष्टि योग बना रहे हैं, जिसे त्रिकादश योग कहा जाता है। इस योग के बनने से 12 राशियों के जीवन में प्रभाव

देखने को मिलेगा, लेकिन इन तीन राशियों के जातकों को विशेष लाभ प्राप्त हो सकता है। आइए जानते हैं इन भाग्यशाली राशियों के बारे में—
वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, 30 अक्टूबर को शाम 6 बजकर 23 मिनट पर बुध और यम एक-दूसरे से 60 डिग्री पर होंगे। ऐसे में तुला, कुंभ और मेष राशि के जातकों को विशेष लाभ प्राप्त होने के योग हैं।
मेघ राशि
इस राशि के जातकों के लिए बुध-यम का त्रिकादश योग कई मायनों में विशेष हो सकता है। इस राशि के आठवें भाव में बुध और दसवें भाव में यम विराजमान हैं। ऐसे में इस राशि के जातकों को उम्मीद से अधिक

लाभ प्राप्त होने के संकेत हैं। आपको परिवार और दोस्तों का पूरा सहयोग मिलेगा। लंबे समय से जिस कार्य में आप परिश्रम कर रहे थे, उसमें अब सफलता की संभावना है। मंगल भी इस राशि पर सकारात्मक प्रभाव डालेंगे। इस योग के चलते पद-प्रतिष्ठा बढ़ने के साथ सूर्य भी सफलता दिलाने में सहायक रहेंगे।
कुंभ राशि
इस राशि के जातकों के लिए बुध-यम का केंद्र दृष्टि योग अनुकूल सिद्ध हो सकता है। कुंभ राशि के जातकों को पद-प्रतिष्ठा प्राप्त होने और कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धियों पर विजय मिलने की संभावना है। व्यापार में भी उत्कृष्ट लाभ के योग बन रहे हैं।
मान-सम्मान में वृद्धि होगी तथा बौद्धिक क्षमता का भी विस्तार होगा। अप्रत्याशित रूप से धन लाभ के संकेत हैं। जीवन में सुख-शांति और स्थिरता बनी रहेगी।
तुला राशि
इस राशि के जातकों के लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के साथ ही धन-धान्य में वृद्धि हो सकती है। इस अवधि में बुध दूसरे भाव में विराजमान रहेंगे। तुला राशि के जातक अपनी वाक्पटुता और समझदारी के बल पर विभिन्न क्षेत्रों में सफलता पा सकते हैं।
विद्यार्थियों के लिए यह समय अत्यंत लाभकारी रहेगा। शिक्षा संबंधी मामलों में तरक्की के अवसर प्रबल हैं। पारिवारिक जीवन में सौहार्द रहेगा। आकस्मिक धन लाभ के योग बन रहे हैं, साथ ही वाहन एवं गृह-सुख की प्राप्ति संभव है।

गौसेवा और श्रीकृष्ण की भक्ति का दिव्य संगम



तौर पर ब्रज क्षेत्र में इस दिन गौधन की पूजा और आराधना के साथ भव्य उत्सव मनाया जाता है।
गोपाष्टमी पूजन विधि
—प्रातःकाल स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें।
—गाय और उनके बछड़ों को नहलाकर, फूलों की माला, हल्दी-चंदन और रोली से सजाएं।
—उनके माथे पर तिलक लगाएं और गले में घंटी व पुष्पहार पहनाएं।
—दीपक एवं अगरबत्ती जलाकर गौमाता की आरती करें।
—दूध, गुड़, हरी घास व मिठाइयों से गौपूजन करें।
—पूजा के समय 'गायत्री मंत्र', 'गोपाल सहस्र नाम' या 'गौमाता स्तुति' का पाठ करें।
—पूजा के बाद गौमाता की परिक्रमा करें एवं उनके चरणों में प्रणाम करें।

हिन्दू संस्कृति में गाय को मातृत्व और पूजन का स्थान प्राप्त है। वेद, पुराण और लोककथाओं में गाय की महिमा को प्रकट किया गया है। माना जाता है कि गायों में सभी देवताओं का वास होता है, इसी कारण इन्हें गोमाता कहा जाता है।
गोपाष्टमी उसी भावना का सजीव प्रतीक है, जो कार्तिक शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को मनाई जाती है। यह दिन सेवा, करुणा और भक्ति का पवित्र उत्सव है। हिन्दू पंचांग के अनुसार, वर्ष 2025 में गोपाष्टमी का पर्व 30 अक्टूबर, गुरुवार के दिन मनाया जाएगा। तिथि का आरंभ 29 अक्टूबर सुबह 9:23 बजे होगा और समापन 30 अक्टूबर सुबह 10:06 बजे पर होगा।
गोपाष्टमी की पौराणिक कथा व धार्मिक महत्व
लोक कथाओं एवं पुराणों के अनुसार, गोपाष्टमी का दिवस भगवान श्रीकृष्ण के जीवन का विशेष अध्याय है। इसी दिन श्रीकृष्ण ने गायों को चराने की शुरुआत की थी, इससे पूर्व वे केवल बछड़ों को ही चराते थे। जैसे ही वह 8 वर्ष के हुए, उन्होंने नंद बाबा से गायें चराने की इच्छा जताई। पंडित जी ने पंचांग देखकर बताया कि गाय चराने का शुभ मुहूर्त यही अष्टमी तिथि है। तब श्रीकृष्ण ने अपने गोप साथियों संग गौ-चर्या प्रारंभ की एवं गौधन की सेवा का दायित्व संभाला। श्रीकृष्ण ने स्वयं कहा है कि गाय मेरी आत्मा हैं, अतः यह दिन गोपालकों और गौ भक्तों के लिए विशेष पर्व के रूप में मनाया जाता है। विशेष

वृंदावन में गोपाष्टमी की धूम

मथुरा और वृंदावन में गोपाष्टमी का पर्व अत्यंत धूमधाम से मनाया जाता है। श्रद्धालु सुबह गौशालाओं में जाकर गौमाता की पूजा करते हैं, आरती गाते हैं और 'जय गोमाता' के नारों के साथ आस्था प्रकट करते हैं। मंदिरों में श्रीकृष्ण-राधा को गोपाल स्वरूप में सजाया जाता है। गायों के साथ परिक्रमा और गौदान की परंपरा भी निभायी जाती है।

जीवन में गोपाष्टमी का संदेश

गौसेवा करना केवल धार्मिक कर्म नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक साधना है, जो हमें विनम्रता, करुणा और आत्मिक शांति का पाठ पढ़ाती है। गोमाता की सेवा-पारंपरिक संस्कार और सांस्कृतिक पहचान से जोड़ती है। यह पर्व याद दिलाता है कि गाय केवल संपत्ति नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और आस्था का प्रतीक है।

महाभारत के चार अत्यंत शक्तिशाली शस्त्र

महाभारत में युद्ध के दौरान कई ऐसे असाधारण और अत्यधिक शक्तिशाली शस्त्रों का उल्लेख मिलता है, जिनकी शक्ति के आगे बड़े से बड़े योद्धा भी असहाय हो जाते थे। इनमें से कुछ अस्त्रों की जानकारी नीचे दी गई है—

1. पाशुपतास्त्र

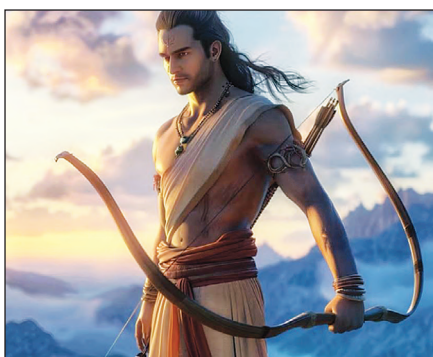
भगवान शिव द्वारा दिया गया पाशुपतास्त्र संपूर्ण सृष्टि का विनाश कर सकता था। यह केवल अर्जुन के पास ही था, जिसे उसने प्रभु शिव की कठिन तपस्या के बाद प्राप्त किया। लेकिन इसकी भीषण शक्तियों के कारण अर्जुन ने इसका प्रयोग युद्धभूमि में नहीं किया।

2. ब्रह्मास्त्र

ब्रह्मा का यह अस्त्र सबसे घातक अस्त्रों में गिना जाता है। इसकी गति और शक्ति को केवल दूसरा ब्रह्मा ही काट सकता था। महाभारत में अर्जुन, कर्ण, श्रीकृष्ण, युधिष्ठिर, अश्वत्थामा और द्रोणाचार्य के पास इसे चलाने की योग्यता थी।

3. नारायणास्त्र

यह भगवान विष्णु का शक्तिशाली अस्त्र था, जो प्रचंड बाणों की वर्षा करता था। एक बार छोड़ने पर इसे कोई अन्य अस्त्र रोक नहीं सकता था। इसका सामना करने का केवल एक उपाय—पूरी तरह समर्पण



करना। महाभारत में अश्वत्थामा ने अपने पिता द्रोणाचार्य की मृत्यु के प्रतिशोध में इसे पांडवों की सेना पर चलाया था, जिससे हजारों सैनिक मारे गए।
4. आग्नेय अस्त्र और वासवी शक्ति
आग्नेय अस्त्र: यह अग्नि का बाण था, जिसे मंत्रों द्वारा संधान किया जाता था और जिसका सामना केवल पर्जन्य (जल-प्रधान) अस्त्र से ही किया जा सकता था। अर्जुन को यह अस्त्र गुरु द्रोणाचार्य से प्राप्त हुआ था।
वासवी शक्ति: इंद्र का दिया परम अमोघ अस्त्र, जिसे कर्ण ने अर्जुन के लिए सुरक्षित रखा था, लेकिन अंततः घटोत्कच पर प्रयोग कर दिया। इसका प्रयोग केवल एक बार किया जा सकता था और यह कभी विफल नहीं होता था।
इन सभी अस्त्रों की शक्ति इतनी अधिक थी कि इनका प्रयोग केवल अत्यंत विशेष परिस्थितियों में ही किया जाता था। इनके सामने समर्पण अथवा गहरी रणनीति ही बचाव का उपाय थी।

देवउठनी एकादशी को तुलसी पर बांधें यह चीज श्री हरि के साथ मां लक्ष्मी होंगी प्रसन्न

दरिद्रता से मिलेगा छुटकारा, मिलेगा सुख-समृद्धि का वरदान

हिंदू धर्म में देवउठनी एकादशी का अत्यंत विशेष महत्व है। हिंदू पंचांग के अनुसार, यह व्रत कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को रखा जाता है, जिसे देवोत्थान एकादशी या प्रबोधिनी एकादशी भी कहा जाता है। इस वर्ष देवउठनी एकादशी 1 नवंबर 2025, शनिवार को मनाई जाएगी।

शास्त्रों के अनुसार, इसी दिन भगवान श्री हरि विष्णु चार माह की योगनिद्रा से जागते हैं और पुनः सृष्टि का संचालन करते हैं। इसके साथ ही चातुर्मास का समापन होता है और विवाह, गृह प्रवेश, नामकरण आदि मांगलिक कार्य शुभ माने जाते हैं।

पूजा एवं व्रत विधान

देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर श्री हरि विष्णु, मां लक्ष्मी और तुलसी के पौधे की विधिवत पूजा करनी चाहिए। भगवान विष्णु को तुलसी अतिप्रिय है तथा बिना तुलसी के वे किसी भी भोग को स्वीकार नहीं करते। मान्यता है कि इस दिन तुलसी पूजन के कुछ विशेष उपाय करने से घर में सुख, शांति व समृद्धि आती है और



दरिद्रता दूर होती है।

कब है देवउठनी एकादशी

वैदिक पंचांग के अनुसार, कार्तिक शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि 1 नवंबर को सुबह 9:12 बजे प्रारंभ होकर 2 नवंबर की शाम 7:32 बजे तक रहेगी। गृहस्थ लोग 1 नवंबर को और वैष्णव संप्रदाय के लोग 2 नवंबर को व्रत रख सकते हैं।

देवउठनी एकादशी के विशेष उपाय

तुलसी पर कलावा (मौली) बांधें
देवउठनी एकादशी के दिन अपनी लंबाई के बराबर एक कलावा लें। अपनी मनोकामना बोलकर वह कलावा

भगवान विष्णु से इच्छापूर्ति की प्रार्थना कीजिए।
तुलसी को गन्ने का रस अर्पित करें
तुलसी के पौधे की जड़ में थोड़ा सा गन्ने का रस और जल चढ़ाएं। यह उपाय घर में सुख-समृद्धि लाता है और दरिद्रता दूर करता है।

तुलसी पर दूध अर्पित करें

एक लोटे जल में थोड़ा गाय का कच्चा दूध मिलाकर तुलसी पर चढ़ाएं। यह उपाय सुख-समृद्धि, धन-संपदा और घर में शांति बढ़ाने में सहायक है। इस प्रकार देवउठनी एकादशी के दिन इन उपायों को

तुलसी के पौधे के चारों ओर बांध दें। तत्पश्चात भगवान विष्णु एवं तुलसी माता की पूजा करें। मनोकामना पूर्ण होने पर कलावा बहते जल में प्रवाहित करें।
तुलसी पर पीला धागा बांधें
इस दिन एक पीले रंग का धागा लेकर उसमें 108 गांठ लगाइए और श्रद्धापूर्वक तुलसी को बांध दीजिए। साथ ही



गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2025

हैदराबाद

संपादकीय

कैसे फाड़ेंगे वक्फ काबून?

विपक्ष के मुख्यमंत्री चेहरा तेजस्वी यादव और राजद के कट्टरवादी छुटभैया नेता भी मुस्लिमवादी हैं। वे घोर मोदी-विरोधी हैं और अब भी उन्हें 2002 के गोधरा दंगों का 'खलनायक' करार देते हैं। देश के प्रधानमंत्री के तौर पर मुसलमानों के लिए भी उन्होंने योजनाएं बनाई हों, मुफ्त अनाज बांटा हो, देश के संसाधनों तक उनकी सहज पहुंच तय की हो, लेकिन वे मोदी को 'संहारक' मानते हैं। देश की सर्वोच्च अदालत का भी ऐसा कोई फैसला नहीं है, लेकिन ज्यादातर मुसलमान प्रधानमंत्री से नफरत करते हैं। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' बहुत छोट और अनुपयुक्त शब्द हैं। वक्फ कानून का विरोध ही 'संप्रदायिक' है। पहले तेजस्वी ने एक सार्वजनिक मंच से वक्फ संशोधन कानून की मुखालफत करते हुए हुंकार भरी थी कि बिहार में 'इंडिया गठबंधन' की सरकार बनी, तो वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। अब राजद के विधान परिषद सदस्य कारी शोएब ने मुस्लिम वोट बैंक को उकसाने के मद्देनजर चुनावी मंच से धमकी-सी दी है कि जिन्होंने वक्फ बिल को समर्थन दिया था, उनका इलाज किया जाएगा। बिहार में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद वक्फ समेत ऐसे तमाम बिलों को फाड़ कर फेंक दिया जाएगा। यह कैसा अर्न्गल अलाप और चुनाव-प्रचार है? संविधान के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और हाथों में संविधान की फर्जी प्रति लिए उसके 'रक्षक' होने का दंभ भरते हैं और सार्वजनिक मंचों से 'घोर असंवैधानिक' ऐलान करते हैं। सवाल है कि संसद के दोनों सदनों में पारित और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अधिसूचित केंद्रीय कानून का एक राज्य सरकार क्या कर सकती है? यदि संशोधित कानून का दस्तावेजी कागज फाड़ भी देंगे, तो कानून का क्या बिगड़ेगा? कानून तो यथावत और लागू अवस्था में बरकरार रहेगा। जिस मुस्लिम छुटभैये ने 'इलाज' करने की धमकीनुमा भाषा का इस्तेमाल किया है, तो सवाल है कि कल्पित तेजस्वी सरकार किनका इलाज करेगी? संविधान के तहत चुनाव अंततः मत-विभाजन में वक्फबिल का समर्थन करने वाले सांसदों का एक राज्य सरकार क्या 'इलाज' कर सकती है। देश में न्यायपालिका अभी लाज के बांध और राजद-नोबेलवादी के बांध अधिसूचित केंद्रीय कानून का एक राज्य सरकार क्या बिगाड़ सकती है? यदि संशोधित कानून का दस्तावेजी कागज फाड़ भी देंगे, तो कानून का क्या बिगड़ेगा? कानून तो यथावत और लागू अवस्था में बरकरार रहेगा।

देश की सर्वोच्च अदालत का भी ऐसा कोई फैसला नहीं है, लेकिन ज्यादातर मुसलमान प्रधानमंत्री से नफरत करते हैं। 'मुस्लिम तुष्टिकरण' बहुत छोट और अनुपयुक्त शब्द है। वक्फ कानून का विरोध ही 'संप्रदायिक' है। पहले तेजस्वी ने एक सार्वजनिक मंच से वक्फ संशोधन कानून की मुखालफत करते हुए हुंकार भरी थी कि बिहार में 'इंडिया गठबंधन' की सरकार बनी, तो वक्फ कानून को कूड़ेदान में फेंक दिया जाएगा। अब राजद के विधान परिषद सदस्य कारी शोएब ने मुस्लिम वोट बैंक को उकसाने के मद्देनजर चुनावी मंच से धमकी-सी दी है कि जिन्होंने वक्फ बिल को समर्थन दिया था, उनका इलाज किया जाएगा। बिहार में तेजस्वी यादव के मुख्यमंत्री बनने के बाद वक्फ समेत ऐसे तमाम बिलों को फाड़ कर फेंक दिया जाएगा। यह कैसा अर्न्गल अलाप और चुनाव-प्रचार है? संविधान के तहत चुनाव लड़ रहे हैं और हाथों में संविधान की फर्जी प्रति लिए उसके 'रक्षक' होने का दंभ भरते हैं और सार्वजनिक मंचों से 'घोर असंवैधानिक' ऐलान करते हैं। सवाल है कि संसद के दोनों सदनों में पारित और राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद अधिसूचित केंद्रीय कानून का एक राज्य सरकार क्या बिगाड़ सकती है? यदि संशोधित कानून का दस्तावेजी कागज फाड़ भी देंगे, तो कानून का क्या बिगड़ेगा? कानून तो यथावत और लागू अवस्था में बरकरार रहेगा।

से उठाने की धमकियां देने लगे हैं। किसी ने हारने की स्थिति में बिहार को ही जला देने की धमकी दी है। यकीनन ये 'जंगलराज' के स्पष्ट संकेत हैं। बेशक बिहार में जंगलराज अतीत का विषय कह दिया जाए, लेकिन उसके सूरमा और वृृृृषधर अब भी मौजूद हैं, बेवाक कुछ निष्क्रिय हैं। राजद-कांग्रेस के छुटभैया प्रवक्तानुमा नेता दावा कर रहे हैं कि यदि बिहार में एनडीए हार जाता है, तो उसका असर कदर सरकार पर भी पड़ेगा। अर्थात् मोदी सरकार भी नहीं रहेगी। किस मुगलते में जी रहे हो भाई! देश की जनता बखूबी जानती है कि संविधानसभा के चुनाव हैं और इनकी छाउ भी भारत सरकार पर नहीं पड़ सकती। यह सिर्फ विधानसभा के वोटों को लामबंद और राजद-कांग्रेस के पक्ष में अधिकाधिक वोट जुटाने की सियासी कोशिश भर है। तेजस्वी से बिहार की जनता पछे कि पछाई, कमाई, दवाई को जो बात करते थे, वे मुद्दे आज कहाँ गायब हो गए? अभी हाल ही में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वक्फ बोर्ड ने कुछ परिवारों को नोटिस भेज कर 48 घंटे में जवाब मांगा है। वहां के घरों में परिवार 60-65 साल से बसे हैं। सरकार इसीलिए वक्फ संशोधन बिल लाई थी कि वक्फ की निरंकुशता को खत्म किया जाए।

कुछ अलग

अपुन को नोबेल मांगता...

ऐ भिड़, अपने को नोबेल मांगता, समझा क्या ! तु सोचता होयंगा, नोबेल मिलना कोई ईमानदारी का गेम है। अरे भाई, यहां तो फिल्मफेयर तक के लिए पैसा घुसाना पड़ता है। नोबेल तो सीधा लॉबिंग का बिजनेस है। कौन कितना भारी कॉर्पोरेट से जुड़ा है, कौन किस सरकार से लाइन में है, वो सीआरपीएस में बनता। अब अगर अणुमान गवर्नमेंट अपुन का भी लॉबिंग कर देता, तो आज अपने को भी टंडी आइसक्रीम जैसा नोबेल मिला होता, समझा ? देख भाई, अगर लोगों के काम देखकर नोबेल मिलता होता न, तो बापू को दो-दो बार मिला होता। उनका नाम दो बार लिस्ट से ऐसे काटा, जैसे गरीब पब्लिक का राशन काट करटता है। बापू बेचारा पूरा जिंदगी अहिंसा, भाईचारा, शांति का पाठ पढ़ता रहा, लाखों जानें बचाईं, फिर भी नोबेल नहीं मिला। आज जो नोबेल लेके घूमता, वही उसके नाम पे मार्केटिंग करता। मतलब बापू का कांसेप्ट बेचके नोबेल जीतता। पर अगर भी बापू नोबेल ले भी लेंते, तो भी क्या होता? गुलिवर लिलिपुट में पहुंच जाता। बापू जैसे ऊंचे आदमी, और सामने ये छोटे लॉबिंग वाले बौने। नोबेल की वैल्यू बापू से ऊपर थोड़ी न है, रे पिडा ! अब देख, नोबेल वालों को क्या लॉजिक ? जो सिस्टम का चमचा, उसे इनाम, जो सिस्टम से बाहर निकला, उसे इग्नोर करने का। फिर बोलते हैं 'पैस, पैस !' अपुन बोला, 'साला ये तो वही बात हुई, जैसे वो अफसर अपने बांस को देखकर फाइल पास करता, अंदर चाहे कुछ भी लिखा हो।' नोबेल ग्लोबल सेंटिंग हिस्सा है। जना को लगता है साफ-सुधरा खेला है। पर असल में खेल सब पदं के पीछे का। बिलकुल क्रिकेट के ड्रीम इलेवन के माफिक।

दृष्टि कोण

संयम आधारित हो नये दौर की शासन कला

युद्ध कभी-कभार ही वहां खत्म होते हैं जहां वे थमते हैं; जहां वे विराम लेते हैं वहां से अनुपात का आगाज होता है। वसांय से लेकर गाजा तक, बागदाद के बीच तक, हर अधूरा युद्ध वही सबक दोहराता है: बिना संयम की जीत अपने ही विनाश के बीज बोती है। जब जीत अपमान में बदल जाए, तब शांति भरभरा कर गिर जाती है। भारत लंबे समय से इस सच्चाई को जानता है। हाका से लेकर कारगिल व ऑपरेशन सिंदूर तक, भारतीय गणतंत्र की जीत सभ्यतागत रही है, युद्धविराम थकान से नहीं अपितु दूरदर्शिता से रोक लेने का क्षमता। संयम का अर्थ पीछे हटना नहीं; यह एक फैसला होता है, निवेक के साथ साहस का, अनुपात सश शक्ति का। अंत भला हो, यह कमान का सबसे मुश्किल काम है। अपरिमेय जीत का जाल : जैसे कि दुनिया के महाद्वीपों और समुदायों में खून बहा रहा है, संयम की बात कहीं नहीं हो रही। युद्ध बेवजह जारी रहते हैं, और शांति का कोई नामलेवा नहीं। इस नैतिक शृंय में, भारत की आनुपातिक संतुलन की विरासत एक गुण से कहीं ज्यादा



आरके जैन

सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा, और बहस छिड़ गई : क्या भाषा अब हमें बाँधेगी या बाँटेगी? यह घटना एक विमान में घटी, जहां कोलकाता से मुंबई जा रहे एक यात्री ने शांतिपूर्वक मुहाड़ कि उसे मराठी नहीं आती। जवाब में उसे आक्रामक धमकी मिली—मुंबई जा रहे हो, तो मराठी सीखो। वायरल वीडियो में एक महिला यात्री को जबरन भाषा थोपने की कोशिश करते हुए देखा गया, जिसने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। लेकिन कू ने हस्तक्षेप तो किया, पर केवल सीट बदलने की सलाह दी, बिना कोई सख्त कदम उठाए। सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने से तीखी बहस छिड़ गई। एक यूजर ने लिखा—भाषा थोपना हमारी समावेशी संस्कृति का अपमान है। कुछ लोग, जो भाषा थोपना एक मानना थाकि वीडियो पूरी कहानी नहीं दिखाता। फिर भी, यह सवाल गुंजाता है— क्या भाषा, जो हमारी पहचान की धरोहर है, अब विवाद और विभाजन का हथियार बन रही है? भारत में भाषा का विवाद कोई नई बात नहीं। महाराष्ट्र में प्रवासियों और स्थानीय लोगों के बीच तनाव का लंबा इतिहास रहा है। 1960 के दशक में संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन ने मराठी को आधिकारिक दर्जा दिलाया, जो भाषाई गौरव का प्रतीक बना। किंतु समय के साथ यह गौरव कुछ मामलों में आक्रामकता में बदल गया। जुलाई 2025 में मुंबई की लोकल ट्रेन में एक महिला ने गैर-मराठी भाषीकों को धमकाया। 2019 में भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों को निशाना बनाया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि भाषा, जो हमारी संस्कृति का आभूषण है, कभी-कभी विभाजन का

बादलों के बीच 30,000 फीट की ऊंचाई पर, जब एक विमान कोलकाता से मुंबई की उड़ान भर रहा था, तब एक ऐसी घटना घटी, जिसने भारत की 'एकता में विविधता' की नींव को हिलाकर रख दिया। 23 अक्टूबर को एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-676) में एक महिला यात्री ने युवक से कहा—आप मुंबई जा रहे हैं, तो मराठी आनी चाहिए। यह कोई साधारण बहस नहीं थी; यह एक ऐसी धमकी थी, जिसने भाषा को हथियार बनाकर सांस्कृतिक एकता पर सवाल उठा दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा, और बहस छिड़ गई: क्या भाषा अब हमें बाँधेगी या बाँटेगी? यह घटना एक विमान में घटी, जहां कोलकाता से मुंबई जा रहे एक यात्री ने शांतिपूर्वक कहा कि उसे मराठी नहीं आती। जवाब में उसे आक्रामक धमकी मिली—मुंबई जा रहे हो, तो मराठी सीखो। वायरल वीडियो में एक महिला यात्री को जबरन भाषा थोपने की कोशिश करते हुए देखा गया, जिसने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। लेकिन कू ने हस्तक्षेप तो किया, पर केवल सीट बदलने की सलाह दी, बिना कोई सख्त कदम उठाए। सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने से तीखी बहस छिड़ गई। एक यूजर ने लिखा—भाषा थोपना हमारी समावेशी संस्कृति का अपमान है। कुछ लोग, जो भाषा थोपना एक मानना थाकि वीडियो पूरी कहानी नहीं दिखाता। फिर भी, यह सवाल गुंजाता है— क्या भाषा, जो हमारी पहचान की धरोहर है, अब विवाद और विभाजन का हथियार बन रही है? भारत में भाषा का विवाद कोई नई बात नहीं। महाराष्ट्र में प्रवासियों और स्थानीय लोगों के बीच तनाव का लंबा इतिहास रहा है। 1960 के दशक में संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन ने मराठी को आधिकारिक दर्जा दिलाया, जो भाषाई गौरव का प्रतीक बना। किंतु समय के साथ यह गौरव कुछ मामलों में आक्रामकता में बदल गया। जुलाई 2025 में मुंबई की लोकल ट्रेन में एक महिला ने गैर-मराठी भाषीकों को धमकाया। 2019 में भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों को निशाना बनाया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि भाषा, जो हमारी संस्कृति का आभूषण है, कभी-कभी विभाजन का

देश दुनिया से

मानवता, शाकाहार और उपभोग में संयम

मानवता की उत्पत्ति के शुरुआत से ही मांसाहार और शाकाहार दोनों ही मानव की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति करते रहे हैं। शायद उस वक़्त शाकाहार और मांसाहार के बीच में अंतर नहीं होता था, लेकिन बाद में मानव ने मांसाहार और शाकाहार में अंतर करना प्रारंभ किया और आज यह स्थिति है कि प्यूसिंसच सर्वेक्षण (2021) के सर्वेक्षण के अनुसार भारत में लगभग 39 प्रतिशत भारतीय किसी न किसी प्रकार से मांस के उपयोग से परहेज करते हैं। 39 प्रतिशत लोगों ने इस सर्वेक्षण में स्वयं को शाकाहारी ही कहा है। अधिकांश भारतीय कभी-कभार ही मांस का उपभोग करते हैं। यही कारण है कि भारत में प्रति व्यक्ति मांस का उपभोग 3.1 किलोग्राम प्रतिवर्ष है, जबकि अमरीका में यह 109 किलोग्राम, यूरोप में 84 किलोग्राम और सकल विश्व में यह 44.5 किलोग्राम प्रतिव्यक्ति प्रतिवर्ष है। भारत जाए तो भारतीय मांसाहारी होने पर भी धार्मिक आस्थाओं के आधार पर भी कुछ प्रकार के मांस का सेवन नहीं करते। उदाहरण के लिए हिंदू और सिख गाय के मांस से, मुस्लिम पोर्क के मांस से परहेज रखते हैं। भारत की तुलना में शेष विश्व में शाकाहार का चलन कम है। दुनिया के औसतन 3 से 5 प्रतिशत लोग ही शाकाहारी हैं। अकेले भारत में ही दुनिया के 70 प्रतिशत शाकाहारी रहते हैं। कई बार कुछ लोग आधुनिकीकरण को मांसाहार से जोड़कर देखने लगते हैं। लेकिन हमें समझना होगा कि आधुनिक और समझदारी का विचार मांसाहार में नहीं, बल्कि शाकाहार में है। पिछले कुछ समय से शाकाहार में भी एक अलग प्रकार का चलन बढ़ रहा है, जिसे हमें हमें अभिनय के नाम से जाना जाता है। इसमें मांस के अतिरिक्त अन्य पशु उत्पाद जैसे दूध और दुग्ध उत्पादों के उपयोग से भी परहेज करने की सलाह दी जाती है। उनका कहना है कि दूध के उत्पादन के लिए पशुओं पर अत्याचार होता है। ऐसा माना जाता है कि विष्व में एक से दो प्रतिशत लोग 'वेगन' आधार अपना चुके हैं। हालांकि वेगनवाद का खासा विरोध भी हो रहा है कि इस दूध जो शाकाहारी माना जाता है, यदि उसके सेवन से बचा जाएगा, तो इस कारण से पशु पालन जैसे रोजगार के अवसरों पर चोट होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है। समझना होगा कि भारत में दूध का उत्पादन और दुग्ध उत्पादों का सेवन हमारी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा

रहा है। आज विश्व पर्यावरण असंतुलन, मौसम परिवर्तन और वैश्विक उष्णता यानी ग्लोबल वार्मिंग के भयंकर संकट से गुजर रहा है। औद्योगिकीकरण से पूर्व की तुलना में दुनिया का तापमान लगभग 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है। अब से लेकर अब तक दुनिया की आबादी लगभग 5 गुणा तक बढ़ चुकी है। इस दौरान दुनिया में उपभोग में तो उससे भी ज्यादा वृद्धि हुई है। वैश्विक उष्णता बढ़ाने में औद्योगिकरण का योगदान तो है ही, लेकिन साथ ही साथ इसके लिए जिम्मेदार ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन इतनी बड़ी जनसंख्या के उपभोग के लिए आवश्यक खाद्य सामग्री और अन्य प्रकार के उत्पादनों के कारण भी हो रहा है। जीडीपी बढ़ने के साथ-साथ लोगों की आमदनी भी बढ़ी है, और उसके साथ ही साथ उपभोक्ता वस्तुओं पर फिजूलखर्ची के साथ-साथ खाद्य सामग्री की बर्बादी भी बढ़ी है। पूर्व में जहां उपभोक्ता वस्तुओं का जीवन लंबा होता था, वर्तमान युग में यूज एंड थ्रो यानी इस्तेमाल करो और फेंक दो, की आदत के कारण दुनिया में न केवल कचरा बढ़ा है, बल्कि जरूरत से ज्यादा उत्पादन के कारण ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन भी ज्यादा हुआ है। समझा जा सकता है कि इस वजह से संयमित उपभोग की जरूरत पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गई है। पूरी दुनिया में 71 प्रतिशत क्षेत्र में पानी है और मात्र 29 प्रतिशत ही भूमि है। और इस 29 प्रतिशत में सिर्फ 6 प्रतिशत ही रहने योग्य है, 10 प्रतिशत पर कृषि होती है और इस कृषि योग्य भूमि में सिर्फ 2.4 प्रतिशत पर ही फसलों की खेती होती है और 8 प्रतिशत भूमि पर पशुपालन के लिए जरूरी खेती होती है। इस 2.4 प्रतिशत भूमि पर होने वाली खेती से मनुष्यों की 83 प्रतिशत कैलौरी आवश्यकता पूर्ण होती है और पशुपालन के लिए जहां 8 प्रतिशत भूमि का इस्तेमाल हो रहा है, उससे मात्र 17 प्रतिशत कैलौरी आवश्यकता की पूरी होती है। 63 प्रतिशत प्रोटीन की आवश्यकता भी इसी 2.4 प्रतिशत भूमि होती है, जबकि 37 प्रतिशत प्रोटीन ही पशुपालन से उत्पन्न उत्पादों से मिलता है। भारत के पास दुनिया की सिर्फ 2 प्रतिशत ही भूमि है। जबकि हमारी जनसंख्या दुनिया की 18 प्रतिशत है। दुनिया के 30 प्रतिशत पशु और 8 प्रतिशत जैव संसाधन भारत में पाए जाते हैं। इतनी बड़ी जनसंख्या के लिए खाद्य उत्पादन करने के साथ-साथ भारत अपने जैव संसाधनों का संरक्षण

महाराष्ट्र में प्रवासियों और स्थानीय लोगों के बीच तनाव का लंबा इतिहास रहा

मुंबई सबकी है — लेकिन क्या वाकई सबके लिए?

मुंबई की उड़ान भर रहा था, तब एक ऐसी घटना घटी, जिसने भारत की 'एकता में विविधता' की नींव को हिलाकर रख दिया। 23 अक्टूबर को एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-676) में एक महिला यात्री ने युवक से कहा—आप मुंबई जा रहे हैं, तो मराठी आनी चाहिए। यह कोई साधारण बहस नहीं थी; यह एक ऐसी धमकी थी, जिसने भाषा को हथियार बनाकर सांस्कृतिक एकता पर सवाल उठा दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा, और बहस छिड़ गई: क्या भाषा अब हमें बाँधेगी या बाँटेगी? यह घटना एक विमान में घटी, जहां कोलकाता से मुंबई जा रहे एक यात्री ने शांतिपूर्वक कहा कि उसे मराठी नहीं आती। जवाब में उसे आक्रामक धमकी मिली—मुंबई जा रहे हो, तो मराठी सीखो। वायरल वीडियो में एक महिला यात्री को जबरन भाषा थोपने की कोशिश करते हुए देखा गया, जिसने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। लेकिन कू ने हस्तक्षेप तो किया, पर केवल सीट बदलने की सलाह दी, बिना कोई सख्त कदम उठाए। सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने से तीखी बहस छिड़ गई। एक यूजर ने लिखा—भाषा थोपना हमारी समावेशी संस्कृति का अपमान है। कुछ लोग, जो भाषा थोपना एक मानना थाकि वीडियो पूरी कहानी नहीं दिखाता। फिर भी, यह सवाल गुंजाता है— क्या भाषा, जो हमारी पहचान की धरोहर है, अब विवाद और विभाजन का हथियार बन रही है? भारत में भाषा का विवाद कोई नई बात नहीं। महाराष्ट्र में प्रवासियों और स्थानीय लोगों के बीच तनाव का लंबा इतिहास रहा है। 1960 के दशक में संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन ने मराठी को आधिकारिक दर्जा दिलाया, जो भाषाई गौरव का प्रतीक बना। किंतु समय के साथ यह गौरव कुछ मामलों में आक्रामकता में बदल गया। जुलाई 2025 में मुंबई की लोकल ट्रेन में एक महिला ने गैर-मराठी भाषीकों को धमकाया। 2019 में भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों को निशाना बनाया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि भाषा, जो हमारी संस्कृति का आभूषण है, कभी-कभी विभाजन का

हथियार बन जाती है। सोशल मीडिया ने इस आग में जो डाला। एक पोस्ट में लिखा गया—मुंबई सबकी है, लेकिन क्या वाकई सबके लिए? वही, कुछ यूजर्स ने तर्क दिया कि स्थानीय भाषा का सम्मान जरूरी है, परंतु उसे थोपना अनुचित है। भारत में 22 आधिकारिक भाषाएं और सैकड़ों बोलियां हैं। संविधान के अनुच्छेद 343 के तहत हिंदी को संघ की आधिकारिक भाषा का दर्जा प्राप्त है, और क्षेत्रीय भाषाओं को समान सम्मान मिला है। 1956 के राज्य पुनर्गठन ने भाषा आधारित राज्यों को जन्म देकर एकता का संदेश दिया था। लेकिन आज, आर्थिक दबाव, बेरोजगारी और शहरीकरण ने भाषाई पहचान को संघर्ष का औजार बना दिया। मुंबई, जहां 40% से अधिक आबादी प्रवासी है, में स्थानीय और बाहरी के बीच तनाव बढ़ा है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट के अनुसार, भाषाई विविधता सांस्कृतिक धरोहर है, लेकिन इसे थोपने से सामाजिक संघर्ष बढ़ता है। सोशल मीडिया पर एक सवाल गुंजा—क्या कॉर्पोरेट्स अपने कर्मचारियों को वास्तव में प्रभावी डायवर्सिटी ट्रेनिंग देते हैं? यह सवाल उस महिला यात्री की यूनिफॉर्म की ओर इशारा करता है, जो एक कंपनी से जुड़ी थी, और उसकी आक्रामकता ने इस

मुद्दे को और गंभीर बना दिया। विमान कंपनी ने इस घटना पर रहस्यमयी चुप्पी साध रखी है। वायरल वीडियो में साफ दिखता है कि केबिन कू ने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने तीखा सवाल दागा—शराबी यात्रियों पर तुरंत एक्शन लेने वाली एयरलाइन भाषाई धमकी पर चुप क्यों? भाषाई उत्पीड़न को घृणा अपराध की श्रेणी में लाए। कॉर्पोरेट्स की जवाबदेही भी कठघरे में है—यदि एकता का संदेश दिया था, तो कंपनी को भाषाई पहचान को बहाल देना अनिवार्य है। स्कूलों में बहुभाषी शिक्षा और रबाषा जोड़े, न तोड़ें जैसे प्रभावशाली सार्वजनिक अभियान इस दिशा में क्रांतिकारी कदम हो सकते हैं। यह घटना केवल एक विवाद नहीं, बल्कि एक गहरा खतरे का संकेत है। यदि भाषा को हथियार बनाया गया, तो भारत की सांस्कृतिक आत्मा को गहरी ठेस पहुंच सकती है। हमें यह स्मरण रखना होगा कि हमारी विविधता ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है। मुंबई

मुंबई की उड़ान भर रहा था, तब एक ऐसी घटना घटी, जिसने भारत की 'एकता में विविधता' की नींव को हिलाकर रख दिया। 23 अक्टूबर को एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-676) में एक महिला यात्री ने युवक से कहा—आप मुंबई जा रहे हैं, तो मराठी आनी चाहिए। यह कोई साधारण बहस नहीं थी; यह एक ऐसी धमकी थी, जिसने भाषा को हथियार बनाकर सांस्कृतिक एकता पर सवाल उठा दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा, और बहस छिड़ गई: क्या भाषा अब हमें बाँधेगी या बाँटेगी? यह घटना एक विमान में घटी, जहां कोलकाता से मुंबई जा रहे एक यात्री ने शांतिपूर्वक कहा कि उसे मराठी नहीं आती। जवाब में उसे आक्रामक धमकी मिली—मुंबई जा रहे हो, तो मराठी सीखो। वायरल वीडियो में एक महिला यात्री को जबरन भाषा थोपने की कोशिश करते हुए देखा गया, जिसने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। लेकिन कू ने हस्तक्षेप तो किया, पर केवल सीट बदलने की सलाह दी, बिना कोई सख्त कदम उठाए। सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने से तीखी बहस छिड़ गई। एक यूजर ने लिखा—भाषा थोपना हमारी समावेशी संस्कृति का अपमान है। कुछ लोग, जो भाषा थोपना एक मानना थाकि वीडियो पूरी कहानी नहीं दिखाता। फिर भी, यह सवाल गुंजाता है— क्या भाषा, जो हमारी पहचान की धरोहर है, अब विवाद और विभाजन का हथियार बन रही है? भारत में भाषा का विवाद कोई नई बात नहीं। महाराष्ट्र में प्रवासियों और स्थानीय लोगों के बीच तनाव का लंबा इतिहास रहा है। 1960 के दशक में संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन ने मराठी को आधिकारिक दर्जा दिलाया, जो भाषाई गौरव का प्रतीक बना। किंतु समय के साथ यह गौरव कुछ मामलों में आक्रामकता में बदल गया। जुलाई 2025 में मुंबई की लोकल ट्रेन में एक महिला ने गैर-मराठी भाषीकों को धमकाया। 2019 में भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों को निशाना बनाया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि भाषा, जो हमारी संस्कृति का आभूषण है, कभी-कभी विभाजन का

करने में भी सफल रहा है। इसका कारण यह है कि भारत में अधिकांश लोग शाकाहारी हैं और जो मांस का उपभोग भी करते हैं, उनमें से भी अधिकांश कभी कभार ही मांस का सेवन करते हैं। भारत में होने वाला पशुपालन, दुनिया की मांसाहारी जनसंख्या की आवश्यकता की पूर्ति करता है। गौरतलब है कि भारत से प्रतिवर्ष 1.3 करोड़ मीट्रिक टन भैंस का निर्यात प्रतिवर्ष होता है। भारत की शाकाहारी आदतें दुनिया में खाद्य पदार्थों की कमी नहीं होने देती। यदि देखें तो विश्व की आबादी में शाकाहारी लोगों में से कुल 70 प्रतिशत अकेले भारत में ही रहते हैं। दुनिया में कुल ग्रीन हाऊस गैसों के उत्सर्जन में मांसाहार के लिए जरूरी पशुपालन से होने वाला उत्सर्जन 15 प्रतिशत है। एक किलो मांस के लिए उत्पादन के लिए उसके बराबर अनाज, दालों या सब्जी के उत्पादन की तुलना में 20 से 30 गुणा ज्यादा ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन होता है। समझा जा सकता है कि दुनिया में यदि 10 प्रतिशत अतिरिक्त लोग भी शाकाहारी हो जायें तो खाद्य उत्पादन से संबंधित ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन 35 से 30 प्रतिशत कम हो सकता है। मांस के उत्पादन में कहीं ज्यादा, लेकिन डेयरी से मात्र 3-4 प्रतिशत ग्रीन हाऊस गैसों का ही उत्सर्जन होता है, जिसमें आधा मिथेन गैस के उत्सर्जन से, और शेष चरबे, यातायात, प्रोसेसिंग, और खाद्य निर्माण में होता है। समझना होगा कि जहां प्रति किलो मांस उत्पादन में 60 किलो ग्रीन हाऊस गैसों (सीओ2ई) का उत्सर्जन होता है, एक लीटर दूध में मात्र 3.2 किलो सीओ2ई का उत्सर्जन होता है। यदि दुनिया को वैश्विक उष्णता और मौसम परिवर्तन के कष्टों से मुक्ति दिलानी हो तो दुनिया में तेजी से शाकाहार को बढ़ाना होगा। इसी के साथ-साथ यदि भारत की मितव्ययी आदतों को दुनिया अपनाना शुरू कर दे और यूज एंड थ्रो की मानसिकता से बाहर आ जाएं, तो वैश्विक उष्णता के संकट से जल्दी निजात पाया जाएगा। दुर्भाग्य का घण्टा यह है कि दुनिया में पर्यावरण सम्मेलनों में पर्यावरण से निपटने के लिए टेक्नोलॉजी और उपकरणों की बात तो होती है, क्योंकि उससे वैश्विक कंपनियों को लाभ कमाना होता है, लेकिन वैश्विक उद्योगों के लिए जिम्मेदार मांसाहार और उपभोग में बर्बादी और फिजूलखर्ची पर कोई बात करने के लिए तैयार नहीं।

आप का नजरिया

सुर्खियों भरे एहसास

की जरूरतें और जिम्मेदारियों के फलक पर मंत्रिमंडल की बैठकों की इच्छाशक्ति और दूरगामी संदेशों पर नजर दौड़ाएं, तो सुक्ख सरकार ने अपने संघर्षों का क्षेत्ररक्षण करना शुरू कर दिया है। अब सरकार अगले चुनावों को अपने इरादों में परिभाषित करने का हर अवसर बड़ा करेगी। जाहिर है सरकारी नौकरियों की मंडी सजेगी और सरकारी नौकर भी पूजे जाएंगे। सरकारी क्षेत्र में रोजगार के 732 नए अवसर, तमाम बेरोजगारों के आवेदनों में सुर्खी भरेगे, तो स्पोट्स कोटे में 19 खेलों से खिलाड़ियों के लिए सरकारी कार्यालय की छत का प्रश्रय मिलेगा। शिक्षा विभाग के पिटाये में 805 प्रधानाचार्यों के कार्यालयों का ताला भी खुल रहा है। मंत्रिमंडलीय बैठक का एजेंडा, अपने लिए ऊर्जा के कई स्रोत, संदेश और महत्वाकांक्षा खोज कर पेश हुआ है। स्थानीय निकायों की चुनावी फेहरिस्त भले ही घुंघरू पहनने में देरी कर रही हो, लेकिन कुछ बुनियादी प्रश्न पर सरकार की ओर से फेरबदल स्पष्ट है। नगर निगमों की बिसात पुनः बदल रही है। अब ढाई-ढाई साल की पारियों के बजाय महावीर व उपमहापौर पूरे पांच साल की जिम्मेदारी में नापे जाएंगे, हालांकि पारदर्शिता के लिहाज से इनके प्रत्यक्ष चुनाव की दिशा में अभी फैसला नहीं आया है। दूसरी ओर पंचायतों के पुनर्गठन के लिए हर्द खोल दी गई है। स्थानीय निकायों के चुनावों से गुजरने की तैयारी में अब एक युद्ध क्षेत्र चिन्हित हो रहा है। हिमाचल निर्माण की तैयारियों में हर सरकार को स्थानीय निकाय चुनावों के हवाले से अपने कार्यकाल को सामाजिक, राजनीतिक व प्रशासनिक व्यौरा देना पड़ता है और इसी परिप्रेक्ष्य में प्रदेश एक मुजने में अंधे नौकरी के आगे बढ़ रहा है। बेरोजगारों के आवेदनों में सुर्खी भरेगे, तो वर्तमान सरकार हिमाचल में नियोजित स्पोट्स कोटे में 19 खेलों से खिलाड़ियों के विकास के बीच शहरीकरण से ग्रामीण उत्थान तक निर्माण की आधार संहिता को संबोधित करने का प्रयास कर रही है। ग्रामीण स्तर तक निर्माण की अपराधतकरी को रोका-टोका जाएगा, तो इसके लिए नियमों की प्रणाली को प्रणाली कहा है। मंत्रिमंडलीय बैठक का एजेंडा, अपने बचने की गुंजाइश को मंत्रिमंडल की लिए ऊर्जा के कई स्रोत, संदेश और उपसर्मित गठित की जा रही है। जाहिर तौर पर टीसीपी कानून के तहत जो अपेक्षाएं सुनिश्चित होनी थीं, वे कहीं अनिर्णायक स्थिति में नहीं आने देंगी, जो राष्ट्रीय विकास परिषद के तहत मौजूद कबाडखाना बन गई। हिमाचल के किसी भी बुनियादी प्रश्नों पर सरकार की ओर से शहर को व्यवस्थित तथा परिष्कृत के अनुपूरक नहीं ठहराया जा सकता, जबकि ग्रामीण इलाके की अपूर्ण शहरीकरण की बदसूरती में गुम हो रहे हैं। हिमाचल की तमाम विकास योजनाओं और प्रार्थमिकताओं के बीच पांच साल की जिम्मेदारी में नापे जाएंगे, हालांकि पारदर्शिता के लिहाज से इनके प्रत्यक्ष चुनाव की दिशा में अभी फैसला नहीं आया है। दूसरी ओर पंचायतों के पुनर्गठन के लिए हर्द खोल दी गई है। स्थानीय निकायों के चुनावों से गुजरने की तैयारी में अब एक युद्ध क्षेत्र चिन्हित हो रहा है। हिमाचल निर्माण की तैयारियों में हर सरकार को स्थानीय निकाय चुनावों के हवाले से अपने कार्यकाल का सामाजिक, राजनीतिक व प्रशासनिक व्यौरा देना पड़ता है और इसी परिप्रेक्ष्य में प्रदेश एक मुजने में अंधे नौकरी के आगे बढ़ रहा है। बेरोजगारों के आवेदनों में सुर्खी भरेगे, तो वर्तमान सरकार हिमाचल में नियोजित स्पोट्स कोटे में 19 खेलों से खिलाड़ियों के विकास के बीच शहरीकरण से ग्रामीण उत्थान तक निर्माण की आधार संहिता को संबोधित करने का प्रयास कर रही है।

मुंबई की उड़ान भर रहा था, तब एक ऐसी घटना घटी, जिसने भारत की 'एकता में विविधता' की नींव को हिलाकर रख दिया। 23 अक्टूबर को एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-676) में एक महिला यात्री ने युवक से कहा—आप मुंबई जा रहे हैं, तो मराठी आनी चाहिए। यह कोई साधारण बहस नहीं थी; यह एक ऐसी धमकी थी, जिसने भाषा को हथियार बनाकर सांस्कृतिक एकता पर सवाल उठा दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा, और बहस छिड़ गई: क्या भाषा अब हमें बाँधेगी या बाँटेगी? यह घटना एक विमान में घटी, जहां कोलकाता से मुंबई जा रहे एक यात्री ने शांतिपूर्वक कहा कि उसे मराठी नहीं आती। जवाब में उसे आक्रामक धमकी मिली—मुंबई जा रहे हो, तो मराठी सीखो। वायरल वीडियो में एक महिला यात्री को जबरन भाषा थोपने की कोशिश करते हुए देखा गया, जिसने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। लेकिन कू ने हस्तक्षेप तो किया, पर केवल सीट बदलने की सलाह दी, बिना कोई सख्त कदम उठाए। सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने से तीखी बहस छिड़ गई। एक यूजर ने लिखा—भाषा थोपना हमारी समावेशी संस्कृति का अपमान है। कुछ लोग, जो भाषा थोपना एक मानना थाकि वीडियो पूरी कहानी नहीं दिखाता। फिर भी, यह सवाल गुंजाता है— क्या भाषा, जो हमारी पहचान की धरोहर है, अब विवाद और विभाजन का हथियार बन रही है? भारत में भाषा का विवाद कोई नई बात नहीं। महाराष्ट्र में प्रवासियों और स्थानीय लोगों के बीच तनाव का लंबा इतिहास रहा है। 1960 के दशक में संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन ने मराठी को आधिकारिक दर्जा दिलाया, जो भाषाई गौरव का प्रतीक बना। किंतु समय के साथ यह गौरव कुछ मामलों में आक्रामकता में बदल गया। जुलाई 2025 में मुंबई की लोकल ट्रेन में एक महिला ने गैर-मराठी भाषीकों को धमकाया। 2019 में भी राजनीतिक कार्यकर्ताओं ने मराठी न बोलने वालों को निशाना बनाया। ये घटनाएं दर्शाती हैं कि भाषा, जो हमारी संस्कृति का आभूषण है, कभी-कभी विभाजन का

मुंबई की उड़ान भर रहा था, तब एक ऐसी घटना घटी, जिसने भारत की 'एकता में विविधता' की नींव को हिलाकर रख दिया। 23 अक्टूबर को एयर इंडिया की फ्लाइट (एआई-676) में एक महिला यात्री ने युवक से कहा—आप मुंबई जा रहे हैं, तो मराठी आनी चाहिए। यह कोई साधारण बहस नहीं थी; यह एक ऐसी धमकी थी, जिसने भाषा को हथियार बनाकर सांस्कृतिक एकता पर सवाल उठा दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो ने लाखों लोगों का ध्यान खींचा, और बहस छिड़ गई: क्या भाषा अब हमें बाँधेगी या बाँटेगी? यह घटना एक विमान में घटी, जहां कोलकाता से मुंबई जा रहे एक यात्री ने शांतिपूर्वक कहा कि उसे मराठी नहीं आती। जवाब में उसे आक्रामक धमकी मिली—मुंबई जा रहे हो, तो मराठी सीखो। वायरल वीडियो में एक महिला यात्री को जबरन भाषा थोपने की कोशिश करते हुए देखा गया, जिसने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। लेकिन कू ने हस्तक्षेप तो किया, पर केवल सीट बदलने की सलाह दी, बिना कोई सख्त कदम उठाए। सोशल मीडिया पर वीडियो के वायरल होने से तीखी बहस छिड़ गई। एक यूजर ने लिखा—भाषा थोपना हमारी समावेशी संस्कृति का अपमान है। कुछ लोग, जो भाष

प्रदेश को मिले तीन नए निजी विवि संभल, फतेहपुर और बाराबंकी में होंगे शुरू, कैबिनेट ने लगाई मुहर

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार ने बुधवार को तीन निजी विश्वविद्यालयों के संचालन व स्थापना को हरी झंडी दे दी है। इसके लिए उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने इन विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधियों को बुधवार को संचालन प्राधिकारपत्र और आशयपत्र प्रदान किए। इनमें राधा गोविंद विश्वविद्यालय चंदौसी, संभल व बोधिसत्व विश्वविद्यालय, बाराबंकी को संचालन प्राधिकारपत्र दिया गया। अब



यहां प्रवेश लेकर पढ़ाई शुरू की जा सकेगी। वहीं ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय, फतेहपुर के प्रायोजक एंग्लो संस्कृत कॉलेज को विश्वविद्यालय के निर्माण के लिए आशयपत्र दिया गया। संस्था को पांच करोड़ रुपये की निधि और न्यूनतम 20 एकड़ भूमि की व्यवस्था करनी होगी। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि प्रदेश

सरकार उच्च शिक्षा संस्थानों के विस्तार, कोशल आधारित शिक्षा और युवाओं के लिए स्थानीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण अध्ययन के अवसर उपलब्ध करा रही है। इन निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना से युवाओं को उनके आसपास ही उच्च शिक्षा, अनुसंधान और रोजगार के बेहतर अवसर मिलेंगे। इस अवसर पर प्रमुख सचिव एमपी अग्रवाल, सचिव अमृत त्रिपाठी, विशेष सचिव गिरिजेश त्यागी आदि उपस्थित थे। प्रदेश कैबिनेट द्वारा भदोही (संतकबीरनगर) में काशी नरेश राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय को काशी नरेश विश्वविद्यालय के रूप में स्थापित करने की हरी झंडी दे दी है। यह प्रदेश का 24वां राज्य विश्वविद्यालय होगा। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण व पिछड़े क्षेत्रों के विद्यार्थियों को अपने ही जिले में कम शुल्क में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा मिले। दूसरी तरफ प्रदेश में अब तक 51 निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना भी की जा चुकी है।

चीनी मिल में आयकर विभाग की टीम ने मारा छापा, कर्मचारियों के फोन जब्त

बरेली , 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली के मीरगंज में धामपुर बायोआर्गेनिक लिमिटेड चीनी मिल में बुधवार तड़के पांच बजे के करीब आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा। टीम के पहुंचते ही फैक्ट्री परिसर में खलबली मच गई। टीम ने आते ही सभी कार्यकारियों के फोन जब्त कर लिए। कुछ देर के लिए बाहर से अंदर किसी को नहीं आने दिया गया। फिर बाद में कर्मचारियों का फोन जब्त करके अंदर प्रवेश दिया गया। सूत्रों के अनुसार बरेली और लखनऊ दिल्ली से आई आयकर की संयुक्त टीम ने फैक्ट्री में अचानक छापा मारा है। कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री के सभी गेट बंद करा दिए गए। किसी को भी



अंदर या बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। टीम चीनी मिल में रिकॉर्ड, फाइलों एवं कंप्यूटर सिस्टम की गहन जांच कर रही है। आयकर अधिकारियों की नजर फैक्ट्री से जुड़े वित्तीय लेन-देन और दस्तावेजों की पड़ताल पर है। कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। फैक्ट्री परिसर और आसपास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। मीडिया को भी बाहर के गेट से अंदर जाने नहीं दिया गया। शाम तक जांच जारी रही। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक यह कार्रवाई कर चोरी और वित्तीय अनियमितताओं की जांच से जुड़ी है।

रामपुर सीआरपीएफ कैंप हमला मामला

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2008 हमले के सभी 5 आरोपी किए बरी, मौत की सजा पलटी

प्रयागराज, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 2008 के रामपुर सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में, निचली अदालत की ओर से चार दोषियों को दी गई मौत की सजा और एक दोषी को दी गई आजीवन कारावास की सजा को पलटते हुए सभी पांच आरोपियों को बरी कर दिया है। यह फैसला जस्टिस सिद्धार्थ वर्मा और जस्टिस राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने फैसला सुनाया। यह मामला 31 दिसंबर 2007 की रात और 1 जनवरी 2008 की सुबह रामपुर सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर गेट नंबर-1 पर हुए आतंकी हमले से संबंधित है। इस हमले में सात सीआरपीएफ जवान (कास्टेबल आनंद कुमार, हवलदार ऋषिकेश राय, हवलदार अफ़ज़ल अहमद, हवलदार रामजी सरन मिश्रा,

कांस्टेबल मनवीर सिंह, कास्टेबल देवेन्द्र कुमार, और कास्टेबल विकास कुमार) और एक रिक्शा चालक (किशन लाल) की मौत हो गई थी। निचली अदालत, अतिरिक्त ज़िला एवं सत्र न्यायाधीश, रामपुर ने इस मामले में मोहम्मद शरीफ, सबाउद्दीन, इमरान शहज़ाद, और मोहम्मद फ़ारूक को हत्या और अवैध हथियार रखने सहित अन्य गंभीर धाराओं में दोषी ठहराया था और उन्हें मौत की सजा सुनाई थी। वहीं, जंग बहादुर खान को आजीवन कारावास की सजा दी गई थी। जांच में गंभीर खामियां पाते हुए सभी दोषियों की अपीलें स्वीकार कर लीं। कोर्ट ने पाया कि जांच में कई गंभीर त्रुटियां थीं, जिन्होंने मामले की जड़ को प्रभावित किया। अभियोजन पक्ष मुख्य अपराधों के लिए आरोपियों के खिलाफ़ उचित संदेह से परे मामले को



साबित करने में विफल रहा। जांच एजेंसियों ने मालखाने में हथियारों और गोला-बारूद के सुरक्षित रखरखाव से जुड़े सरकारी निर्देशों का पालन नहीं किया। इन कारणों के आधार पर, हाईकोर्ट ने अपीलें स्वीकार कर लीं और सभी पाँचों आरोपियों को हत्या, आतंकवादी गतिविधियों और अन्य गंभीर धाराओं से बरी कर दिया। हालांकि, न्यायालय ने उन्हें आर्म्स एक्ट की धारा 25(1-ए) के तहत दोषी माना। कोर्ट ने राज्य सरकार को जांच में हुई लापरवाही के लिए दोषी पुलिस शर्मा की ओर से दर्ज कराई गई थी। कोर्ट ने आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। विवेचना में पुलिस ने करीब दो सौ लोगों को गवाह बनाया था। जांच में यह सामने आया था कि लस्कर-ए-ताइबा के कमांडर सैफुल्ला ने पीओके में रामपुर

सीआरपीएफ कैंप पर हमला करने के लिए आतंकी प्रशिक्षित किए थे। उस समय सैफुल्ला भारत के मोस्ट वांटेड हाफिज सईद का खास बताया गया था। हमले में गिरफ्तार पाक आतंकियों के कबूलनामे के बाद सैफुल्ला का नाम भी सामने आया था। खुफिया विभाग के सूत्रों की माने तो रामपुर हमले में सैफुल्ला का नाम सामने आने पर जांच एजेंसियों ने उसे पकड़ने के लिए कोशिश की, लेकिन पाकिस्तान में होने की वजह से वह हाथ नहीं आ सका था। पुलिस ने दो सौ लोगों को गवाह बनाया था, लेकिन कोर्ट में कुल 55 गवाह पेश हो पाए थे। इनमें से 38 गवाहों की गवाही सिर्फ सीआरपीएफ कांड के संबंध में हुई 17 की गवाही आरोपी फहीम अरशद पर दर्ज एक अन्य मामले में हुई। कोर्ट ने नवंबर 2019 में पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) निवासी मोहम्मद फारूख, मधुबनी बिहार निवासी सबाउद्दीन उर्फ सबा, पीओके निवासी इमरान शहज़ाद उर्फ अब्दुल जरार कामरू, मुरादबाद के मूढ़ापांडे निवासी जंग बहादुर और रामपुर के खजुरिया क्षेत्र निवासी मोहम्मद शरीफ को सीआरपीएफ आतंकी हमले का दोषी करार दिया था। जबकि, बरेली के बहेड़ी निवासी गुलाब खां और प्रतापगढ़ के कुंडा निवासी कौसर खां को बरी कर दिया था। हमले के मामले में पाक अधिकृत कश्मीर के इमरान, मोहम्मद फारूख, मुंबई गिरे गांव के फहीम अंसारी, बिहार के मधुबनी का सबाउद्दीन सबा, प्रतापगढ़ के कुंडा के कौसर खां, बरेली के बहेड़ी के गुलाब खां, मुरादाबाद के मूढ़ापांडे के जंग बहादुर बाबा खान और रामपुर के खजुरिया गांव के मोहम्मद शरीफ को गिरफ्तार किया गया था। सभी को पुलिस ने 10 फरवरी 2008 को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। सभी को सुरक्षा के महेनजर लखनऊ और बरेली की जेलों में रखा गया था। मुकदमे की सुनवाई के दौरान सभी को कड़ी सुरक्षा में यहां लाया जाता था। मुख्य मुकदमे में 38 की गवाही हुई, जबकि फहीम अंसारी पर अलग से चलाए गए फर्जी पासपोर्ट और पिस्टल बरामदगी मामले में भी 17 की गवाही हुई। 19 अक्टूबर को मुकदमे में बहस पूरी हो गई। सीआरपीएफ ग्रुप सेंटर पर हुए आतंकी हमले के मामले में कोर्ट ने छह दोषियों में से चार को फांसी की सजा सुनाई थी। वहीं दोषी जंग बहादुर को उम्रकैद तो वहीं फहीम को दस वर्ष की सजा सुनाई थी। बता दें कि फहीम का नाम मुंबई में ताज होटल में हुए आतंकी हमले में भी आया था, हालांकि उसे बाद में बरी कर दिया गया था।

अतीक के बहनोई, वकील, ड्राइवर और नौकर की जमानत पर फैसला सुरक्षित

हाईकोर्ट में हुई सुनवाई
प्रयागराज, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बहुचर्चित उमेश पाल हत्याकांड में आरोपी माफिया अतीक अहमद के बहनोई डॉ अखलाख अहमद, वकील विजय मिश्रा, ड्राइवर कैश व नौकर नियाज़ की जमानत पर फैसला सुरक्षित कर लिया है। सभी आरोपियों की ओर से दाखिल अपराधिक अपील पर न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव की एकल पीठ सुनवाई कर रही है। मेरठ निवासी अतीक के बहनोई डॉ अखलाख अहमद पर हत्याकांड के बमबाज गुड्डू मुस्लिम को शरण देने का आरोप है। जबकि, बाकी मुस्लिमों पर हत्या की साजिश रचने का आरोप है। हत्याकांड के बाद से फरार बमबाज गुड्डू मुस्लिम पांच लाख का इनामी है। पुलिस का दावा है

कि घटना को अंजाम देने के बाद इसने डॉ अखलाख के मेरठ स्थित घर पर शरण ली थी। मेरठ से गिरफ्तार एकलाख ने जमानत पर रिहाई के लिए सितम्बर 2023 में हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। डॉ अखलाक के अधिवक्ता के दलील दिया कि वह एफआईआर में नामजद नहीं है। वह पेशे से डॉक्टर है अपराध की दुनिया से उसका कोई वास्ता नहीं है। उसे केवल अतीक के रिश्तेदार होने के कारण फंसाया गया है। अतीक के वकील विजय पर उमेश पाल हत्याकांड में मुखबिरी करने का आरोप है। विजय की गिरफ्तारी लखनऊ से हुई थी। जमानत पर रिहाई की मांग करते हुए उनकी अधिवक्ता मंजू सिंह ने दलील कि उन्हें अतीक के वकील होने के कारण फंसाया जा रहा है। इसी तरह कैश व नियाज़ की ओर से भी बेगुनाह होने की दलीलें दी गईं। उनके अधिवक्ता ने दलील दी कि कैश ड्राइवर था, जबकि काफी समय पहले से नौकरी छोड़ चुका था। कोई अपराधिक इतिहास नहीं है। नियाज़ के वकील ने भी उसे बेकसूर बताया। कहा कि उसका घटना से कोई सरोकार नहीं है। उसके पास से की बरामदगी नहीं है, न ही वह एफआईआर में नामजद है। लंबी बहस में दौरान उमेश पाल की पत्नी जयपाल के अधिवक्ता प्रवीण पांडे, सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जमानत पर रिहाई का विरोध किया। कहा कि सभी आरोपी हत्याकांड में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। अभी तक ट्रायल कोर्ट में आरोप निर्मित होने की प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। मौजूदा समय में अतीक की इनामी बीबी शाइस्ता रवीन, अरशरफ की बीबी जैनब व बमबाज गुड्डू मुस्लिम समेत कुल सात अन्य आरोपी फरार है।

आजम की मुश्किल फिर बढ़ी : आरपीएस मान्यता केस में पत्नी और सपा नेता पर आरोप तय

रामपुर, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीतापुर जेल से रिहा होने के करीब एक माह बाद सपा नेता आजम खां पर फिर कानूनी शिकंजा कसा है। रामपुर पब्लिक स्कूल की मान्यता लेने में फर्जीवाड़ा करने पर कोर्ट में बुधवार को उन पर आरोप तय हुए। इस मामले में उनकी पत्नी डॉ. तजीन फात्मा व बीएसए दफ्तर के बाबू के खिलाफ भी आरोप तय किए गए हैं। इससे पहले सपा नेता पत्नी के साथ कोर्ट में पेश हुए जहां उन्होंने कई मामलों में अपनी हाजिरी लगाई। इन मामलों में अलग-अलग तारीखों पर सुनवाई होनी होगी। सपा नेता आजम खां की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है। एक माह पहले सपा नेता



जमानत पर रिहा हुए थे। उनकी रिहाई के करीब एक माह बाद सपा नेता पर अब कानूनी शिकंजा कसा है। सपा नेता के खिलाफ शहर कोतवाली में वर्ष 2019 में दर्ज फर्जी तरीके से रामपुर पब्लिक स्कूल की मान्यता लेने के संबंध में दर्ज मामले में एमपीए-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में सुनवाई चल रही है। बुधवार को कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई। इसके लिए सपा नेता आजम खां, उनकी पत्नी तजीन फात्मा व बीएसए दफ्तर

सुनवाई दस नवंबर को होगी। सपा नेता आजम खां ने यतीमखाना बस्ती मामले समेत कई मामलों में कोर्ट में हाजिरी लगाई। यतीमखाना बस्ती मामले में सपा नेता कोर्ट में हाजिर हुए। इस दौरान बचाव पक्ष की ओर से गवाह पेश किया गया। इस मामले की सुनवाई सात नवंबर को होगी। वहीं दूसरी ओर फांसीघर की जमीन कब्जाने, जौहर यूनिवर्सिटी के गेट के मामले में भी सपा नेता पेश हुए।इन मामलों में अलग-अलग तारीख लगाई गई है। सपा नेता आजम खां व उनकी पत्नी तंजीन फात्मा व बीएसए दफ्तर के बाबू पर आरपीएस मामले में चार्ज फ्रेम किए गए हैं। इसके अलावा अन्य मामलों में भी सपा नेता ने कोर्ट पहुंचकर हाजिरी लगाई है।

योगी सरकार में चौथी बार बढ़ा गन्ना मूल्य, अगेती खेती पर होगा ज्यादा भुगतान

लखनऊ, 29 अक्टूबर (एजेंसियां)। योगी सरकार ने पंचायत चुनाव से पहले गन्ना किसानों के लिए झोली खोल दी। पेराई सत्र 2025-26 के लिए गन्ना मूल्य में 30 रुपये प्रति क्विंटल की वृद्धि की गई है। अगेती गन्ना प्रजाति का मूल्य 400 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य प्रजाति का मूल्य 390 रुपये प्रति क्विंटल तय किया गया है। इस वृद्धि से गन्ना किसानों को लगभग 3000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भुगतान होगा।

योगी सरकार के कार्यकाल में यह चौथी बार है, जब गन्ना मूल्य में बढ़ोतरी की गई है। यह निर्णय न केवल गन्ना किसानों की आमदनी में वृद्धि करेगा, बल्कि ग्रामीण अर्थतंत्र भी कुंलाचें भरेगा। इस बारे में गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने बुधवार को लोकभवन में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हर किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य सही समय पर उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है।



उन्होंने बताया कि योगी सरकार के कार्यकाल में गन्ना किसानों को अब तक 290225 करोड़ रुपये का भुगतान किया जा चुका है। वर्ष 2007 से 2017 के बीच सपा और बसपा सरकारों में किसानों को मात्र 147346 करोड़ रुपये का भुगतान हुआ था। योगी सरकार ने मात्र साढ़े आठ वर्षों में पिछली

चल रही हैं, जिससे उत्तर प्रदेश देश में दूसरे स्थान पर है। पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में जहां 21 मिलें औने-पौने दामों पर बेची गई थीं, वहीं योगी सरकार में इस उद्योग में 12000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है। पिछले आठ वर्षों में 4 नई चीनी मिलें स्थापित की गईं, 6 बंद मिलें पुनः शुरू की गईं और 42 मिलों की उत्पादन क्षमता में विस्तार हुआ। इससे प्रदेश में 8 नई बड़ी मिलों के बराबर उत्पादन क्षमता में वृद्धि दर्ज हुई है। दो मिलों में सीबीजी संयंत्र स्थापित

भूमिका पूरी तरह समाप्त हो गई है। गन्ना मंत्री ने बताया कि एथेनॉल उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है। एथेनॉल उत्पादन 41 करोड़ लीटर से बढ़कर 182 करोड़ लीटर तक पहुंच गया है और आसवनियाँ (डिस्टिलरी) की संख्या 61 से बढ़कर 97 हो गई है। इस सबका नतीजा है कि प्रदेश में गन्ना क्षेत्रफल 20 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 29.51 लाख हेक्टेयर तक पहुंच चुका है, जिससे उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर आ गया है।



मानुष शाह-दिया चितले ने रचा इतिहास, डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने वाली बनी पहली भारतीय जोड़ी

नई दिल्ली, 29 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मानुष शाह और दिया चितले की जोड़ी ने पहली बार डब्ल्यूटीटी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई कर इतिहास रच दिया है। नवीनतम डब्ल्यूटीटी सीरीज़ फाइनल्स रस रैंकिंग के अनुसार मंगलवार को शाह-चितले की जोड़ी इस साल के अंत में होने वाले हांगकांग (चीन) में निर्धारित टूर्नामेंट (10 से 14 दिसंबर) के लिए जगह पक्की करने वाली पांचवीं मिश्रित युगल टीम बन गई। डब्ल्यूटीटी स्टार कंटेडर मस्कट (17 से 22 नवंबर) के बाद की फाइनल रस रैंकिंग से उन्होंने जापान की सत्सुकी ओडो और कोरिया के ओह जुनसंग को मात दी, वहीं डब्ल्यूटीटी कंटेडर ब्यूनस आयर्स में उन्होंने सत्सुकी ओडो और जापान के ही हीरोतो शिनोजुका को हराकर रैंकिंग में भारतीय जोड़ी आठवें स्थान पर है। इस सीजन में उन्होंने कई शानदार प्रदर्शन किए हैं। अप्रैल में हुए डब्ल्यूटीटी कंटेडर ट्युनिस में उन्होंने जापान की मिवा हारिमोटो और सोरा मात्सुशिमा को फाइनल में हराकर खिताब जीता — जो उनका सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब रहा। इसके बाद जुलाई में हुए यूएस स्मैश में उन्होंने जापान की सत्सुकी ओडो और कोरिया के ओह जुनसंग को मात दी, वहीं डब्ल्यूटीटी कंटेडर ब्यूनस आयर्स में उन्होंने सत्सुकी ओडो और जापान के ही हीरोतो शिनोजुका को हराकर प्रभावशाली जीत दर्ज की। गौरतलब है कि डब्ल्यूटीटी फाइनल्स की शुरुआत वर्ष 2021 में हुई थी। इस वर्ष भी प्रतियोगिता में पुरुष और महिला एकल वर्ग में 16-16 खिलाड़ी भाग लेंगे। कुल 13 लाख अमेरिकी डॉलर की इनामी राशि वाली इस प्रतियोगिता में इस बार पुरुष और महिला युगल की जगह मिश्रित युगल इवेंट को शामिल किया गया है। मिश्रित युगल वर्ग में दो ग्रुप (प्रत्येक में चार जोड़ियां) बनाए जाएंगे। ग्रुप चरण के बाद सेमीफाइनल खेले जाएंगे और सभी मुकाबले बेस्ट ऑफ फाइव (5 गेम्स) प्रारूप में होंगे। इस ऐतिहासिक अवसर पर दिया चितले ने एक बयान में कहा, फाइनल्स जैसे बड़े टूर्नामेंट में खेलना अपने आप में बहुत बड़ा सम्मान है, और उससे भी बड़ा गर्व है कि हम पहले भारतीय हैं जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत ए टीम के कप्तान ऋषभ पर रहेगी नजरें



बेंगलुरु। यहां भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच शुरु हुए चार दिवसीय अनौपचारिक टेस्ट मैच से वापसी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर सभी की नजरें रहेंगी। ऋषभ इंग्लैंड दौरे में लगी चोट के बाद से ही टीम से बाहर थे। वह इस मैच से एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं। उन्हें इस मैच के लिए टीम का कप्तान भी बनाया गया है। इस चार दिवसीय मैच से उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए अभ्यास के साथ ही फार्म हासिल करने का अवसर मिलेगा। ऋषभ की वापसी से ध्रुव जुरेल को टीम में जगह नहीं मिली है यहां की पिच भी बल्लेबाजी के लिए अनुकूल है। ऐसे में ऋषभ अपनी बल्लेबाजी को निखारने के अलावा अपनी विकेटकीपिंग पर भी ध्यान देंगे। वहीं बल्लेबाज साई सुदर्शन के पास भी दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले इस मैच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले अपने खेल को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। सुदर्शन को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी का अवसर मिला है पर अभी तक वह बड़ी पारियां नहीं खेल पाये हैं।

पैट कमिंस की नेट्स में वापसी, एशेज में कमबैक की उम्मीदें बढ़ीं



सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान पैट कमिंस को नेट्स में गेंदबाजी करते हुए देखा गया है, जिससे इस साल की एशेज सीरीज में उनकी वापसी की उम्मीदें बढ़ गई हैं। स्कॉट न्यूज ऑस्ट्रेलिया की रिपोर्ट के मुताबिक 32 वर्षीय तेज गेंदबाज कमिंस नेट्स में अपनी फिटनेस हासिल करने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। कमिंस को कमर में बोन स्ट्रेस इंजरी के कारण पहले एशेज टेस्ट से बाहर कर दिया गया है, जो 21 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि इस मुकाबले में स्टीव स्मिथ टीम की कप्तानी करेंगे। स्मिथ का कतौर स्टैंड-इन कप्तान रिकॉर्ड अब तक शानदार रहा है। उन्होंने कप्तान रहते हुए पांच मुकाबले जीते हैं और एक ड्रा रहा है। पर्थ टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम की घोषणा अगले हफ्ते होने की उम्मीद है। कमिंस की ब्रिस्बेन में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्धता उनके चार हफ्तों के गेंदबाजी कार्यक्रम के नतीजों पर निर्भर करेगी, जिसमें उनकी फिटनेस की परीक्षा ली जाएगी। एशेज में इंग्लैंड के खिलाफ कमिंस हमेशा एक बड़ी चुनौती रहे हैं। उन्होंने पिछली चार एशेज सीरीज में कुल 91 विकेट झटकें हैं और 2017-18, 2019 तथा 2021-22 सीरीज में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। गौरतलब है कि 2011 में बतौर युवा खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत करने वाले कमिंस को शुरुआती दौर में लगातार पीट की चोटों से जुझना पड़ा, जिसके कारण वह पांच साल तक टेस्ट क्रिकेट से दूर रहे।

पूर्व इंग्लिश तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को नाइटहुड सम्मान

लंदन। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज और टीम के सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले खिलाड़ी जेम्स एंडरसन को विंडसर कैसल में मंगलवार को आयोजित एक विशेष समारोह के दौरान प्रिंसेस ऐनी ने नाइटहुड की उपाधि प्रदान की। 43 वर्षीय एंडरसन को यह उपाधि क्रिकेट के प्रति उत्कृष्ट योगदान के लिए दी गई है। एंडरसन ने जुलाई 2024 में लॉर्ड्स में अपने 21 साल लंबे अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कहा था। उन्होंने 188 टेस्ट मैचों में 704 विकेट झटकें — जो किसी भी तेज गेंदबाज द्वारा सर्वाधिक हैं। उनसे आगे सिर्फ दो स्पिनर — मुथैया मुरलीधरन (800) और शेन वॉर्न (708) हैं। टेस्ट के अलावा एंडरसन ने वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों में 269 विकेट लिए, जो अब तक इंग्लैंड के लिए एक रिकॉर्ड है, भले ही उन्होंने अपना आखिरी वनडे 2015 में खेला था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास के बाद भी एंडरसन ने 2024 सीजन में अपने काउंटी वलब लंकाशायर के लिए खेलना जारी रखा। उन्होंने लगभग 10 साल बाद टी20 क्रिकेट में वापसी करते हुए अपनी टीम को एजबेस्टन में आयोजित फाइनल्स डे तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। इसके साथ ही उन्हें द हंड्रेड लीग में मेनचेस्टर ओरिजिनल्स टीम के लिए वाइल्डकार्ड कॉन्ट्रैक्ट भी मिला। बताया जा रहा है कि एंडरसन 2025 सीजन में भी काउंटी क्रिकेट खेलने के लिए बातचीत कर रहे हैं।



नौ साल बाद प्लेऑफ में पहुंचना तेलुगु टाइटंस के लिए ऐतिहासिक पल : कोच कृष्ण कुमार हुड्डा

कैनबरा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां) । प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 में तेलुगू टाइटंस ने नौ साल का इंतजार खत्म करते हुए प्लेऑफ में जगह बना ली है। मंगलवार को त्यागराज इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में टाइटंस ने पटना पाइरेट्स की आठ मैचों की विजयी लय तोड़ते हुए 46-39 से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ टीम ने क्वालिफायर-2 में जगह पक्की की, जहां उनका मुकाबला सीजन 10 की चैंपियन पुणेरी पलटन से होगा। टीम की इस अहम जीत पर मुख्य कोच कृष्ण कुमार हुड्डा ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमारे लिए करो या मरो वाला मैच था। मैंने सीजन की शुरुआत में ही कहा था कि इस बार हम अपने दर्शकों को निराश नहीं करेंगे। कौन जीतेगा, यह वक्त बताएगा, लेकिन हम अपनी पूरी ताकत झोंक देंगे।

टीम के कप्तान विजय मलिक ने भी कोच की बातों को दोहराते हुए कहा, हमने शुरुआत से अच्छा प्रदर्शन किया है और हमारा मकसद लगातार उसी लय को बनाए रखना था। हम सिर्फ अपना खेल खेलना चाहते थे। भावुक होते हुए कोच हुड्डा ने कहा, तेलुगू टाइटंस नौ साल बाद प्लेऑफ में पहुंचे हैं। पहले टीम हमें देखकर सोचती थी कि ये मुकाबला तो आसान होगा। लेकिन इस बार खिलाड़ियों ने ऐसा खेल दिखाया है कि मेरी आंखें नम हो गईं।

हुड्डा ने आगे कहा, पिछले सीजन में हम बहुत कम अंतर से बाहर हुए थे, इस बार खिलाड़ियों की मेहनत रंग लाई है। मैं हर खिलाड़ी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूँ जिन्होंने टीम को इस मुकाम तक पहुंचाया। कोच ने सीनियर खिलाड़ियों विजय, भरत और शुभम की भी सराहना की, जिन्होंने युवा खिलाड़ियों के साथ मिलकर टीम को संभाला। उन्होंने कहा, हमारे पास चार युवा खिलाड़ी हैं, लेकिन इन तीन सीनियरों ने टीम को संतुलन दिया है।

मेग लैनिंग ने भारत के खिलाफ सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को बताया जीत का प्रबल दावेदार

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग ने भारतीय टीम के खिलाफ गुरुवार को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में अपनी टीम को जीत का प्रबल दावेदार बताया है। लैनिंग ने अपनी टीम की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसमें जबरदस्त गहराई है। उन्होंने कहा, ऑस्ट्रेलियाई टीम एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है। टीम के शुरुआती बल्लेबाजों के विफल होने पर निचले क्रम के बल्लेबाज भी मैच को बदल सकते हैं। उन्होंने बेथ मूनी को ऑस्ट्रेलिया की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह किसी भी प्रकार के हालात में टीम को संकट से उबार सकती हैं। वहीं लैनिंग ने इंग्लैंड की संभावनाओं को लेकर कहा कि उनकी टीम में अच्छा संतुलन है। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में इंग्लैंड के लिए हीथर नाइट। वहीं दक्षिण अफ्रीका के लिए मैरिजेन कैप, भारत के लिए हरमनप्रीत कौर और ऑस्ट्रेलिया के लिए बेथ मूनी अहम भूमिका निभा सकती हैं। लैनिंग ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में इंग्लैंड की टीम जीत की प्रबल दावेदार है। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में गहराई और संतुलन टीम की सबसे बड़ी ताकत है। लैनिंग ने कहा, मुझे लगता है कि इंग्लैंड पूरे टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन कर रहा है।

न्यूजीलैंड ने 17 साल बाद घरेलू मैदान पर सीरीज जीती, दूसरे वनडे में इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया

सेडन पार्क (हैमिल्टन), 29 अक्टूबर (एजेंसियां) । इंग्लैंड की कमजोर बल्लेबाजी एक बार फिर टीम के लिए भारी पड़ी। तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में बुधवार को न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। वर्ष 2008 के बाद यह पहली बार है जब न्यूजीलैंड ने इंग्लैंड को घरेलू मैदान पर वनडे सीरीज में पराजित किया। दोनों टीमों के बीच तीसरा और आखिरी वनडे 1 नवंबर को खेला जाएगा। इंग्लैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 175 रन पर ढेर हो गई, जिसके जवाब में न्यूजीलैंड ने डैरिल मिशेल (56), रचिन रवींद्र (54) और मिचेल सैंटरन (34) की शानदार पारियों का बदौलत लक्ष्य को सिर्फ 33.1 ओवर में हासिल कर लिया। यह 2008 के बाद न्यूजीलैंड की इंग्लैंड पर घरेलू मैदान पर पहली वनडे सीरीज जीत है।

इंग्लैंड पहले बल्लेबाजी करते हुए मात्र 175 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड के सभी छह गेंदबाजों ने विकेट चटकाने, जबकि ब्लेयर टिकनर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 विकेट अपने नाम किए। नाथन स्मिथ ने 2 विकेट लिए। इंग्लैंड की ओर से जेमी ओवरटन (42) और हैरी ब्रूक (34) ही कुछ देर टिक सके। कप्तान जोस बटलर और जो रूट सस्ते में लौट गए। बारिश के बाद जब मैच शुरू हुआ तो शुरुआत से ही इंग्लैंड की हालत पतली दिखी। तीसरे ओवर में जैकब डफ्री ने बेन डकेट को पवेलियन भेजा और जल्द ही फॉल्क्स ने दूसरे ओपनर जेमी स्मिथ को चलता किया। टिकनर ने जो रूट को आउट कर इंग्लैंड को तीसरा झटका दिया। इसके बाद लगातार टिकनर रहे और टीम 36 ओवरों में 175 पर सिमट गई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड टीम की शुरुआत भी लड़खड़ाई, जब जोफ्रा आर्चर ने पहली ही ओवर में विल यंग को आउट किया,

लेकिन इसके बाद रचिन रवींद्र (54) और डैरिल मिशेल (56 नाबाद) ने पारी को संभाला। रवींद्र ने 54 रन की शानदार पारी खेली, जबकि मिशेल ने लगातार दूसरी फिफ्टी जड़ी। इंग्लैंड की ओर से आर्चर ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 3 विकेट (3/23) झटकें, लेकिन उनका प्रयास टीम को जीत नहीं दिला सका। अंत में मिचेल सैंटरन (34 नाबाद, 17 गेंदों में) ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए मैच को 33.1 ओवर में ही खत्म कर दिया। ब्लेयर टिकनर को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

संक्षिप्त स्कोरकार्ड:

इंग्लैंड – 175/10 (36 ओवर, जेमी ओवरटन 42, हैरी ब्रूक 34; ब्लेयर टिकनर 4/34, नाथन स्मिथ 2/27)

न्यूजीलैंड – 177/5 (33.1 ओवर, डैरिल मिशेल 56*, रचिन रवींद्र 54, मिचेल सैंटरन 34*; जोफ्रा आर्चर 3/23)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का पहला मैच बारिश की भेंट चढ़ा



कैनबरा, 29 अक्टूबर (एजेंसियां) । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का पहला मुकाबला बेनतीजा रहा। कैनबरा के मनुका ओवल मैदान पर भारतीय पारी के 10वें ओवर में बारिश आई। बारिश नहीं रुकने की वजह से खेल शुरू नहीं हो पाया और मैच को बेनतीजा घोषित करना पड़ा। इससे पहले भी मैच में बारिश आई थी। भारत की पारी में जब 5 ओवर हुए तो बारिश आ गई थी। इसके बाद करीब 45 मिनट तक खेल रुका रहा।

18-18 ओवर का कर दिया गया मैच

पहली बार बारिश आई तो खेल दोबारा शुरू हो गया था। भारतीय समय अनुसार जब तीन बजे मैच शुरू हुआ तो इसे 18-18 ओवर का कर दिया गया। ब्रेक 45 मिनट का ही था, इसके बाद भी मैच को 4 ओवर कम कर दिया गया। बारिश के बाद जब नए नियम बताए गए तो पावरप्ले 5.2 ओवर का कर दिया गया। गेंदबाजों के लिए भी नए नियम थे। तीन गेंदबाज ज्यादा से ज्यादा चार-चार ओवर डाल सकते थे और बाकी दो गेंदबाज तीन-तीन ओवर ही फेंक सकते थे।

चार ओवर क्यों कट गए

करीब 45 मिनट का ब्रेक होने के बाद भी मैच के 4 ओवर क्यों कम कर दिए गए। इंटरनेशनल क्रिकेट में ऐसा देखने को नहीं मिलता है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच ने इसका कारण बताया। उन्होंने कहा कि फ्लडलाइट के बंद होने का समय ही ओवर कम करने का कारण बना। फिंच ने समझाया, 'स्थानीय समयानुसार रात 11 बजे तक स्टेडियम की लाइटें अपने आप बंद हो जानी चाहिए क्योंकि यह इलाका रिहायशी है।' भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 सीरीज का दूसरा मुकाबला 31 अक्टूबर को खेला जाएगा। मेलबर्न क्रिकेट स्टेडियम में यह मुकाबला खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया में अभी बरसात है। वनडे सीरीज के पहले मैच का नतीजा भी डकवर्थ लुईस नियम से निकला था। यही वजह है कि आने वाले मैच भी बारिश के कारण प्रभावित हो सकते हैं।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT

Timings : 9 am to 7 pm

Head office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS

Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,

APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037

City office

SHREE SIDDHIVINAYAK PUBLICATIONS

4th Floor, 19 Towers (T19),

Near Bus Stand, Ranigunj,

Secunderabad - 500 003

8688868345

शुभ लाभ

महारे

भाग्यनगर

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 30 अक्टूबर, 2025

शुभ लाभ

आपकी सेवा में

शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए

मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

बिहार अग्रवाल संघ हैदराबाद द्वारा जन सेवा संघ के तत्वाधान में छठ महापर्व का भव्य आयोजन सम्पन्न



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नेकलेस रोड स्थित हुसैन सागर घाट पर जन सेवा संघ के तत्वाधान में बिहार अग्रवाल संघ द्वारा लोक आस्था के पर्व छठ पूजा का भव्य आयोजन किया गया। संघ के उपाध्यक्ष संतोष टांटिया द्वारा जारी की

गई प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, छठ पूजा के अंतिम दिन उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ व्रतियों ने परिवार, पति, बच्चों के स्वास्थ्य एवं समृद्धि की कामना की। बिहार अग्रवाल संघ के महामंत्री भीम फिटकरीवाला ने मंच से छठ पूजा के महत्व का वर्णन किया। संघ द्वारा दो दिन तक लगभग दस से बारह हजार कप निशुल्क चाय का वितरण किया गया, जिसका सभी श्रद्धालुओं ने भरपूर आनंद लिया। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के पश्चात प्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें ठेकुआ और विभिन्न फल शामिल थे, जिसे सभी व्रती और भक्त मन से ग्रहण किए। प्रसाद वितरण में लक्ष्मी नारायण अग्रवाल ने विशेष सहयोग प्रदान किया। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन का श्रेय संयोजक संतोष टांटिया, विकास हिसारिया, विनय जैन एवं रमेश गोयल को जाता है, जिनके कठिन और अथक परिश्रम से यह संभव हो पाया है। इस अवसर पर बिहार अग्रवाल संघ के अध्यक्ष विकास किशान, उपाध्यक्ष संतोष टांटिया, महामंत्री भीम फिटकरीवाला, सह मंत्री अनूप झुनझुनवाला, कोषाध्यक्ष बिकी सराफ, सलाहकार रमेश गोयल, विनय जैन, हरि मोहन सराफ, सज्जन सराफ, कार्यकारणी सदस्य अजय निवेदिया, अर्जुन फिटकरीवाला, बांके बिहारी, एडवोकेट सुरेश अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, सीए रवि लाडिया, मनीष फिटकरीवाला, मुकेश गोयंका, संदीप अग्रवाल, पवन, विकास हिसारिया, विकास सराफ आदि उपस्थित थे।



द हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के चुनाव के लिए नामांकन पत्र वितरित



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। द हैदराबाद कटपीस क्लॉथ मर्चेन्ट्स एसोसिएशन के आगामी चुनाव के लिए नामांकन पत्र वितरित किए गए। चुनाव अधिकारी मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि अध्यक्ष पद, उपाध्यक्ष पद एवं सह मंत्री पद के लिए दो-दो सदस्यों ने नामांकन पत्र प्राप्त किए हैं। मानद मंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद के लिए प्रत्येक एक सदस्य ने



राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा दीपावली सम्मेलन के अवसर पर डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सेंट्रल जोन के. शिल्पावली आईपीएस, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस सेंट्रल जोन बी. आनंद, एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस ईस्ट जोन जे. नरसैया, और वाइस प्रेसिडेंट एंजिविशन सोसाइटी सुकेश रेड्डी, सहित अन्य अतिथियों को साफा, शॉल तथा स्मृतिचिह्न के जरिए राजस्थानी प्रगति समाज की ओर से मानद मंत्री गोविंद नारायण राठी द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री गुजराती ब्राह्मण समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद का दिवाली एवं नूतन वर्ष स्नेह मिलन समारोह सम्पन्न



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिकंदराबाद स्थित होटल मुंबई मसाला में श्री गुजराती ब्राह्मण समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा 26 अक्टूबर को दिवाली एवं नूतन वर्ष स्नेह मिलन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के वर्तमान अध्यक्ष तरुणभाई महेता, पूर्व अध्यक्ष हर्षदभाई त्रिवेदी, बालकिशनभाई त्रिवेदी, रमेशभाई पंड्या, पूर्व सचिव नितिनभाई भट्ट, हेमंतभाई उपाध्याय तथा गायत्री महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कल्पनाबेन दवे सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर लव फोर काव फाउंडेशन के चेयरमैन श्री जसमत पटेल एवं प्राणी मित्र रमेश जागीरदार ट्रस्ट के सचिव श्री रिद्धिशा जागीरदार को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। समाज की ओर से श्री जसमत पटेल को सेवा भूषण अवार्ड और श्री रिद्धिशाभाई जागीरदार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ सुबह दस बजे हुआ, ग्यारह बजे

पर्यंत भव्य हो गया। एंकर खुशी भंडारी ने विभिन्न मनोरंजक खेलों एवं गतिविधियों के माध्यम से सभी को खुशहाल माहौल प्रदान किया। महिला एवं बालक वर्ग के लिए विशेष गेम्स एवं विविध गतिविधियों का आयोजन भी हुआ। समाज के सचिव श्री अजय ओझा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए वर्ष भर की गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया तथा सभी उपस्थित सदस्यों को दिवाली एवं गुजराती नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने समाज की विकास यात्रा और आगामी योजनाओं का भी उल्लेख किया। विद्यार्थी पुरस्कार समारोह के अंतर्गत पिछले वर्षों से इस कार्य में योगदान देने वाले श्री हर्षदभाई त्रिवेदी को तरुणभाई महेता, बालकिशन त्रिवेदी एवं रमेशभाई पंड्याने शाल एवं मोमोटी देकर सम्मानित किया। आर्थिक सहयोग देने वाले दानदाताओं का भी शाल ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

सचिव अजय ओझा ने आगामी दिसंबर 2025 में अध्यक्ष पद की टर्म समाप्ति की जानकारी दी तथा नए अध्यक्ष के चुनाव का प्रस्ताव रखा। वरिष्ठ पूर्व अध्यक्ष बालकिशन त्रिवेदी ने 2026-27 के लिए वर्तमान अध्यक्ष तरुण महेता का नाम प्रस्तावित किया, जिसे पूर्व अध्यक्ष रमेशभाई पंड्याने समर्थन दिया। सदस्यों ने सर्वसम्मति से उनका समर्थन किया और 2026 जनवरी से दिसंबर 2027 तक के लिए तरुण महेता को अध्यक्ष घोषित किया गया। गायत्री महिला मंडल की सचिव श्रीमती फाल्गुनी भट्ट ने महिला मंडल द्वारा पिछले वर्ष किए गए कार्यक्रमों का रिपोर्ट प्रस्तुत किया। अंत में अध्यक्ष तरुण महेता ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में योगदान देने वाली टीम के सदस्यों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी ने दिन-रात मेहनत कर इस दीपावली स्नेह मिलन को सफल बनाया।

राजस्थानी ब्राह्मण समाज का दीपावली स्नेह सम्मेलन सम्पन्न



निजामाबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी राजस्थानी ब्राह्मण समाज एवं ब्राह्मण युवा मंच के संयुक्त तत्वावधान में दीपावली स्नेह सम्मेलन हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शहर के प्रमुख समाजसेवी श्री हरीश कुमार व्यास उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश, माता गायत्री और माता लक्ष्मी की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन से किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि हरीश कुमार व्यास का ब्राह्मण समाज अध्यक्ष अशोक दायमा ने, तथा कार्यक्रम के सभापति अशोक दायमा का मंत्री जुगल किशोर पांडे ने पुष्पहार भेंट कर स्वागत-सत्कार किया। इसी क्रम में अन्य पदाधिकारियों का भी माला पहनाकर स्वागत किया गया। ब्राह्मण समाज के अध्यक्ष अशोक दायमा ने स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम में पधार

सभी समाजबंधुओं को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। ब्राह्मण समाज के मंत्री जुगल किशोर पांडे ने उपस्थित स्वजातीय बंधुओं को शुभकामनाएं देते हुए विगत वर्ष में समाज द्वारा किए गए विभिन्न कार्यक्रमों का वार्षिक विवरण प्रस्तुत किया। राजस्थानी ब्राह्मण युवा मंच के संचालक किशोर कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि हर नारी दुर्गा है और हर बच्चा राम है। उन्होंने कहा कि सभी भगवानों के अवतार भारत भूमि पर हुए हैं, इसलिए भारत को पावन, पुण्य और पुनीत भूमि कहा जाता है। ब्राह्मण कुल में जन्म लेना अत्यंत सौभाग्य की बात है और सभी ब्राह्मण बंधुओं को अपने ब्राह्मणत्व पर गर्व करना चाहिए। मुख्य अतिथि हरीश व्यास ने दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पंचदेवसीय दीपावली पर्व में धनतेरस आयुर्वेद के जनक धनवंतरी के अवतरण का प्रतीक है, रूप चौदस (नरक चतुर्दशी)

सांचौरी समाज का दीपावली मिलन समारोह आयोजित

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सेलिब्रिटी रिसॉर्ट में सांचौरी समाज द्वारा दीपावली मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह के अंतर्गत क्रिकेट मैच प्रतियोगिता हुई और साथ ही 'खुलजा सिम सिम' कार्यक्रम का सुंदर आयोजन भी किया गया, जिसमें सभी लोगों ने भरपूर आनंद लिया। इस आयोजन का संचालन संघाध्यक्ष चम्पालाल चन्दन ने प्रभावशाली ढंग से किया। महामंत्री निमेश श्री श्री श्रीमाल एवं विकास चन्दन ने भी सहयोग प्रदान कर कार्यक्रम को सफल बनाया। इस समारोह का आयोजन प्रकल्प दिनेश कुमार चन्दन, प्रकाश शाह और उनके मित्र मंडल द्वारा किया गया। कार्यक्रम में सभी तपस्वियों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान किया



गया। जैन रत्न रमेश पी तातेड, चन्दन, निमेष श्री श्रीमाल तथा दीपावली सम्मेलन की सिरौही निवासी ने चम्पालाल संघ के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।



राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने बुधवार को नियमित अनुदान किया गया। इस अवसर पर गोविंद राम पचेरिया, अनिल अग्रवाल धरसुवाले, विनोद तोषनीवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, मीना अग्रवाल, लता गोयल, कृष्ण पाल, आशीष आदि उपस्थित थे।

तेयुप और किशोर मंडल का सूर्योदय के साथ एक मुस्कान कार्यक्रम सम्पन्न



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेरापथ युवक परिषद - हैदराबाद एवं तेरापथ किशोर मंडल - हैदराबाद ने टीम पारस सेवा के सहयोग से क्लॉक टॉवर, सिकंदराबाद में सूर्योदय के साथ एक मुस्कान नामक सेवा कार्यक्रम आयोजित

किया। इस पहल का नेतृत्व टीकेएम सह संयोजक रुद्र बैद और रोनक मेहर ने किया, जिनका मार्गदर्शन पूर्व संयोजक ऋषभ चिंदेलिया ने किया। कार्यक्रम में कोर कमिटी सदस्य रोनक सुराणा, कृष्णा दुगड और किशोर मंडल की टीम ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

इस सेवा कार्य में दस से अधिक उत्साही किशोरों ने भाग लिया और 250 से अधिक जरूरतमंदों को नाश्ता परोसा गया।

इसके अतिरिक्त जरूरतमंदों को कंबल भी वितरित किए गए। टीम पारस सेवा के सदस्यों नितिन डाक और रोहित के

हार्दिक सहयोग से यह कार्यक्रम सौहार्द, करुणा तथा एकता के वातावरण में सम्पन्न हुआ। उपस्थित सभी स्वयंसेवकों ने मिलकर जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान और जीवन में खुशियां लाने का प्रयास किया।

यह प्रेरणादायक पहल सेवा के सच्चे स्वरूप को दर्शाती है जो केवल दान देने तक सीमित नहीं, बल्कि स्नेह, साझा करने और मानवता के साथ व्यवस्थित जीवन जीने का संदेश देती है। इस आयोजन की सफलता यह प्रकट करती है कि जब युवा एकजुट होकर नेक कार्य करते हैं तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सकता है।

नामपल्ली पर किया गया अन्नदान



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे राधे ग्रुप हैदराबाद के सौजन्य से नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अनुदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर रामप्रकाश अग्रवाल, सुनीता

अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, शीतल गुप्ता, मनीष अग्रवाल, रवि शर्मा, गौरव गोयल, बरखा गोयल, कैलाश चंद केडिया, निर्मला केडिया, मनोज शर्मा, अशोक गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल एवं ग्रुप के कई सदस्य उपस्थित थे।

श्री श्याम मंदिर की मूर्ति स्थापना का भव्य आयोजन 1 नवंबर को

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

नालपुर (खेतड़ी तहसील, झुंझुनू, राजस्थान) में 1 नवंबर 2025 को श्री श्याम प्रभु के मंदिर का शुभारंभ समारोह बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया जाएगा। नालपुरिया स्व. श्योधन पटवारी परिवार के साथ संपूर्ण देवाका परिवार भी इस पुण्य अवसर पर उपस्थित रहेगा।

31 अक्टूबर को सुबह 9 बजे से प्रभु श्री श्याम की प्रतिमा का नगर भ्रमण किया जाएगा, जिसमें भगवान के भक्तों द्वारा भव्य गाजे-बाजे के साथ जयकारे लगाए जाएंगे। 1 नवंबर को सुबह 9 बजे से मंदिर में मूर्ति स्थापना का विधिवत अनुष्ठान होगा। इसके बाद सुबह 11 बजे भंडारा



और प्रसाद वितरण का आयोजन किया जाएगा। शाम 4 बजे से नरेंद्र चौहान एंड पार्टी कुमावास झुंझुनू सहित दिल्ली के

कलाकार भजनों की प्रस्तुतियां देंगे। क्षेत्र के प्रख्यात जादूगर कैलाश गर्ग और जेपी गर्ग भी मनोरंजन के लिए जादूई कारनामे

दिखाएंगे। इस आयोजन में नालपुरिया परिवार के प्रमुख सदस्य, पूर्व सरपंच स्व. श्री रामस्वरूप नालपुरिया के पुत्र सियाराम अग्रवाल, रामअवतार अग्रवाल, पवन कुमार अग्रवाल, नरसिंह अग्रवाल समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। साथ ही राजस्थान सरकार के अधिकारी, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सदस्य और देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए परिवारजन भी इसमें भाग लेंगे। कार्यक्रम के माध्यम से धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का उद्देश्य है, साथ ही क्षेत्रवासियों व श्रद्धालुओं के लिए एकात्मता एवं उत्सव का अवसर प्रदान करना।



मानव कल्याण सेवा संघ द्वारा चार दिवसीय छठ पूजा का आयोजन एलबी नगर स्थित पेढ़ा चेरुवु में किया गया। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में छठ व्रतधारी महिलाएं एवं पुरुषों ने भाग लिया और भावान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर के.एन. नरसिम्हा रेड्डी, मंसूराबाद कॉर्पोरेटर, भाजपा, मानव कल्याण सेवा संघ के अध्यक्ष मनोज सिंह, ओ.पी. सिंह, महेश यादव, राजीव वर्मा, नंद किशोर मिश्रा, बी. भास्कर, संदीप सिंह, नीलम सिंह, शेखर सहित अनेक भक्तगण उपस्थित रहे।



बजाज इलेक्ट्रॉनिक्स, नेक्सस हैदराबाद मॉल में आयोजित ग्रैंड बस्पर ड्रा में 30 लाख रुपये के नकद पुरस्कार के विजेता की घोषणा की गई। इस भव्य आयोजन में अभिनेत्री सांची राय ने लकी कूपन चुना। कूपन नंबर - 250632064 को 30 लाख रुपये का नकद पुरस्कार मिला। अभिनेत्री सांची राय बुधवार को हैदराबाद के नेक्सस हैदराबाद मॉल, केपीएचबी, कुकटपल्ली में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम में उपस्थित रहें और विजेता की घोषणा की।

रामचंद्र राव का गौसेवा कार्यकर्ताओं के समर्थन के लिए स्वागत



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौसेवक श्याम सिंह की मिजाजपुरसी और उनके परिवार को समर्थन प्रदान करने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव का बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में हार्दिक स्वागत किया गया। इस अवसर पर लव फोर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत भाई पटेल, तरुण भाई मेहता, मुकेश जैन चौहान और भाजपा तेलंगाना

के सह कोषाध्यक्ष विजय सुराणा भी उपस्थित थे।

जसमत भाई पटेल ने इस दौरान रामचंद्र राव को गौशाला और गौ सेवा से जुड़े कार्यकर्ताओं को समर्थन देने, उनके कार्यों को प्रोत्साहित करने तथा गौ सेवा एवं गौ सेवकों की सहायता के लिए निवेदन किया। उन्होंने कहा कि गौसेवा एक महत्वपूर्ण कर्तव्य है, जिसके लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए।

बाल श्रम के लिए दो व्यक्तियों को 14 साल की कठोर सजा



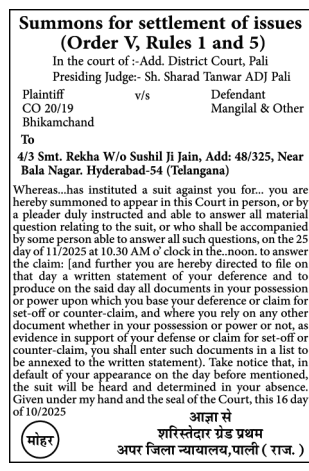
हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद के एलबी नगर स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय ने बाल श्रम के आरोप में दोषी पाए गए दो आरोपियों मोहम्मद अतीक और मोहम्मद अकील को 14 वर्ष की सजा और 1000-1000 रुपये के जुर्माने की सजा

सुनाई है। यह निर्णय मंगलवार, 28 अक्टूबर को सुनाया गया।

राजकोड़ा पुलिस की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, चाइल्ड लाइन के अधिकारियों ने पुलिस के साथ संयुक्त रूप से जून 2022 में बालापुर मंडल के वेंकटपुर एक्स रोड के निकट स्थित एक चूड़ी निर्माण इकाई पर छापा मारा। वहां पांच बाल श्रमिकों को बंधक बनाकर रखा गया था, जिन्हें अस्वास्थ्यकर एवं असुरक्षित माहौल में एक दिन में 10 घंटे से अधिक काम कराया जाता था तथा उन्हें सही ढंग से भोजन भी नहीं दिया जाता था।

मोहम्मद अतीक और मोहम्मद अकील इस अवैध प्रतिष्ठान के आयोजक थे, जबकि घर के मालिक सैयद पाशा को इस अवैध कार्य की जानकारी थी। बालापुर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और अदालत ने दोनों आरोपियों को दोषी मानते हुए कठोर सजा सुनाई। इस निर्णय से बाल श्रम के खिलाफ सख्ती का संदेश दिया गया है।



एसीबी ने रिश्तत मांगने के आरोप में बिजली अधिकारी को गिरफ्तार किया



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने 29 अक्टूबर को पेड़ा अम्बरपेट में सहायक अभियंता (संचालन) कार्यालय में लाइन इंस्पेक्टर प्रभु लाल को 6,000 रुपये रिश्तत मांगने के आरोप में गिरफ्तार किया। प्रभु लाल ने शिकायतकर्ता से एक निजी कॉलेज के लिए सेवा संख्या प्रदान करने के एवज में उक्त रकम मांग थी, जिसे शिकायतकर्ता ने देने से इंकार किया था।

यह निजी कॉलेज श्रेयस इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी था, जो रंगारेड्डी जिले के तत्तियानाराम गांव में स्थित है। एसीबी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एसीबी सभी नागरिकों से भ्रष्टाचार की घटनाएं टोल-फ्री नंबर 1064, व्हाट्सएप 9440446106, फेसबुक पेज (तेलंगाना एसीबी) या आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से रिपोर्ट करने का आह्वान करता है।

हाइड्रा ने निज़ामपेट में 39 करोड़ मूल्य की अतिक्रमिता भूमि पुनः प्राप्त की

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद विकास एवं नियमन प्राधिकरण (हाइड्रा) ने निज़ामपेट नगर पालिका के वृंदावन कॉलोनी और कौशलया कॉलोनी में अतिक्रमिता दो पार्कों को मुक्त कराकर कुल 2,600 वर्ग गज क्षेत्र की बहुमूल्य भूमि पुनः प्राप्त की है, जिसका मूल्य 39 करोड़ से अधिक बताया गया है। प्रजावाणी जन शिकायत पोर्टल से मिली शिकायतों के आधार पर की गई

जांच में पाया गया कि स्थानीय लोगों ने अतिक्रमण कर पार्क की चारदीवारी तोड़ी, साइनबोर्ड हटाए और इसे निजी भूमि घोषित कर दिया था। हाइड्रा आयुक्त ए.वी. रंगनाथ के निर्देशन में अतिक्रमण हटाया गया और पुनः प्राप्त भूमि के चारों ओर बाड़ लगाकर संरक्षण किया गया। पार्क की संरक्षित स्थिति दर्शाने वाले नए साइनबोर्ड भी स्थापित किए गए हैं।

हिमायत सागर और उस्मान सागर के गेट खोले गए, चेतावनी जारी



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारी वर्षा के कारण अधिकारी हिमायत सागर और उस्मान सागर के गेट खोलने के निर्णय पर पहुंचे। बुधवार शाम 5 बजे उस्मान सागर का जलस्तर

1789.00 फीट था, जो इसके पूर्ण टैंक स्तर 1790.00 फीट से कुछ नीचे है। इस जलाशय में 3,400 क्यूसेक अंतर्वाह और 2,240 क्यूसेक बहिर्वाह दर्ज किया गया। इसी तरह हिमायत सागर का जलस्तर 1762.25 फीट पर पहुंच गया है, जबकि इसका पूर्ण टैंक स्तर 1763.50 फीट है। इसमें 5,600 क्यूसेक पानी का अंतर्वाह और 3,963 क्यूसेक बहिर्वाह हुआ। हिमायत सागर से पानी छोड़े जाने के कारण निकास/प्रवेश 17 के निकट आउटर रिंग रोड (ओआरआर) सर्विस रोड को काफी क्षति हुई है, जिससे यातायात बाधित हुआ और सड़क सुरक्षा को लेकर चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने जनता से सावधानी बरतने का आग्रह किया है।

निज़ामपेट के दंपति द्वारा चिटफंड घोटाला

-52 लोगों से 12 करोड़ रुपये की ठगी, फरार

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। साइबरबाद आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने निज़ामपेट में एक दंपति के खिलाफ चिटफंड घोटेले का मामला दर्ज किया है, जिसमें 52 लोगों से करीब 12.06 करोड़ रुपये की ठगी की गई है। आरोपी मोहम्मद अली और उनकी पत्नी रेशमा जबीन 2016 से शहर में चिट योजनाएं चला रहे थे। पुलिस के अनुसार, वे छोटे व्यापारियों, गृहणियों और आईटी कर्मचारियों से मासिक किरतें वसूलते थे, जिनका भुगतान यूपीआई के माध्यम से उनके खातों में किया जाता था। एक पीडित निजी कर्मचारी, 40 वर्षीय पी. प्रवीण कुमार ने बताया कि उन्होंने 34 लाख रुपये निवेश किए थे, लेकिन कोई लाभ नहीं मिला। दंपति ने अक्टूबर में वित्तीय कमी का हवाला देते हुए चिट योजनाएं बंद कर दीं और निवेशकों को पैसे लौटाने के लिए अपना घर बेचने का वादा किया। हालांकि कुछ ही दिनों में दंपति ने अपना घर बंद कर दिया, फोन बंद कर छिप गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।



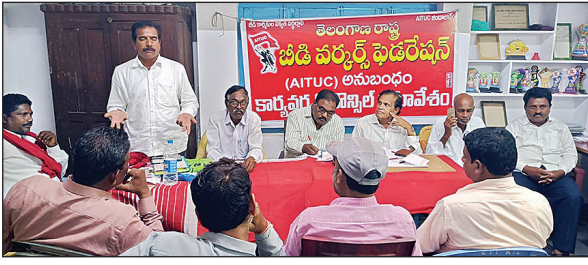
पादुका दर्शन समारोह 4 को

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामानंद संप्रदाय जिला सेवा समिति, रंगारेड्डी जिला के तत्वावधान में आगामी मंगलवार 4 नवंबर को सुबह 9 से शाम 6 बजे तक रामबाग कॉलोनी, अत्तापुर स्थित राम मंदिर में अनंत श्री विभूषित जगदुरु रामानंदाचार्य श्री स्वामी नरेन्द्राचार्यजी महाराज का पादुका दर्शन समारोह आयोजित किया जायेगा। पादुका दर्शन समारोह उत्तराधिकारी प.पू. कानिफनाथ महाराज के पावन सान्निध्य में आयोजित होगा। भक्तजनों से दर्शन करने की अपील की गई है। पादुका दर्शन समारोह हेतु पादुका सहित गुरु सेवक परिवार रविवार रात्रि भायनगर पधार रहे हैं।

CHANGE OF NAME
I, URMILA is legally dependent Mother of Service No. 17008085P. Rank: NK, Name: HIMANE KISHOR SHESHRAO, Unit: 2 TRG BN (1 EME CENTER) SECUNDERABAD, residing at Vill: DEHANI, PO: TIOSA, Teh: TIOSA, Dist: AMRAVATI, State: MAHARASHTRA, Pin: 444903. I have changed my name from URMILA to URMILA SHESHRAO HIMANE, My Date of Birth is 12-06-1947, Affidavit Singed by advocate and Notary P DAVATHI, LLM date 27/10/2025

बीड़ी श्रमिकों के लिए न्यूनतम पेंशन 1,000 से 5,000 करने की मांग - कोरुटला में तेलंगाना राज्य बीड़ी श्रमिक महासंघ की बैठक

जगतियाल/कोरुटला, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य बीड़ी श्रमिक महासंघ ने केंद्र सरकार से बीड़ी श्रमिकों के लिए न्यूनतम पेंशन 1,000 से बढ़ाकर 5,000 करने के प्रस्ताव को तुरंत लागू करने की मांग की है। महासंघ के अध्यक्ष बी. गोवर्धन और महासचिव सुतारी रामुलु ने कहा कि यह मुद्दा ईपीएफओ ट्रस्ट बोर्ड की हालिया बैठक में चर्चा के अभाव में लंबित रह गया है, जबकि यह करोड़ों श्रमिकों के जीवन से जुड़ा मामला है। यह मांग राज्य परिषद की



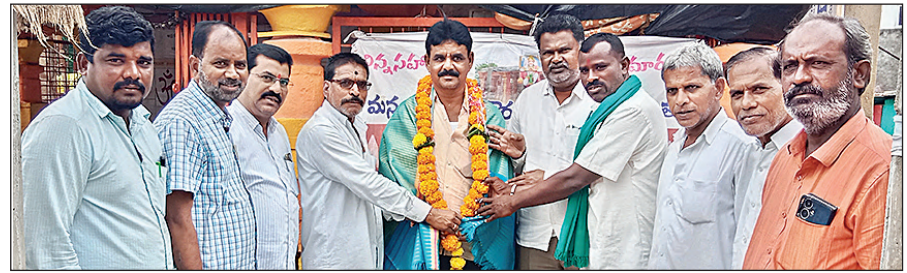
बैठक में रखी गई, जो बुधवार को कोरुटला डिविजनल सेंटर के सी. प्रभाकर भवन (एक कार्यालय) में आयोजित हुई। बैठक में सचिव बलाराम विलासगारू सहित कई नेताओं ने भाग लिया। बैठक में पारित प्रमुख प्रस्ताव इस प्रकार रहे: केंद्र

सरकार तुरंत ईपीएफ ट्रस्ट बोर्ड के फैसले को लागू करे और न्यूनतम पेंशन 5,000 तय करे। देशभर में बिना भेदभाव के न्यूनतम मजदूरी 300 प्रति 1,000 बीड़ी निर्धारित की जाए। बीड़ी उद्योग में ठेकेदारी प्रणाली समाप्त की जाए। सेवानिवृत्त

श्रमिकों को ग्रेच्युटी बिना किसी भेदभाव के दी जाए। बीड़ी उद्योग पर जीएसटी में कमी की जाए और पैकेटों पर लगे खतरनाक चेतावनी चिह्नों को कम किया जाए। सभी श्रमिकों को पीएफ नंबर और 26 कार्य दिवस सुनिश्चित किए जाएं। नियोजताओं द्वारा होने वाले श्रमिक शोषण को रोका जाए और कल्याणकारी योजनाओं को निरंतर जारी रखा जाए। नेताओं ने बताया कि आने वाले दिनों में इन मांगों को लेकर राज्यव्यापी आंदोलन तेज किया जाएगा। साथ ही, यह भी घोषणा की गई

कि अखिल भारतीय बीड़ी सिगार और तंबाकू श्रमिक महासंघ की राष्ट्रीय परिषद की बैठक 29-30 नवंबर को राजन्ना सिरिसिला जिले के वेमुलावाड़ा में आयोजित की जाएगी, जिसमें देशभर के प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस बैठक में एमडी मौलाना (राज्य मानद अध्यक्ष), कोकुला शांता (राज्य उपाध्यक्ष), केवी अनसूर्य, पुला गोदावरी, बत्तिनी सदानंद, एस. भानुचंद्र, एमडी मुकुरम, कादरी रामुलु, हेमरा राधा, अन्नम राधा, सुंकेलापल्ली शांताबा, एंडे वामसी कृष्णा सहित कई प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संतोष मिस्त्री ने हनुमान मंदिर निर्माण के लिए आर्थिक सहायता दी



मदनूर, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय प्राचीन एवं सुप्रसिद्ध हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार व निर्माण कार्य हेतु समाजसेवी संतोष मिस्त्री ने 51,000 की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस अवसर पर हनुमान मंदिर समिति

अध्यक्ष करलावार सायलू ने समिति सदस्यों के साथ मिलकर संतोष मिस्त्री का शाल व पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया। मंदिर समिति ने बताया कि हनुमान मंदिर के जीर्णोद्धार कार्य में भक्तों की सहभागिता आवश्यक है और अधिक से

अधिक श्रद्धालु सहयोग के लिए आगे आएंगे। इस अवसर पर गंगाधर तुमवार, डॉ. रमणा, संगथ्या अप्पा, राजू मुनीम, श्रीनिवास गौड, रामन्ना तुमवार, किशन तुमवार और हम्मनलू ऐनलावार उपस्थित रहे।

सिंगरेनी जॉब मेलों के माध्यम से छह माह में 24,000 युवाओं को रोजगार के अवसर



मंचेरियाल, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड ने बीते छह महीनों में अपने परिचालन और आसपास के क्षेत्रों में आयोजित मेगा जॉब मेलों की श्रृंखला के माध्यम से 23,650 बेरोजगार युवाओं को रोजगार के

अवसर प्रदान किए हैं। इस पहल के तहत हैदराबाद स्थित प्रमुख कंपनियों को ग्रामीण और शहरी युवाओं के निकट लाया गया, जिससे अभ्यर्थियों को अपनी शैक्षिक योग्यता के अनुरूप उपयुक्त नौकरियां खोजने का अवसर मिला। पिछले छह महीनों में आयोजित

सात रोजगार मेलों में कुल 66,965 उम्मीदवारों ने भाग लिया, जिनमें से 23,650 को रोजगार प्राप्त हुआ। चयनित उम्मीदवारों में सातवीं कक्षा तक शिक्षित से लेकर स्नातकोत्तर, तकनीकी, चिकित्सा एवं पैरामेडिकल पृष्ठभूमि के युवा शामिल थे। रोजगार मेलों का आयोजन क्रमशः 21 अप्रैल को मधिरा, 27 अप्रैल को भूपलपल्ली, 18 मई को गोदावरी-खानी, 24 मई को वायरा, 25 अक्टूबर को हुजूरनगर, और 26 अक्टूबर को सुथुपल्ली एवं बेल्लमपल्ली में किया गया।

विधायक तोटा लक्ष्मीकांता राव ने सोयाबीन खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया



मदनूर, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शुभ लाभ समाचार पत्र में किसानों की सरकारी खरीदी की मांग संबंधी खबर प्रकाशित होने के

बाद, तेलंगाना सरकार के आदे-शानुसार जुद्धल विधानसभा क्षेत्र के विधायक तोटा लक्ष्मीकांता राव ने स्थानीय कृषि बाजार समिति कार्यालय परिसर में श्रीफल फोडकर

सोयाबीन बीज खरीदी केंद्र का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सहकार सोसायटी सचिव बाबुराव ने बताया कि मदनूर सोसायटी के अंतर्गत आने वाले किसान खेत का पट्टा पासबुक, आधार कार्ड एवं बैंक पासबुक की जेरोक्स कॉपी के साथ सोयाबीन लेकर आ सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक एकड़ से 7 किंटल तक सोयाबीन की खरीदी की जाएगी। वर्तमान में मौसम की अनियमित वर्षा के कारण खरीदी प्रक्रिया वर्षा समाप्त होने के बाद आरंभ की जाएगी।

बारिश के कारण यादाद्रि मंदिर में भक्तों की भीड़ घटी



यादगिरिगुट्टा, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सुबह से जारी लगातार बारिश के असर से यादाद्रि श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ सामान्य से काफी कम देखी गई। हल्की से मध्यम बारिश के कारण भक्तों की आवाजाही प्रभावित हुई है। पहाड़ी पर स्थित मंदिर परिसर, आसपास के क्षेत्र, मदविधु, घाट मार्ग और पहाड़ी के नीचे के आध्यात्मिक स्थलों पर सामान्य दिनों की तुलना में भक्तों की संख्या कम रही। इसी क्रम में कल्याण कट्टा, व्रत मंडपम और पुष्करिणी मंदिर में भी दर्शन शांतिपूर्ण वातावरण में हो रहे हैं, जहां सामान्य दिनों में भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

सफाई में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई : वेंकटेश्वर राव



मंचेरियाल, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिला पंचायत अधिकारी डी. वेंकटेश्वर राव ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि स्वच्छता कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों और सचिवों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मंगलवार को उन्होंने तंदूर ग्राम पंचायत क्षेत्र के अंतर्गत आईबी सहित कई कॉलोनिनों का निरीक्षण किया। विभिन्न स्थानों पर गंदगी और जमा कचरे को देखकर उन्होंने असंतोष व्यक्त किया। सड़कों पर कचरा फेंकने वाले कई दुकानदारों पर जुर्माना

लागाया गया और उन्हें दोबारा ऐसा न करने की चेतावनी दी गई। डीपीओ ने पंचायत सचिव को निर्देश दिए कि प्रतिदिन सफाई कार्य कर नालियों और आसपास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखा जाए, लोगों को स्वच्छ जल उपलब्ध कराया जाए और कूड़ा बाहर फेंकने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी किए जाएं। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुभद्रा कॉलोनी स्थित उर्दू स्कूल, आंगनवाड़ी केंद्र और एमपीपीएस स्कूल का भी दौरा किया। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य, एमपीडीओ श्रीनिवास, एमपीओ अनिल कुमार और सचिव डॉ.आ दिवाकर उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटनाओं पर नियंत्रण हेतु विशेष उपाय लागू किए जाएंगे : वेंकटेश धोत्रे

आसिफाबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे ने कहा कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष और ठोस कदम उठाए जाएंगे। बुधवार को जिला मुख्यालय स्थित एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में उन्होंने यह बात कही। बैठक में पुलिस अधीक्षक कांतिलाल सुभाष पाटिल, कामाजुनगर उपजिलाधिकारी श्रद्धा शुक्ला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चित्तरंजन, राजस्व मंडल अधिकारी लोकेश्वर राव, तथा सड़क, भवन, पंचायत राज, नगर प्रशासन,



परिवहन, आरटीसी, चिकित्सा विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी उपस्थित थे। कलेक्टर ने कहा कि दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़कों पर आवश्यक संकेत बोर्ड, गति सीमा चेतावनी और सुरक्षा साइनबोर्ड लगाए जाएंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि जिले के उन स्थानों की पहचान की

जाए जहाँ बार-बार दुर्घटनाएँ होती हैं, और वहाँ सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वाहन चालक हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें, तथा शराब के नशे में वाहन चलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। राष्ट्रीय राजमार्गों पर हर 5 किलोमीटर पर गति

नियंत्रण साइनबोर्ड लगाए जाएँ, और गांवों से सटी सड़कों पर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएँ। कलेक्टर ने यह भी कहा कि दुर्घटना की स्थिति में एम्बुलेंस की तत्काल उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, ताकि घायलों को शीघ्र अस्पताल पहुँचाया जा सके। उन्होंने पंचायत राज और सड़क एवं भवन विभागों को निर्देश दिया कि सड़कों के गड्ढे तुरंत भरे जाएँ, पुलों और पुलियों की मरम्मत पूरी की जाए, तथा नगरपालिकाओं में अतिरिक्त पर सख्त कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर भवेलिशों की आवाजाही रोकने के लिए पशु मालिकों को नोटिस जारी किए जाएँ,

और दोपहिया चालकों द्वारा तेज गति से वाहन चलाने पर रोक लगाई जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिया कि साई बाबा मंदिर से गुंडी प्लाईओवर तक मुख्य सड़क का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू किया जाए, और आरटीसी व शैक्षणिक संस्थानों की बसों की फिटनेस पर नियमित जांच की जाए। इस अवसर पर जिला परिवहन अधिकारी रामचंद्र, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीताराम, सड़क एवं भवन विभाग के कार्यकारी अभियंता लक्ष्मीनारायण, आरटीसी डिपो प्रबंधक, नगर आयुक्त, पंचायत राज अभियंता और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रावणी के परिवार के साथ खड़े रहेंगे: डॉ. पलवई हरीश बाबू



कामाजुनगर / आसिफाबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सिरपुर विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने गैर गांव पहुंचकर हाल ही में हत्या की शिकार गर्भवती महिला तलंदी श्रावणी के परिवार से मुलाकात की और आर्थिक सहायता प्रदान की।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि वे पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। उन्होंने बताया कि आरोपियों को कड़ी सज़ा दिलाने हेतु फास्ट-ट्रैक कोर्ट की सिफारिश की जाएगी। साथ ही, सरकार की ओर से आर्थिक मुआवज़ा, इंदिरामा आवास योजना के तहत घर और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

उन्होंने कहा, 21वीं सदी में भी जाति के नाम पर किसी की हत्या करना अमानवीय और निंदनीय है। उन्होंने यह भी सराहा कि गांव के सभी लोग श्रावणी के परिवार के साथ एकजुट होकर खड़े हैं। इस अवसर पर एमआरओ मुनव्वर शरीफ, एसआई विक्रम, आरआई नागभूषण, पंचायत सचिव ज्योति, भाजपा जिला महासचिव धनुंजय, मंडल अध्यक्ष दामोदर, एंग्लोएचपी, आंगनवाड़ी शिक्षिका, आया, स्थानीय नेता, कार्यकर्ता और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

किसानों से बिना नमी परीक्षण के पूरी कपास खरीदी जाए : अविदापु प्रणय



आसिफाबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीसी युवा संघ के जिला अध्यक्ष अविदापु प्रणय ने किसानों की समस्याओं को लेकर जिला उपर कलेक्टर को एक

याचिका सौंपी, जिसमें उन्होंने मांग की कि इस बार की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए किसानों से बिना नमी परीक्षण के पूरी कपास खरीदी की जाए। उन्होंने बताया कि

आसिफाबाद जिले के अधिकांश किसान कपास की खेती पर निर्भर हैं, लेकिन इस वर्ष भारी बारिश और मौसम की अस्थिरता के कारण किसानों को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। कई स्थानों पर कपास के पौधे गिर गए, जिससे उपज केवल 20 से 30 प्रतिशत तक सीमित रह गई है। अविदापु प्रणय ने कहा कि किसानों को अब न्यूनतम निवेश लागत भी वापस नहीं मिल पा रही, वहीं बटाईदार किसानों की स्थिति और भी गंभीर है।

लगातार हो रही बारिश के कारण किसान आर्थिक रूप से टूट चुके हैं। उन्होंने प्रशासन से अपील की कि सरकार किसानों के हित में हस्तक्षेप करे और बिना नमी परीक्षण के उचित मूल्य पर कपास की खरीदी सुनिश्चित की जाए। याचिका प्रस्तुत करने के दौरान बीसी यूथ एसोसिएशन आसिफाबाद डिवीजन अध्यक्ष बोड्डुपल्ली प्रशांत, जिला नेता बोड्डुपल्ली साई कृष्णा, पिप्पिरी सम्मान, गुडीकांडुला रामू एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रमुख सचिव श्रीनिवास राजू ने देवस्थानम पुष्करिणी के जल की गुणवत्ता का निरीक्षण किया

यादगिरिगुट्टा, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रमुख सचिव श्रीनिवास राजू ने मेदाराम यात्रा के दौरान यादगिरिगुट्टा कोंडा स्थित लक्ष्मी पुष्करिणी का दौरा कर वहां जल गुणवत्ता का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि पुष्करिणी का जल स्वच्छ और क्रिस्टल क्लियर है



तथा क्लोरीन की मात्रा संतुलित पाई गई। श्रीनिवास राजू ने जल शुद्धिकरण प्रक्रिया, मिशनरियों के कार्य और रखरखाव व्यवस्था के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक जानकारी ली। इस अवसर पर मुख्य अभियंता वसंत नायक, प्रभारी मुख्य अभियंता रामा राव सहित इंजीनियरिंग विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मंचेरियाल कोर्ट ने 2022 के हत्या के प्रयास मामले में दो भाइयों को पांच साल की सजा सुनाई

मंचेरियाल, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय अदालत ने वर्ष 2022 में हत्या के प्रयास मामले में दोषी पाए गए दो भाइयों को पांच वर्ष के कठोर कारावास और प्रत्येक को 1,000 के जुर्माने की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सहायक सत्र न्यायाधीश डी. राम मोहन रेड्डी ने भीमराम निवासी दुर्गम समर्थी और उनके भाई दुर्गम लिंगैया के खिलाफ यह फैसला सुनाया। दोनों भाइयों ने अंकुशपुर की कोटा शंकरम्मा पर लोहे की रॉड से हमला कर हत्या का प्रयास किया था। अदालत ने फैसला सुनाने से पहले प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों की जिरह के आधार पर दोनों को दोषी ठहराया। इस मामले में अतिरिक्त लोक अभियोजक नंदी रविंदर ने गवाहों के बयान पेश किए। पुलिस उपायुक्त भास्कर ने इस मामले में सजा सुनिश्चित करने में योगदान देने वाले श्रीरामपुर इंस्पेक्टर वेणुचंद्र, भीमराम एसआई श्वेता, कोर्ट कांस्टेबल धर्मैया और अभियोजक रविंदर की सराहना की।

मेगा रक्तदान शिविर सम्पन्न

बेल्लमपल्ली, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस शहीदों के बलिदान की स्मृति में, बेलमपल्ली डिवीजन पुलिस के तत्वावधान में बुधवार को पद्मशाली फंक्शन हॉल में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से एक मेगा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर 246 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एसीपी रवि कुमार ने कहा कि रक्तदान करना मानवता का सर्वोत्तम कार्य है। उन्होंने बताया कि रामागुंडम कमिश्नरेट के तहत बेलमपल्ली डिवीजन के नागरिकों ने बड़े उत्साह के साथ रक्तदान में भाग लेकर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। कार्यक्रम में ग्रामीण सीआई हनोक, वन टाउन सीआई के. श्रीनिवास राव, एसआई, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी मंचेरियाल जिला प्रबंधन समिति सदस्य सुरभि राध कुमार, अभिनव संतोष कुमार, कसारला श्रीनिवास, लक्ष्मी नारायण सहित कई अधिकारी एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

राज्य स्तरीय बालमित्र पुरस्कारों के लिए आवेदन आमंत्रित

आसिफाबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बाल दिवस (14 नवंबर) के अवसर पर बलाला विकास प्रजा वेदिका के तत्वावधान में तेलंगाना राज्यभर के 14 वर्ष तक के छात्रों को राज्य स्तरीय बालमित्र पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह जानकारी संगठन के राज्य अध्यक्ष वलासा सुभाष चंद्र बोस ने दी। उन्होंने बताया कि 33 विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को यह पुरस्कार दिया जाएगा। आवेदन करने वाले छात्र निम्नलिखित क्षेत्रों में से किसी एक या

अधिक में अपनी प्रतिभा प्रस्तुत कर सकते हैं - देशभक्ति गीत, भरतनाट्यम, गिटार, कीबोर्ड वादन, बांसुरी, पर्वतारोहण, योग, चित्रकला, कार्टून, कविता, लोक नृत्य, लोक गीत, नकल, जादू, साइकिलिंग, वॉलीबॉल, कबड्डी, कोको, बैडमिंटन, शतरंज, फुटबॉल, दौड़, राष्ट्रीय एकता शिविर, कराटे, कुचिपुडी, कोलाटम, तबला, बथुकम्मा, तैराकी, बास्केटबॉल, स्कीइंग, टेनिस और तीरंदाजी। उन्होंने कहा कि हमारा बाल अधिकार सार्वजनिक मंच इन क्षेत्रों में कुशल छात्रों को योग्यता प्रमाणपत्र के आधार पर राज्य स्तरीय

बालमित्र पुरस्कार प्रदान करेगा। आवेदन की अंतिम तिथि: 5 नवंबर 2025, शाम 5 बजे तक है। पता: सुभाष चंद्र बोस, राज्य अध्यक्ष, बाल अधिकार सार्वजनिक मंच, हाउस नंबर 2-92, गाँव कुरेला, मंडल कोहेड़ा, जिला सिद्दीपेट, पिन-505473. उन्होंने कहा कि संगठन राज्यभर में प्रतिभाशाली बच्चों की खोज कर रहा है और सभी योग्य छात्रों से अनुरोध किया कि वे अपने बायोडाटा, फोटो और योग्यता प्रमाणपत्र के साथ शीघ्र आवेदन भेजें।

आईआईटी मद्रास के स्कूल कनेक्ट कार्यक्रम में कोरुटला की छात्राओं की विजयध्वनि



जगतियाल/कोरुटला, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पी.एम. श्री जिला परिषद गर्ल्स हाई स्कूल, कोरुटला की दसवीं कक्षा की 11 छात्राओं ने आईआईटी मद्रास द्वारा आयोजित स्कूल कनेक्ट कार्यक्रम के तहत ऑनलाइन सर्टिफिकेट

कोर्स सफलतापूर्वक पूर्ण कर उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। कार्यक्रम के तहत छात्राओं ने डेटा साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आर्किटेक्चर और डिज़ाइन जैसे विषयों में 8 सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण प्राप्त किया। इन छात्राओं ने अपनी

प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करते हुए आईआईटी मद्रास से प्रमाणपत्र अर्जित किए। इस कार्यक्रम में चंदा नागराजू ने सिंगल प्वाइंट ऑफ कॉन्टैक्ट एवं गाइड शिक्षिका के रूप में भूमिका निभाई। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि यह पहल विद्यार्थियों

में तकनीकी जागरूकता और नवाचार की भावना बढ़ाने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। विद्यालय के प्रधानाचार्य वी. गंगाधर ने सभी छात्राओं को उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

तेलंगाना कैबिनेट विस्तार संभावित

पूर्व क्रिकेटर अजहरुदीन को मंत्रीमंडल में शामिल किए जाने की संभावना

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुदीन को तेलंगाना कैबिनेट में शामिल किए जाने की संभावना है। पार्टी के स्रोतों के अनुसार, वह 31 अक्टूबर को मंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं। हालांकि, कैबिनेट विस्तार को लेकर अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

अजहर, जो 2023 में तेलंगाना विधानसभा चुनाव में जुबली हिल्स निर्वाचन क्षेत्र से हार गए थे, ने जुबली हिल्स उपचुनाव में फिर से लड़ने की इच्छा जताई थी, लेकिन हाल ही में उन्हें राज्य विधान परिषद के लिए राज्यपाल कोटे के तहत तेलंगाना जाना समिति के प्रमुख प्रोफेसर एम कोडंडाराम के साथ नामित किया गया।

जबकि राज्यपाल जिशु देव वर्मा ने अभी तक फाइल को मंजूरी नहीं दी है, पार्टी के स्रोतों ने कहा कि यदि इसे खारिज कर दिया जाता है, तो अजहर, जो हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) के पूर्व अध्यक्ष भी हैं, मंत्री के रूप में शपथ लेने के छह महीने के भीतर परिषद के लिए फिर से नामित किए जाएंगे।

कांग्रेस ने हाल ही में जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार (एचसीए) के पूर्व अध्यक्ष भी हैं, मंत्री के रूप में शपथ लेने के छह महीने के भीतर परिषद के लिए फिर से नामित किए जाएंगे।

बाईपोल में बीआरएस के अभियान का मुकाबला करने के लिए, जो विधानमंडल और कैबिनेट दोनों में मुस्लिम प्रतिनिधित्व की कमी की ओर इशारा कर रहा है, सत्-



1धारी कांग्रेस पार्टी इस कदम से जुबली हिल्स उपचुनाव में 1.3 लाख मजबूत मुस्लिम मतदाता वर्ग को आकर्षित करने का प्रयास कर रही है, जो रेवंत रेड्डी सरकार की विश्वसनीयता पर एक जनमत संग्रह बन गया है।

हालांकि कैबिनेट में अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं, रेवंत ने पहले (जून 2025 में) छह खाली स्थानों में से केवल तीन को भरा था। पार्टी के अंदरूनी स्रोतों के अनुसार, अजहरुदीन की नियुक्ति न केवल मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करेगी बल्कि पूर्व क्रिकेट सितारे की लोकप्रियता से युवा मतदाताओं को भी आकर्षित करेगी। जुबली हिल्स सीट, जो हाई-प्रोफाइल इलाका है, में

बीआरएस और एआईएमआईएम के मजबूत दबदबे के बीच यह कदम कांग्रेस के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि अजहर मंत्री बनते हैं, तो यह बीआरएस प्रमुख के. चंद्रशेखर राव की आलोचनाओं को कमजोर कर देगा, जो लगातार अल्पसंख्यक प्रतिनिधित्व की कमी पर सवाल उठा रहे हैं। राज्यपाल जिशु देव वर्मा की मंजूरी का इंतजार अब पूरे राजनीतिक हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। यदि नामांकन फाइनल हो जाता है, तो कांग्रेस को वैकल्पिक योजना के तहत अजहर को मंत्री पद पर तैनात करने के बाद पुनः नामित करना पड़ेगा, जो संवैधानिक प्रक्रिया को जटिल बना सकता है। विपक्षी दल बीआरएस ने इसे 'राजनीतिक सौदेबाजी' करार देते हुए कहा है कि यह उपचुनाव से ठीक पहले का 'ड्रामा' मात्र है, लेकिन कांग्रेस नेता द्रुति श्रीहरि ने इसे 'समावेशी शासन' की दिशा में कदम बताया है। नवीन यादव की उम्मीदवारी के साथ कांग्रेस ने अब जुबली हिल्स में डोर-टू-डोर कैंपेन शुरू कर दिया है, जिसमें अजहरुदीन की संभावित नियुक्ति को प्रमुखता से उजागर किया जा रहा है। मतदान 5 नवंबर को निर्धारित है, और मतगणना 8 नवंबर को होगी। यदि कांग्रेस यह सीट जीत लेती है, तो रेवंत रेड्डी सरकार की स्थिति और मजबूत हो जाएगी, अन्यथा यह उनके छह महीने के शासन पर सवाल खड़े कर देगी। राजनीतिक हलचल के बीच, अजहरुदीन ने खुद ट्वीट कर कहा, 'सेवा का अवसर मिले तो समर्पित रहूंगा।'

उपमुख्यमंत्री ने विदेशी छात्रवृत्ति के लिए 303 करोड़ रुपये की तत्काल जारी करने का आदेश दिया

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्का मल्लू ने आज विभाग को निर्देश दिया कि एससी, एसटी, बीसी, अन्य समुदायों (ओसी) और अल्पसंख्यक श्रेणियों के छात्रों के लिए लंबित विदेशी छात्रवृत्ति देयकों को साफ करने के लिए 303 करोड़ रुपये तत्काल जारी किए जाएं। उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि 2022 से अब तक के सभी लंबित राशि को एक साथ साफ किया जाए।

इस निर्देश ने हजारों छात्रों और उनके परिवारों को अपार राहत प्रदान की है, जो लंबे समय से गंभीर वित्तीय संकट का सामना कर रहे थे। कई गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के छात्र विदेशी छात्रवृत्ति योजना के तहत उच्च

शिक्षा प्राप्त करने और अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए बेहतर रोजगार हासिल करने के सपने के साथ विदेश



गए थे। हालांकि, पूर्व सरकार के कार्यकाल से छात्रवृत्ति निधि जारी न होने के कारण, विदेश में छात्रों और तेलंगाना में उनके माता-पिता को गंभीर मानसिक और वित्तीय तनाव का सामना करना पड़ रहा था। स्थिति को अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों द्वारा लगाए गए नए प्रतिबंधों से

और बढ़ा दिया गया, जो छात्रों को अध्ययन और काम करने के अवसरों को सीमित कर रहे थे। जैसे-जैसे रहने और शिक्षा की लागत बढ़ रही है, बैंकों से लिए गए शैक्षिक ऋण लगातार बढ़ते जा रहे हैं।

स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, उपमुख्यमंत्री ने इस मुद्दे को प्राथमिकता दी, यह नोट करते हुए कि प्रति छात्र लगभग 20 लाख रुपये की यह महत्वपूर्ण सहायता सुनिश्चित करेगी कि बच्चे अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें।

विदेशी छात्रों ने अपनी कृतज्ञता व्यक्त की, यह कहते हुए कि सरकार की यह समय पर वित्तीय सहायता उन्हें अपने आकांक्षाओं तक पहुंचने और राज्य तथा राष्ट्र के लिए सार्थक योगदान देने के लिए लौटने में मदद करेगी।

जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए ईवीएम रैंडमाइजेशन का दूसरा चरण सफलतापूर्वक पूरा हुआ



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव की तैयारी के क्रम में बुधवार को कोटला विजयभास्कर रेड्डी स्टेडियम में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के दूसरे दौर का यादृच्छिकीकरण (रैंडमाइजेशन) किया गया।

इस प्रक्रिया का आयोजन भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक रंजीत कुमार, पुलिस प्रेक्षक ओम प्रकाश त्रिपाठी, वय्य प्रेक्षक संजीव कुमार लाल, साथ ही विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों और चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के

एजेंटों की उपस्थिति में पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न हुआ।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन, अतिरिक्त आयुक्त हेमंत केशव पाटिल, निर्वाचन अधिकारी पी. साई राम तथा अन्य वरिष्ठ चुनाव अधिकारी भी इस दौरान उपस्थित थे।

यादृच्छिकीकरण से मतदान केंद्रों पर ईवीएम का निष्पक्ष वितरण सुनिश्चित होता है, जिससे चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता, तटस्थता और निष्पक्षता बढ़ती है।

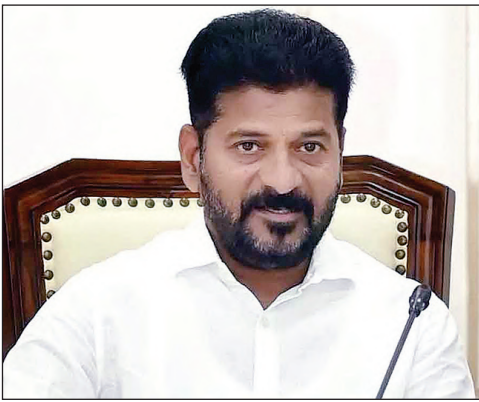
सीएम रेवंत रेड्डी ने चक्रवात 'मोंथा' के प्रभाव की समीक्षा की, अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को चक्रवात मोंथा से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की और विभिन्न विभागों के अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने तथा क्षेत्र स्तर पर उपलब्ध रहने का निर्देश दिया ताकि जान-माल की हानि को रोका जा सके।

राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश जारी रहने के बीच, मुख्यमंत्री ने कहा कि खम्मम, वारंगल और नलगोंडा जिलों में प्रभाव अधिक गंभीर होने की संभावना है, जबकि हैदराबाद और आसपास के क्षेत्रों में भी लगातार बारिश हो रही है।

रेवंत रेड्डी ने चिंता व्यक्त की कि चक्रवात धान की कटाई के मौसम के साथ मेल खा गया है, जिससे सूखने वाले खेतों में अनाज खुले में बिखरा पड़ा है। उन्होंने अधिकारियों को धान और कपास के स्टॉक को सुरक्षित रखने के लिए तत्काल सावधानियां बरतने तथा खरीद केंद्रों पर सुचारु संचालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ट्रेनों के बाधित होने की रिपोर्ट्स के बाद, जिसमें गोलकोंडा एक्सप्रेस और कोणार्क एक्सप्रेस को डोरनाकल जंक्शन और गुंडाटियादुगु स्टेशन पर रोका गया, मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को वैकल्पिक परिवहन की व्यवस्था करने और यात्रियों को किसी असुविधा न होने देने का निर्देश दिया।

उन्होंने एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीमों को सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में जिला कलेक्टरों के साथ निकट समन्वय करने का आदेश दिया। कलेक्टरों को



निर्देश दिए गए हैं कि निचले इलाकों और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से परिवारों को राहत शिविरों में स्थानांतरित किया जाए तथा उचित मार्गदर्शन और समर्थन सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने सिंचाई विभाग को जलाशयों, तालाबों और टैंकों के जल स्तर की 24 घंटे निगरानी करने तथा पूर्ण क्षमता वाले जल निकायों पर रेत के बैग तैयार रखने का निर्देश दिया ताकि उफान टूटने से रोका जा सके। उन्होंने निचले पुलों और डूबे हुए सड़कों पर यातायात को पूरी तरह प्रतिबंधित करने तथा दुर्घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस और राजस्व अधिकारियों द्वारा बैरिकेड लगाने का निर्देश दिया।

ठहरते वर्षा जल से रोगों के प्रकोप के जोखिम को देखते हुए, रेवंत रेड्डी ने शहरी और ग्रामीण स्वच्छता टीमों

को नालियों और जलभराव वाले क्षेत्रों को साफ करने के लिए निरंतर कार्य करने को कहा। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दवाओं का स्टॉक करने तथा आवश्यकता अनुसार मेडिकल कैंप लगाने का निर्देश दिया।

विभागों के बीच समन्वय की आवश्यकता पर पुनरावृत्ति करते हुए, मुख्यमंत्री ने राजस्व, बिजली, पंचायत राज, सड़कें एवं भवन, स्वास्थ्य, पुलिस, अग्निशमन सेवा, एसडीआरएफ, जीएचएमसी और हाइड्रो के अधिकारियों से जनता की संकट कॉल्स पर तत्काल प्रतिक्रिया देने तथा त्वरित राहत उपाय सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

रेवंत रेड्डी ने जोर दिया कि तेलंगाना चक्रवात मोंथा के निरंतर प्रभावों के लिए तैयार रहते हुए लोगों, पशुओं और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, एक आधिकारिक बयान में कहा गया।

खम्मम जिले में अब तक 15 गांवों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है, जहां स्थानीय प्रशासन ने 500 से अधिक परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है। वारंगल में नदी के जलस्तर में वृद्धि के कारण स्कूलों और कॉलेजों को बंद रखा गया है, जबकि नलगोंडा में किसानों को धान की फसल बचाने के लिए तिरपाल वितरित किए जा रहे हैं। राज्य सरकार ने अब तक 50 करोड़ रुपये की आपातकालीन राहत कोष जारी किया है, और विपक्षी दल बीआरएस ने केंद्र सरकार से अतिरिक्त सहायता की मांग की है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों में बारिश की तीव्रता कम हो सकती है, लेकिन हाई अलर्ट जारी रहेगा।

तेलंगाना राज्य सूचना आयोग ने दो आरटीआई अधिकारियों पर सूचना देने में लापरवाही के लिए जुर्माना लगाया

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सूचना आयोग ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के अनुपालन में गंभीर लापरवाही बरतने के कारण दो वरिष्ठ अधिकारियों पर आर्थिक दण्ड लगाया है।

पहले मामले में, नागार्जुन सागर परियोजना के अधीक्षण अभियंता कार्यालय में 24 फरवरी 2024 को एन जगैया नामक आवेदक ने सिंचाई परियोजनाओं से संबंधित जानकारी के लिए आरटीआई दायर की थी। नियम

अनुसार सूचना 30 दिनों के भीतर उपलब्ध कराई जानी थी, लेकिन विभाग ने यह जानकारी एक वर्ष से अधिक देर से प्रदान की। आयोग की कार्रवाई के तहत अधिशासी अभियंता डीईई रमण नाइक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जिन्होंने सुनवाई में भाग नहीं लिया। इसके परिणामस्वरूप सूचना आयुक्त पीवी श्रीनिवास राव ने उन पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगाया।

दूसरे मामले में, जगतिवाल निवासी ए चंद्रशेखर ने जनवरी 2022 में नागरपालिका से संबंधित जानकारी के लिए

आरटीआई आवेदन किया था। निर्देशों के बावजूद जानकारी प्रदान नहीं की गई। आयुक्त ने लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ) को 2,000 रुपये का सम्मान राशि भुगतान करने का आदेश दिया।

आयुक्त श्रीनिवास राव ने साफ तौर पर चेतावनी दी कि आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन में लापरवाही करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। यह तेलंगाना में आरटीआई मानदंडों का उल्लंघन करने पर लगाया गया पहला जुर्माना है।

केटीआर 10 दिवसीय रोड शो का नेतृत्व करेंगे

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीआरएस पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव (केटीआर) 31 अक्टूबर से 9 नवंबर तक जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र में 10 दिवसीय रोड शो का नेतृत्व करेंगे। इस अभियान में नुक़ड़ सभाएं और जनसंपर्क शामिल होंगे। बीआरएस उम्मीदवार मंगंती सुनीता सक्रिय रूप से मतदाताओं से



जुड़ी हैं। रोड शो शेखपेट से शुरू होकर युसुफगुडा, रहमतनगर, बोराबंदा, सोमाजीगुडा, वेंकटराव नगर और एरांगुडा डिवीजन समेत मुख्य इलाकों में होगा। 9 नवंबर को शेखपेट से बोराबंदा तक भव्य बाइक रैली के साथ इसका समापन होगा। केटीआर के इस अभियान से पार्टी में ऊर्जा आएगी और मतदाताओं से बेहतर जुड़ाव होगा।

नेहरू चिड़ियाघर ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2025 में सत्यनिष्ठा का संकल्प लिया



हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सरूरनगर के करमनघाट निवासी विस्तारवध शंकर की 600 रुपये के मामूली वेतन विवाद पर होटल स्टाफ से झड़प में मौत हो गई। शंकर को पहले अस्पताल में प्राथमिक उपचार मिला था, लेकिन हालत बिगड़ने पर उन्हें उम्मानिया

नेहरू प्राणी उद्यान ने क्षेत्रीय सतर्कता एवं प्रवर्तन कार्यालय के

सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह (27 अक्टूबर से 2 नवंबर) के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान और सत्यनिष्ठा शपथ समारोह आयोजित किया।

क्यूरेटर जे. वसंता द्वारा पौधर-पेपण का शुभारंभ किया गया। अधिकारियों ने नैतिक शासन और पारदर्शिता पर बल दिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए।

यह आयोजन नैतिक आचरण और पर्यावरण संरक्षण की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

सरूरनगर में 600 रुपये के विवाद में झगड़ा, झड़प के दौरान युवक की मौत

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सरूरनगर के करमनघाट निवासी विस्तारवध शंकर की 600 रुपये के मामूली वेतन विवाद पर होटल स्टाफ से झड़प में मौत हो गई। शंकर को पहले अस्पताल में प्राथमिक उपचार मिला था, लेकिन हालत बिगड़ने पर उन्हें उम्मानिया

जनरल अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने इलाज के दौरान दम तोड़ा। पुलिस ने होटल कर्मचारियों नूर, कमालुद्दीन, इस्लाम और रहीम के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच में सहायता के लिए गवाहों का सहयोग मांगा गया है।

बंदलागुडा में युवक की चाकू मारकर हत्या

हैदराबाद, 29 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बंदलागुडा क्षेत्र में बुधवार रात को एक युवा पान दुकान के मालिक मोहसिन (22 वर्ष) की चाकू से बेरहमी से हत्या कर दी गई। मोहसिन की दो महीने पहले ही शादी हुई थी और वह गौस नगर में पान की दुकान चलाता था।

पुलिस के अनुसार, देर शाम चार अज्ञात हमलावर दुकान पर आए और अचानक मोहसिन पर चाकूओं से हमला कर दिया। गवाहों ने बताया कि हमलावर हमले के तुरंत बाद फरार हो गए। मोहसिन को घायल हालत में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में उनकी मौत हो गई। इस नृशंस घटना से क्षेत्र में दहशत फैल गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर संदिग्धों की पहचान की कोशिश कर रही है। शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि यह हमला पूर्वनियोजित हो सकता है, लेकिन हत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। अचानक अशांति से बचाव के लिए इलाके में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

आज का अल्पाहार

राधे राधे ग्रुप

श्री रमेशचन्द्रजी गुप्ता के जन्मदिवस के अवसर पर

श्री हरनाथरायजी रमेशचन्द्रजी गुप्ता परिवार (नान्देड़)

वितरण स्थल : मेट्रो पिछुर नं. A-1265, पब्लिक गार्डन रोड

SATISH KUMAR GUPTA 92465 05234

JAGAT NARAYAN AGARWAL 92465 35311

RAM PRAKASH GOEL 93910 14283

MAHESH AGARWAL 98490 98502